शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कांग्रेस सरकार ने लाठीचार्ज के पीड़ितों को अज्ञात स्थान पर पहुंचाया: आर अशोक @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 13 दिसंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-343

एक देश एक चुनाव विधेयक को मिली मोदी कैबिनेट की मंजूरी

एक देश एक चुनाव विधेयक संसद में पेश होने को तैयार

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र में ही एक देश एक चुनाव विधेयक पेश किए जाने की तैयारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की अहम बैठक में मंत्रिमंडल ने एक राष्ट्र एक चुनाव विधेयक को मंजूरी दे दी। अब केंद्र सरकार शीतकालीन सत्र में इसे सदन में पेश कर सकती है। एक देश एक चुनाव पर बनी कोविंद समिति की रिपोर्ट को 18 सितंबर को केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी मिल गई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले 2019 में 73वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक देश एक चुनाव के अपने विचार को आगे बढ़ाया था। प्रधानमंत्री ने कहा था कि देश के एकीकरण की प्रक्रिया हमेशा चलती रहनी चाहिए। 2024 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भी प्रधानमंत्री ने इस पर विचार रखा था।

एक साथ चुनाव कराने को लेकर मिला देशभर से भारी समर्थन

चार राज्यों में एक साथ होते हैं लोकसभा-विधानसभा के चुनाव

वर्ष 2019 के स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक देश एक चुनाव का मसला उठाए जाने के बाद से अब तक इस मुद्दे पर लगातार चर्चाएं हो रही हैं। इस पर बहस हो रही है कि देश में लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हों। अभी लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव पांच साल के अंतराल में होते हैं। इसकी व्यवस्था भारतीय संविधान में की गई है। अलग-अलग राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल अलग-अलग समय पर पूरा होता है, उसी के हिसाब से उस राज्य में विधानसभा चुनाव होते हैं। कुछ राज्य ऐसे भी हैं जहां विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ होते हैं। इनमें अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओड़ीशा और सिक्किम जैसे राज्य शामिल हैं।

एक देश एक चुनाव की बहस 2018 में विधि आयोग के एक मसौदा रिपोर्ट के बाद शुरू हुई थी। उस रिपोर्ट में आर्थिक वजहों को गिनाया गया था। ▶10पर

यक्ष प्रश्न : कैसे पारित होगा प्रस्ताव और कैसे होंगे चुनाव?

राज्यसभा सचिवालय के शीर्ष अधिकारी ने बताया कि एक राष्ट्र एक चुनाव के लिए दो जरूरी प्रक्रियाएं पूरी करनी होंगी, संविधान संशोधन और राज्यों का अनुमोदन। संसद में पहले इस विधेयक को पारित कराना होगा। एक अड़चन बताई जाती है कि इसे लागू करने से पहले विधानसभाओं को भंग करना होगा। जबकि, ऐसा नहीं है। इसके लिए जरूरी नहीं है कि उनका ▶10पर

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, उपासना स्थल कानून पर विचार होने तक

धार्मिक स्थलों पर नए मुकदमे दर्ज नहीं किए जाएंगे

नए मुकदमे दाखिल भले हो जाएं पंजीकृत नहीं होंगे

इस दौरान किसी मस्जिद का सर्वेक्षण भी नहीं होगा

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को निर्देश दिया कि उपासना स्थल अधिनियम 1991 की वैधता से संबंधित मामले की सुनवाई होने तक धार्मिक स्थलों या तीर्थस्थलों के संबंध में कोई नया मुकदमा दर्ज नहीं किया जाएगा। इस दौरान जिला अदालतों द्वारा सर्वेक्षण का आदेश भी नहीं दिया जाएगा।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा, जब उपासना स्थल अधिनियम 1991 की वैधता से संबंधित मामला इस अदालत के समक्ष विचाराधीन है तो अन्य लोगों के लिए इस पर अपना हाथ डालना क्या उचित होगा? शीर्ष अदालत ने कहा कि नए मुकदमे दाखिल किए जा सकते हैं लेकिन उन्हें पंजीकृत नहीं किया जाएगा और जिला अदालतों द्वारा कोई प्रभावी आदेश पारित नहीं किया जाएगा। शीर्ष अदालत ने 1991 के कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने के लिए केंद्र सरकार को चार सप्ताह का और समय दिया है। याचिकाओं के एक समूह पर विचार करते हुए अदालत ने यह भी कहा कि कानून के क्रियान्वयन की मांग करने वाली याचिका पर भी केंद्र द्वारा कोई जवाब दाखिल नहीं किया गया है।

नवगठित पीठ ने नए मुकदमों पर विचार करने पर रोक लगाने के आदेश के विरोध को खारिज कर दिया। कानून की वैधता को चुनौती देने वालों की ओर से पेश वकीलों ने इस आदेश का विरोध किया था। पीठ ने कहा, मुकदमे दायर किए जाने पर भी कोई कार्यवाही नहीं की जा सकती। जब मामला इस अदालत के समक्ष विचाराधीन है तो क्या दूसरों के लिए इस पर रोक लगाना उचित नहीं होगा। जब तक हम मामले की जांच नहीं कर लेते, तब तक कोई प्रभावी आदेश या सर्वेक्षण आदेश पारित नहीं किया जा सकता। उल्लेखनीय है कि उपासना स्थल अधिनियम-1991 को पीवी नरसिम्हा राव सरकार ने राम मंदिर आंदोलन के चरम पर लागू किया था। इस कानून का उद्देश्य 15 अगस्त, 1947 को मौजूद धार्मिक स्थलों की स्थिति की रक्षा करना था। ▶10पर

जामा मस्जिद को संरक्षित स्मारक घोषित करने की मांग

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट में जामा मस्जिद को संरक्षित स्मारक घोषित करने और इसके आसपास से अतिक्रमण हटाने का निर्देश देने की मांग करने वाली याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने एएसआई को मस्जिद परिसर का मुआयना कर रिपोर्ट दाखिल करने का समय दे दिया है। हाईकोर्ट ने एएसआई को रिपोर्ट दाखिल करने के लिए 22 जनवरी तक का समय दिया। मामले की अगली सुनवाई 29 जनवरी को होगी।

सुनवाई के दौरान एएसआई ने हाईकोर्ट से मस्जिद परिसर का मुआयना कर रिपोर्ट देने के लिए और वक्त देने की मांग की। हाईकोर्ट ने समय देते हुए कहा कि मस्जिद का मुआयना करते समय वक्फ बोर्ड के सदस्य, याचिकाकर्ताओं के प्रतिनिधि वकील भी मौजूद रहेंगे। इसके पहले हाईकोर्ट ने 27 सितंबर को केंद्र सरकार और एएसआई को इस बात के लिए फटकार लगाई थी कि उन्होंने वो ▶10पर

रेल सुधार विधेयक-2024 संसद से पारित

रेलवे का नहीं होगा निजीकरण: वैष्णव

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

रेल सुधार विधेयक के सिलसिले में फैले भ्रम को साफ करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में कहा कि रेलवे का निजीकरण नहीं होगा। रेल मंत्री के जरिए केंद्र सरकार ने यह आश्वस्त किया कि यह बिल रेलवे के निजीकरण का संकेत बिल्कुल नहीं है।

उल्लेखनीय है कि काफी लंबे समय से रेलवे के निजीकरण को लेकर खबरों का बाजार गर्म था। अब लोकसभा में बुधवार को रेलवे अमेंडमेंट बिल-2024 पास हुआ। नए रेलवे बिल के बाद रेलवे बोर्ड की कार्यप्रणाली और स्वतंत्रता को बढ़ाने के लिए मौजूदा रेलवे कानूनों में संशोधन होगा। संसद के निचले सदन में लंबी बहस के बाद इस विधेयक को ध्वनि मत से पारित कर दिया गया।

लोकसभा में बहस के दौरान जवाब देते हुए रेल मंत्री ▶10पर

हिंदू विरोधी हरकतों से बाज नहीं आ रहा बांग्लादेश, कोर्ट भी पक्षपाती

इस्कॉन संत के वकील रवींद्र घोष पर हमला, हत्या की दी धमकी

ढाका, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अगुवाई में मुस्लिम कट्टरपंथी लगातार हिंदुओं पर हमले कर रहे हैं। इन हमलों के विरोध में भारत में हिंदू समाज लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहा है और बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवाज उठा रहा है। इसी क्रम में इस्कॉन भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास को न्याय दिलाने के लिए उनकी पैरवी कर रहे बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट के हिंदू वकील रवींद्र घोष पर मुस्लिम कट्टरपंथियों ने हमला कर दिया।

रवींद्र घोष पर हमला उस वक्त किया गया, जब वो चिन्मय कृष्ण दास प्रभु के केस की सुनवाई के लिए छत्रग्राम कोर्ट गए थे। लेकिन वहां पहुंचते ही कोर्ट में उपस्थित मुस्लिम कट्टरपंथी वकीलों ने उन पर हमला कर दिया। उन्हें जमकर पीटा गया और खुलेआम हत्या की भी धमकी दी गई। कट्टरपंथी मुस्लिम चिन्मय कृष्ण प्रभु को लंबे वक्त तक जेल में रखना चाहते हैं।

इसीलिए उन्होंने इस्कॉन संत की पैरवी करने वाले वकील पर ही हमला कर दिया। कोर्ट ने भी चिन्मय कृष्ण दास को कोई राहत नहीं दी और उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी।

कोर्ट ने खारिज कर दी चिन्मय कृष्ण की जमानत याचिका

जय-बांग्ला अब नहीं रहा बांग्लादेश का राष्ट्रीय नारा

ढाका, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट ने जय-बांग्ला को राष्ट्रीय नारा घोषित किए जाने के 2020 के फैसले पर रोक लगा दी है। 2020 में जय-बांग्ला को बांग्लादेश का राष्ट्रीय नारा घोषित किया गया था। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने इस राष्ट्रीय नारे के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगाने का फैसला दे दिया। इससे यह स्पष्ट हो गया कि मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार की नीति अब बांग्ला आधारित नहीं रही। मोहम्मद यूनुस की यह पहल शेख मुजीबुर्रहमान की पहचान मिटाने से कहीं बड़ा घातक कदम है। साफ है कि 5 अगस्त को शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करना केवल सत्ता का बदलाव नहीं, बल्कि बांग्लादेश को फिर से पाकिस्तान बनाने का षडयंत्र था।

असम सरकार का महत्वपूर्ण फैसला

एनआरसी के आवेदकों को ही मिलेगा आधार कार्ड

गुवाहाटी, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। असम सरकार ने बुधवार को घोषणा की कि जिन लोगों ने अब तक राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) में आवेदन नहीं किया है, उन्हें अब आधार कार्ड नहीं मिलेगा। राज्य सरकार ने यह फैसला आज मंत्रिमंडल की एक बैठक के बाद लिया। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह कदम बांग्लादेश से हो रही घुसपैठ को रोकने के लिए उठाया गया है।

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा, पिछले दो महीनों में असम पुलिस,त्रिपुरा पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) ने बड़ी संख्या में घुसपैठियों को पकड़ा है। बांग्लादेश से हो रही इस घुसपैठ को लेकर असम सरकार चिंतित है और इसे रोकने ▶10पर

विपक्षी दल मानसिक दिवालियेपन का शिकार

धनखड़ के बाद अब रिजिजू निशाने पर

केंद्रीय मंत्री रिजिजू के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। विपक्ष मानसिक दिवालियेपन का शिकार हो गया है। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव दाखिल करने के बाद अब विपक्ष ने केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव दाखिल किया है।

तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने गुरुवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पेश किया। उच्च सदन में विपक्षी नेताओं के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाया गया है। इस प्रस्ताव को 60 विपक्षी नेताओं का समर्थन मिला है और इन विपक्षी सांसदों ने इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं।

टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने कहा कि कल सदन में विपक्ष को संबोधित करते हुए किरेन रिजिजू ने कहा कि आप सभी इस सदन में रहने के योग्य नहीं हैं। संसदीय कार्य मंत्री को संसद को सुचारू रूप से चलाने पर फोकस करना चाहिए, लेकिन वे इसके बजाय बार-बार विपक्ष का अपमान कर रहे हैं। घोष ने कहा कि किरेन रिजिजू ने विपक्षी सदस्यों का अपमान किया है और संसद के अंदर और बाहर दोनों जगह विपक्षी सांसदों के खिलाफ व्यक्तिगत शब्दों का इस्तेमाल किया है। यह पूरी तरह से अनुचित है और वे अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 80,000/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 94,737/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30⁰
न्यूनतम : 22⁰

अपरिपक्व हरकतों से नाराज इंडी गठबंधन नए नेता की तलाश में

कांग्रेस को लेकर डूब रहा गांधी परिवार का राहुल-वाद

राहुल गांधी की अपरिपक्व हरकतों से नाराज इंडी गठबंधन नए नेता की तलाश में जुट गया है। कांग्रेस पार्टी डूब रही है। कांग्रेस पार्टी के साथ सहानुभूति रखने वाले बुजुर्ग नागरिकों का भी कहना है कि गांधी परिवार का राहुलवाद कांग्रेस पार्टी को लेकर डूब रहा है। राहुल गांधी में कोई वैचारिक गांभीर्य और स्पष्टता नहीं, जिस कारण कांग्रेस की पुरानी साख बुरी तरह संकट में है।

राहुल गांधी के विचार में इतना हलकापन है कि कोई भी चुनाव परिणाम यदि कांग्रेस के अनुकूल न हो तो वह चुनाव की निष्पक्षता पर आरोप लगाने से बाज नहीं आते। महाराष्ट्र चुनाव के बाद भी कांग्रेस ने एक बार फिर चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाया और सारी परंपराओं और संवैधानिक मर्यादाओं को ताक पर रख दिया। ऐसी हरकतें करते हुए राहुल को झारखंड में इंडी गठबंधन की जीत नजर नहीं आती। राहुल की ओछी हरकतें कांग्रेस पार्टी की गतिविधियों पर भी परिलक्षित हो रही हैं और

आम नागरिक इससे आक्रोश में है। राहुल गांधी की देखा-देखी या उनके उकसावे पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के उपनेता अशोक जगताप उर्फ भाई जगताप ने देश की प्रमुख संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया। कांग्रेस पार्टी ने जगताप के बयान की निंदा करने के बजाय पार्टी की वर्किंग कमेटी की बैठक बुलाकर चुनाव आयोग पर धांधलियों का आरोप लगाते हुए सड़कों पर उतरने का ऐलान कर दिया।

शुभ-लाभ विमर्श

कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर कोई पहली बार हमला नहीं किया है। वह इससे पहले भी पराजित होने के बाद ईवीएम मशीनों दुरुपयोग कर भाजपा को जिताने का आरोप लगाकर चुनाव आयोग पर निशाना साधती रही है और उसे मोदी सरकार की कठपुतली बताती रही है। पर, अब कांग्रेस का यह रवैया जिस तरह सारी मर्यादाओं को ताक पर रख देने पर पहुंच गया है, उससे यही लगता है कि कांग्रेस न अतीत से कुछ सीखना चाहती है और न वर्तमान से ।

वह संविधान की रक्षा की चाहे जितनी दुहाई दे लेकिन वास्तव में उसके हृदय में न लोकतंत्र और लोकतांत्रिक तौर-तरीकों के लिए कोई आदर है, न जनमत के लिए कोई सम्मान है। उसका शीर्ष नेतृत्व आज तक यह सच स्वीकार नहीं कर पाया है कि उसने अपनी नीति और नीयत से जनता का भरोसा खो दिया है। कांग्रेस इस तरह का आचरण तब कर रही है जब चुनाव आयोग ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जेबीएन वी प्रेन्योर्स की बैठक आयोजित

संपर्क निर्माण के माध्यम से व्यवसाय बढ़ाना संभव: पायल गादिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेबीएन वी प्रेन्योर्स ने एक गतिशील और प्रभावशाली बैठक का आयोजन जीतो कार्यालय चामराजपेट में किया। यह जोश से भरा महिलाओं का रेफरल समूह व्यवसायिक रेफरल साझा करने और सामूहिक व्यवसायिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एकत्रित हुआ। बैठक की शुरुआत नवकार मंत्र के उच्चारण से हुई। एजुकेशन स्लॉट का नेतृत्व पायल गादिया ने किया, जो ए एंड पी किचन की मालकिन हैं और कैटरिंग और क्लाउड किचन के क्षेत्र में कार्यरत हैं। उनका सत्र बेहद आकर्षक और जानकारीपूर्ण रहा, जिसमें उन्होंने सामाजिक मीडिया और इंस्टाग्राम पर पुनः पोस्ट करने का उपयोग करके अपने व्यवसाय और समुदाय को बढ़ाने के प्रभावी तरीकों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने यह भी साझा किया कि जेबीएन समूह ने उनके व्यवसाय को बढ़ाने में कैसे मदद की। उन्होंने अपनी प्रेरणादायक सफलता की कहानी साझा की और बताया कि जेबीएन में संपर्क निर्माण के माध्यम से व्यवसाय कैसे आगे बढ़ सकता हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने महिलाओं द्वारा व्यवसाय में सामना की जाने वाली आम चुनौतियों पर चर्चा की और उन्हें दूर करने के व्यावहारिक और प्रेरणादायक समाधान प्रस्तुत किए।

सदस्यों को हमारे गिफ्टिंग पार्टनर मितु जैन, जो मितु क्रिएशन्स की मालकिन हैं और एलीगेंट एथनिक वियर में विशेषज्ञता रखती हैं, द्वारा शानदार उपहार मिले। बैठक का नेतृत्व रेफरल हेड नीलम शांड, रेफरल लीड लताशा भंडारी, रेफरल डॉ. अंजना जैन को सम्मानित किया गया। रेफरल लीड लताशा भंडारी ने कहा जेबीएन अचीवर्स और वी प्रेन्योर्स के बीच आयोजित बैडमिंटन टूर्नामेंट में वी प्रेन्योर्स के 8 सदस्यों ने भाग लिया।

यह वी प्रेन्योर्स के लिए गर्व का क्षण था, जब हमारे सदस्यों किरण जैन, सोनिया मांडोत और अदिति गुलेचा ने बैडमिंटन टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार प्राप्त किया। रेफरल सचिव ज्योति कोचट्टा ने पायल गादिया को उनके व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालकर बैठक में शामिल होने के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। उनकी उपस्थिति ने इस व्यावसायिक बैठक को ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया। बैठक में 17 सदस्य उपस्थित थे। बैठक का समापन सदस्यों के बीच 85,900 रुपये के व्यवसाय लेन-देन के साथ हुआ। 3 नए सदस्यों को रेफरल हेड नीलम शांड द्वारा शपथ गृहण कराया गया। बैठक का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।

एक दिवसीय संघ यात्रा 2.0 का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सिवांची ओसवाल जैन महिला संघ ने मंगलवार को एक दिवसीय संघ यात्रा 2.0 का आयोजन किया।

यह यात्रा रामनगर के आदि संस्कार धाम से पार्श्व लब्धि धाम तक थी।

समिति सदस्यों की यह भावना थी की उनके कार्यकाल में इस तरह संघ यात्रा का आयोजन का सुअवसर उन्हें मिले। अध्यक्ष सीमा मेहता ने बताया कि ऐसी यात्रा का आयोजन 2021 की समिति द्वारा भी की गई थी। इसलिए इस यात्रा का नाम भी इसी तरह यात्रा के आयोजन होते रहें। सचिव प्रीती चोरडिया और कोषाध्यक्ष ऊषा भंडारी ने कार्यक्रम की जानकारी दी। नेशनल कॉलेज मेट्रो स्टेशन से बसों द्वारा करीब 110 यात्री ने इस यात्रा का लाभ लिया। राम नगर पार्श्व पद्मावति धाम और आदि संस्कार धाम में बाजते गाते हुए प्रभु दर्शन, सामूहिक चैत्य वंदन और आरती का लाभ लिया। पार्श्वलब्धि धाम में साध्वीश्री सुलोचना श्रीजी की सुशिष्या साध्वी प्रियकल्पनाश्रीजी की निश्रा में स्नात्र महोत्सव के लिए प्रभु का आगमन करवाया। कमलेश ने अपने सुरों से सभी को भक्ति में लीन कर दिया। हेमा चोपड़ा और रेखा मुणोत ने शांति कलश का लाभ लिया।

डिम्पल ओस्तवाल, टीनू पालरेचा, गुलाब मेहता ने आयोजन की व्यवस्था संभाली। ललिता छाजेड़, मीना रांका और स्नेहा चोरड़िया ने यात्रियों के लिए स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था संभाली। निकिशा चोरड़िया और उषा श्रीश्रीमाल ने रजिस्ट्रेशन और टेक्निकल का काम संभाला। कमला लुंकड़, अनीता छाजेड, रोहिणी मेहता, शकुंतला चोपड़ा, अरुणा चोरड़िया, रुपल गुलेचा और कैलाश संकलेचा की भी उपस्थिति रही। समिति ने सभी प्रायोजक परिवार का आभार जताया।

आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी का हुआ सुशीलधाम में प्रवेश

उपधान तप का प्रारंभ 15 से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी आदि श्रमण श्रमणी वृंद के साथ उपधान तप में सान्निध्य प्रदान करने के लिए विहार करते हुए गुरुवार को सुशीलधाम पहुँचे। गुरुभगवंतों के स्वागत हेतु श्री सीमंधर-शांतिसूरि जैन संघ, कल्याण मित्र परिवार, समर्पण परिवार, तीर्थ व्यवस्थापक, उपधान तप के आयोजक एवं लाभार्थी परिवार के सदस्यों सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित हुए जिन्होंने कलश आदि शगुन दर्शाकर और अक्षत से वर्धापन कर आचार्यश्री का तीर्थ परिसर में प्रवेश कराया। प्रवेश के बाद जिनालय में दर्शनचैत्यवंदन किया। तीर्थ निर्माता सुराणा परिवार ने तीर्थ परिसर में उपधान तप हेतु आवश्यक सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी आचार्यश्री को दी।

कल्याण मित्र परिवार के सदस्य हितेश कटारिया ने बताया कि 14 को उपधान के आराधकों का आगमन होगा एवं 15 दिसंबर से 47 दिवसीय साधना का प्रारंभ होगा।

जिसकी पूर्णाहूति के अवसर पर 2 फरवरी को मोक्षमाला समारोह का आयोजन किया जाएगा। स्कूल कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों के लिए क्रिसमस वेकेशन के मद्देनजर 18 दिवसीय उपधान अढारिया 23 दिसंबर से 9 जनवरी के बीच होगा।

सरकारी योजनाओं का हर परिवार को लाभ पहुंचाने के लिए उनके प्रमाण पत्र बनवाने जरूरी: कविता जैन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो मैसूरु चैप्टर की महिला विंग की नई टीम द्वारा जीतो कार्यालय में सरकारी अधिकारियों के साथ एक बैठक में अल्पसंख्यक सरकारी योजनाओं के बारे में जागृति लाने और सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए कौन-कौन से प्रमाण पत्र चाहिए, की जानकारी प्राप्त की गई। नवकार महामंत्र के मंगलाचरण द्वारा कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। जीतो राष्ट्रीय अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ की सचिव कविता जैन ने सभा की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का हर परिवार को लाभ पहुंचाने के लिए सबसे पहले उनके प्रमाण पत्र बनवाने जरूरी है। मैसूरु चैप्टर के अध्यक्ष विनोद बाकलीवाल ने बैठक में आए हुए राष्ट्रीय पदाधिकारी, सदस्य एवं सरकारी अधिकारियों का स्वागत करते हुए सभी का पदों के साथ परिचय दिया। मैसूरु जिला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग कि अधिकारी निशिता जैन ने तीन प्रकार के सरकारी प्रमाण पत्रों जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र और लागत प्रमाण पत्र के बारे में जानकारी दी। मैसूरु चैप्टर महिला विंग की अध्यक्ष मोना भटेवरा ने महिलाओं के लिए सरकार द्वारा जारी विशेष योजनाओं की आवश्यकता जताई। केएमडीसी के अधिकारी नागेंद्र संभागीय ने कहा शिक्षा, विदेशी शिक्षा, महिलाओं के लिए छोटे गृह उद्योग, ब्यूटी पार्लर खोलने के लिए सब्सिडी लोन, हैवी फोर व्हीलर गाड़ियां, जिसमें 50 प्रतिशत सब्सिडी रहती है, विधवा एवं तलाकशुदा महिलाओं के लिए भी अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी दी। केकेजी जोन चैप्टर मैसूरु के संयोजक चंद्रगुप्त कटारिया ने भवन के लोन की चर्चा की। जीतो मैसूरु चैप्टर के महासचिव गौतम सालेचा ने पधारे हुए अतिथि एवं अधिकारियों का शाल पहनाकर सम्मान किया। बैठक में जीतो के राष्ट्रीय अल्पसंख्यक यूथ संयोजक पुनीत श्रीश्रीमाल, मैसूरु जीतो चैप्टर के यूथ अध्यक्ष सिद्धार्थ कटारिया, महिला विंग महामंत्री रजनी डाकलिया, सचिव साधना श्रीश्रीमाल, उपाध्यक्ष सपना, उपाध्यक्ष सरिता, कोषाध्यक्ष मीनाक्षी जैन, मैसूरु चैप्टर अल्पसंख्यक संयोजक सुरेश जैन, महिला विंग अल्पसंख्यक संयोजक संगीता खाबिया आदि उपस्थित थे।

सिवांची युथ फेडरेशन की नई कमेटी गठित

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सिवांची ओसवाल जैन संघ की इकाई सिवांची युथ फेडरेशन की आम सभा आयोजित की गई, जिसमें सलाहकार दिपचंद बाफना की उपस्थिति में श्री सिवांची ओसवाल जैन संघ के अध्यक्ष जयंतीलाल कवाड़ एवं कार्यदर्शी प्रवीण संकलेचा के सहयोग से पूर्व चेयरमैन पवन ओस्तवाल द्वारा प्रस्तावित नई कमेटी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। अध्यक्ष के रूप में संतोष बाफना, उपाध्यक्ष वर्धमान पालरेचा, कार्यदर्शी त्रियांच श्रीश्रीमाल, सहकार्यदर्शी कपिल बाफना, खजांची राकेश कोठारी, सहखजांची आयुष भंसाली को नियुक्त किया गया। उपस्थित सभी सदस्यों ने नई कमेटी को बधाई दी। श्री सिवांची ओसवाल जैन संघ के अध्यक्ष जयंतीलाल कवाड़ ने नई कमेटी को शुभकामनाएं देते हुए संघ के सभी कार्य में अपना पूर्ण सहयोग देने का अनुरोध किया।

सुबह से ही बूंदाबांदी रही जारी

अगले कुछ दिनों तक राज्य के विभिन्न जिले में बारिश की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बंगाल की खाड़ी में एक और तूफान आया है और इसका असर बेंगलूरु शहर पर भी पड़ा है, जहां गुरुवार सुबह से ही बूंदाबांदी जारी रही।

एक सप्ताह पहले फेंगल तूफान के असर से चार-पांच दिनों तक बारिश हुई थी और लोगों को भारी परेशानी हुई थी।

लेकिन अब एक और तूफान आ गया है और ठंडी हवाओं के साथ बारिश हो रही है और सुबह स्कूल, कॉलेज और काम पर जाने वाले लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। बादल छाए रहने के कारण बेंगलूरु समेत तुमकुरु, कोलार, चिक्कबल्लापुर, रामनगर, मांड्या, मैसूरु जिलों में येलो अलर्ट घोषित किया गया है। मौसम विभाग के सूत्रों ने बताया कि 18 दिसंबर तक बारिश की संभावना है। चक्रवात फेंगल ने कुछ जगहों पर सब्जियों समेत अन्य फसलों को बर्बाद कर दिया है और जब तक किसान संभलते, किसानों के जख्मों पर पर्दा डालने के लिए एक और चक्रवात आ गया। चक्रवात फेंगल के कारण फसल की बर्बादी और कीमत में वृद्धि के कारण उपभोक्ता परेशान हैं। व्यापारियों का कहना है कि अगर दोबारा बारिश आई और फसल बर्बाद हुई तो दाम और बढ़ने की आशंका है।

उडुपी से लापता महिला और तीन बच्चों के आंध्र प्रदेश में होने का संदेह

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

हाल ही में डोड्डानगुड्डे डाक क्वार्टर से लापता हुई एक महिला और उसके तीन बच्चों के आंध्र प्रदेश में होने का संदेह है। पुलिस को इस संबंध में एक सूचना प्राप्त हुई है और सूचना के आधार पर अपनी जांच जारी रखी है। लक्ष्मव्वा कुमारा मालवथरा के रूप में पहचानी गई महिला अपने तीन बच्चों के साथ 4 दिसंबर को डोड्डानगुड्डे डाक क्वार्टर में अपने घर से निकलने के बाद लापता हो गई। उडुपी टाउन पुलिस स्टेशन में घटना के संबंध में शिकायत दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

सड़क हादसे में दो लोगों की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले में बुधवार को दो व्यक्तियों की उस वक्त मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए, जब एक ट्रक ने ओमनी कार को टक्कर मार दी, जिसमें पांच लोग बलात्कारियों को शीघ्र सजा देने की मांग को लेकर मेंगलूरु से दिल्ली तक पैदल यात्रा कर रहे थे। यह दुर्घटना गुजरात के सूरत से लगभग 200 किलोमीटर दूर दोपहर 2 बजे हुई। मृतकों में से एक की पहचान दक्षिण कन्नड़ जिले के चारमाडी के मूसा शरीफ और दूसरे की प्रवीण के रूप में हुई है। जब वे कार में सड़क के किनारे आराम कर रहे थे, तभी एक ट्रक ने कार को टक्कर मार दी, जिससे मूसा शरीफ और प्रवीण की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर से ओमनी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और टक्कर के बाद ट्रक मौके से भाग गया। केआरएस पार्टी से जुड़े जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता मूसा शरीफ कर्नाटक सारथी ट्रेड यूनियन के नेता भी थे। पांच लोगों का यह समूह प्रधानमंत्री से मिलने और बलात्कारियों को तत्काल सजा देने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपने के इरादे से पैदल यात्रा पर निकला था। इसमें देश में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के बीच बलात्कार के मामलों में हो रही खतरनाक वृद्धि पर प्रकाश डाला गया था।

मुडा घोटाल मामला:

कार्यकर्ता ने लोकायुक्त से सीएम के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज करने का किया आग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सामाजिक कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने मैसूरु में लोकायुक्त पुलिस से कथित मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा लोकायुक्त को लिखे गए पत्र के आधार पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और अन्य के खिलाफ एक और मामला दर्ज करने की अपील की है। कृष्णा ने गुरुवार को मैसूरु में लोकायुक्त के कार्यालय का दौरा किया और ईडी के पत्र के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग अधिनियम के तहत एक नई शिकायत दर्ज करने का आग्रह करते हुए एक और याचिका प्रस्तुत की।

कृष्णा ने विजय मदनलाल चौधरी और अन्य बनाम भारत संघ मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले में एक निर्देश का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि एक नया मामला दर्ज किया जा सकता है, भले ही एक और मामला लंबित हो, क्योंकि ईडी ने विस्तृत विवरण दिया है। उन्होंने इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के आदेश की एक प्रति भी संलग्न की है। उन्होंने कहा कथित मुडा घोटाले, जिसमें मनी लॉन्ड्रिंग और अन्य अपराध शामिल हैं, की ईडी की जांच के बाद मैसूरु लोकायुक्त पुलिस को एक पत्र भेजा गया है, जिसमें चुनाव आयोग द्वारा किए गए कुछ निष्कर्षों पर प्रकाश डाला गया है। इस पत्र के आधार पर, लोकायुक्त पुलिस को एक और शिकायत दर्ज करनी चाहिए और सिद्धरामैया और अन्य आरोपियों के खिलाफ जांच करनी चाहिए।

कांग्रेस सरकार ने लाठीचार्ज के पीड़ितों को अज्ञात स्थान पर पहुंचाया: आर अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा ने गुरुवार को कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर लाठीचार्ज में घायल हुए लोगों को किसी अज्ञात स्थान पर ले जाने का आरोप लगाया, ताकि उसके नेता उनसे मिल न सकें।

पार्टी ने बेलगावी में सुवर्ण विधान सौधा में विरोध प्रदर्शन करने और चल रहे विधानसभा सत्र के दौरान इस मुद्दे को उठाने की योजना की घोषणा की। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने बेलगावी में संवाददाताओं से बात करते हुए कहा हमारे पार्टी नेताओं ने मंगलवार को पंचमसाली लिंगायत आरक्षण आंदोलन के दौरान लाठीचार्ज में घायल हुए लोगों से मिलने के लिए आज अस्पताल जाने की योजना बनाई थी।

हमने उनसे मिलने की अपनी मंशा बताई थी। हालांकि, घायल लोगों को अचानक किसी अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। उन्होंने कहा यह सरकार हमें लाठीचार्ज में गंभीर रूप से घायल हुए लोगों से मिलने की अनुमति नहीं दे रही है। यह व्यवहार हिटलर की याद दिलाता है। हम यह पता लगाने में असमर्थ हैं कि घायलों को कहां ले जाया गया है। अशोक ने कहा

कि भाजपा शून्यकाल के दौरान लिंगायत प्रदर्शनकारियों पर हमले का मुद्दा उठाएगी और सत्र शुरू होने से पहले सुवर्ण विधान सौधा के परिसर में अंबेडकर प्रतिमा के पास विरोध प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज का आदेश देकर एक छोटी सी घटना को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है।

उन्होंने कांग्रेस सरकार पर पाखंड का आरोप लगाते हुए कहा अपने भाषणों में, कांग्रेस नेता लिंगायत संप्रदाय के संस्थापक बसवन्ना का हवाला देते हैं। फिर भी, वास्तव में, वे बसवन्ना के अनुयायियों पर लाठीचार्ज का आदेश देते हैं। अशोक ने याद करते हुए कहा हमें नहीं पता कि हम लोकतांत्रिक व्यवस्था में हैं या आपातकाल की स्थिति में हैं। पिछली भाजपा सरकार के दौरान, पंचमसाली लिंगायत समुदाय ने बिना किसी प्रतिबंध के विरोध प्रदर्शन किया था। उस समय, प्रदर्शनकारियों की संख्या मंगलवार की तुलना में चार गुना अधिक थी। लेकिन हमारी सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई की कि स्थिति हाथ से बाहर न जाए। उनकी मांग का जवाब देते हुए, हमने आरक्षण कोटा प्रदान करने का फैसला किया। अशोक ने आगे कहा सरकार ने हिंसा भड़काई है और लिंगायत समुदाय के लोगों पर इतनी बेरहमी से हमला किया गया कि कई लोग अब आईसीयू में हैं। यह एक अक्षम्य अपराध है। समुदाय के संत ने बताया है कि इतिहास में किसी भी मुख्यमंत्री ने लिंगायतों पर लाठीचार्ज का आदेश नहीं दिया है, लेकिन सीएम सिद्धरामैया ने ऐसा किया। संत ने परिणामों की चेतावनी दी है। उन्होंने विधानसभा सत्र की अवधि कम करने के लिए सरकार की आलोचना की। सरकार ने दावा किया था कि वे 10 दिनों के लिए सत्र चलाएंगे, लेकिन कन्नड़ साहित्य सम्मेलन का हवाला देते हुए इसे एक दिन तक सीमित कर दिया। एक और दिन महात्मा गांधी और अनुभव मंडप के चित्रों का अनावरण करने में बिताया गया। पूर्व सीएम एसएम कृष्णा की मृत्यु के कारण दो और दिन चले गए। सरकार को सत्र को एक सप्ताह के लिए बढ़ा देना चाहिए था। हम वक्फ बोर्ड विवाद, मातृ मृत्यु, 700 करोड़ रुपये का आबकारी घोटाला, नवजात शिशुओं की मृत्यु, राशन कार्ड का मुद्दा और पंचमसाली लिंगायत आरक्षण जैसे मुद्दों को संबोधित कर सकते थे।

भाजपा ने लिंगायतों को आरक्षण दिया

अशोक ने यह भी कहा भाजपा ने लिंगायतों को आरक्षण दिया। संविधान अल्पसंख्यकों के लिए धर्म-आधारित आरक्षण की अनुमति नहीं देता है। भाजपा सरकार ने अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण रद्द कर दिया और संविधान के अनुसार उन्हें लिंगायत, वोक्कालिगा, मराठा और अन्य को वितरित कर दिया। वोट बैंक की राजनीति करने वाली कांग्रेस ने इन आरक्षणों के कार्यान्वयन को रोक दिया है। उन्होंने सीएम सिद्धरामैया पर प्रदर्शनकारियों पर हमले का समर्थन करने का आरोप लगाया। सीएम सिद्धरामैया ने लिंगायत पंचमसाली आरक्षण मुद्दे पर चर्चा का आश्वासन दिया। प्रदर्शनकारियों से मिलने और उनका ज्ञापन लेने के बजाय, उन्होंने लाठीचार्ज का आदेश दिया। अगर वह लोकतंत्र का सम्मान करते, तो वह प्रदर्शनकारियों से मिलते। सीएम को माफी मांगनी चाहिए और जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों को निलंबित किया जाना चाहिए।

लिंगायत पंचमसाली समुदाय के सदस्यों ने हिरेबागेवाड़ी में रास्ता रोको आंदोलन किया

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

लिंगायत पंचमसाली समुदाय के सदस्यों ने गुरुवार को पंचमसाली पीठ कुडलसंगम के बसव जयमृत्युंजय स्वामीजी के नेतृत्व में हिरेबागेवाड़ी में पुणे-बेंगलूरु राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोल प्लाजा पर उन पर किए गए लाठीचार्ज के खिलाफ रास्ता रोको आंदोलन किया। पुलिस ने मंगलवार को लिंगायत पंचमसाली समुदाय के सदस्यों पर लाठीचार्ज किया, जब वे समुदाय के लिए 2ए आरक्षण की मांग को लेकर सुवर्ण विधान सौधा का घेराव करने जा रहे थे। लाठीचार्ज के विरोध में समुदाय के सदस्यों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर धरना दिया और यातायात की आवाजाही रोक दी। बाद में पुलिस ने समुदाय के सदस्यों को हिरासत में ले लिया। इससे पहले कुडलसंगम पंचमसाली पीठ के महंत बसवराज जय मृत्युंजय स्वामी ने कहा कि कर्नाटक सरकार पंचमसाली विरोध प्रदर्शन को दरकिनार करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने 2ए श्रेणी के तहत आरक्षण की भी मांग की। महंत ने कहा राज्य सरकार विरोध प्रदर्शन को दरकिनार करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने वाहनों पर प्रतिबंध भी लगाया और हमें विरोध प्रदर्शन करने के लिए जगह देने से इनकार कर दिया। इन सबके बावजूद 50,000 लोगों ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि

उन्होंने लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन किया, लेकिन विरोध प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं, महिलाओं और किसानों को बलपूर्वक तितर-बितर कर दिया गया। महंत ने दावा किया सिद्धरामैया इस सब के लिए जिम्मेदार हैं। हम अपने भविष्य के विरोध प्रदर्शन की रणनीति बनाएंगे। सरकार को आज की मनमानी के परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने आगे दावा किया कि कांग्रेस ने पंचमसाली लिंगायतों के वोट लिए और सत्ता में आई। आज, हमारे अधिकारों को सुनने की जहमत नहीं उठाई जा रही है। हमारी एकमात्र मांग थी कि सिद्धरामैया मंच पर आएं और हमें आश्वासन दें। हमारे पास आए तीन मंत्रियों ने आश्वासन नहीं दिया, बल्कि दावा किया कि वे हमारी राय जानने आए हैं। अगर सिद्धरामैया आकर हमें आश्वासन देते तो मामला सुलझ जाता। उन्होंने यह भी दावा किया कि पुलिस ने उन पर हमला करने की भी कोशिश की, लेकिन उनके समुदाय के सदस्यों ने उनकी रक्षा की। उन्होंने मुझे गिरफ्तार करने का भी प्रयास किया। अगर उन्होंने मुझे छुआ होता, तो पूरा कर्नाटक जल उठता। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने 50 लोगों के खिलाफ बल प्रयोग किया है, जिन्हें चोटें आई हैं। पंचमसाली लिंगायत समुदाय का आंदोलन उस समय हिंसक हो गया, जब भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया और बेलगावी में सुवर्ण विधान सौधा की घेराबंदी करने का प्रयास किया। पुलिस ने सुवर्ण विधान सौधा की ओर जा रहे प्रदर्शनकारियों को रोक दिया और उन्हें चेतावनी दी कि उन्हें आगे मार्च करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पुलिस ने दावा किया कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों पर पत्थर और जूते फेंके, जिसके बाद पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया।

एसएम कृष्णा आधुनिक कर्नाटक के महान वास्तुकार : शिवकुमार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री एसएम कृष्णा को आधुनिक कर्नाटक का महान वास्तुकार बताया। शोक प्रस्ताव के दौरान बोलते हुए उन्होंने कहा कि एसएम कृष्णा ने न सिर्फ आईटी-बीटी सेक्टर को प्रोत्साहन दिया, बल्कि उन्होंने एकीकृत कर्नाटक के विकास को भी प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई विभाग या वर्ग नहीं है जहां उनका योगदान न हो, जैसे कोई हरियाली नहीं है जिसे बकरी न छूती हो। एसएम कृष्णा ने मेरा उसी तरह समर्थन किया जैसे एक पिता अपने बेटे का पालन-पोषण करता है। कुछ मुद्दों पर उनके और मेरे विचारों में मतभेद था। मैं अब भी कहता हूं कि वो फैसले सही नहीं हैं। इसके अलावा, हमारा रिश्ता अविभाज्य था। मैं एसएम कृष्णा की मौत से दुखी नहीं हूं, बल्कि खुश हूं, क्योंकि वह अपने 92 वर्ष के जीवन में केवल तीन या चार महीने ही बीमार रहे। उन्होंने कहा कि उनका पहनावा और रहन-सहन सब वर्णन योग्य है। राजनीति में मेरी पहचान बंगारप्पा से हुई। कृष्णा के साथ मेरा रिश्ता अलग था। जब बंगारप्पा ने नई पार्टी बनाई तो उन्होंने मुझे फोन नहीं किया। जब एसएम कृष्णा को राज्यसभा सदस्य बनाया गया, तो टीबी जयचंद्र और मैं दिल्ली गए और प्रधान मंत्री पीवी नरसिम्हा राव से मिले और बातचीत की। हमारी मांग थी कि जी.वाई.कृष्णन की जगह एस.एम.कृष्णा को राज्यसभा का टिकट दिया जाए, जो वहां के सदस्य थे। शुरुआत में पीवी नरसिम्हा राव सहमत नहीं थे, फिर वह मान गए। एस.एम.कृष्णा पार्टी के अध्यक्ष के रूप में सत्ता में आये। जब मैं प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बना तो उन्होंने मेरा मार्गदर्शन किया। जब एसएम कृष्णा मुख्यमंत्री थे तो राज्य का बजट 26

हजार करोड़ रुपये था। अब यह बढ़कर 3.50 लाख करोड़ हो गया है। उन्होंने पंचायत को दिये जाने वाले अनुदान को बढ़ाकर 5 लाख कर दिया। किसानों को चंदन उगाने की भी अनुमति दी गई। उन्होंने उत्पाद शुल्क लॉबी के आगे झुके बिना पेय निगम की स्थापना की। यह इस बात का प्रमाण है कि उन्होंने कभी भी स्वार्थ अथवा मित्रता के लिए अपनी शक्ति का दुरुपयोग नहीं किया। डॉ. राजकुमार के अपहरण के बाद मुख्यमंत्री रहे कृष्णा तनाव में थे। डी.के.शिवकुमार ने याद किया कि पुलिस को खुली छूट दिए बिना बातचीत के माध्यम से एक प्रयास किया गया था। वह दिल्ली मॉडल पर बेंगलूरु मेट्रो रेल परियोजना को लागू करने के लिए भी जिम्मेदार थे। जीवन के लिए आस्था उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी पेड़ के लिए जड़ें। कोई भी रिश्ता विश्वास के बिना टिक नहीं सकता। उनके साथ हमारे अच्छे रिश्ते थे। उन्होंने कहा कि वह राजनीतिक तौर पर मेरी सलाह सुनते थे। जब बालगंगाधरनाथ स्वामीजी, जो आदिचुंचनगिरी मठ के पीठासीन अधिकारी थे, ने 5 करोड़ पौधे लगाना शुरू किया, तो एस.एम.कृष्णा ने सहयोग किया। विदेशी नेता दिल्ली और फिर बेंगलूरु आते थे। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कहा था कि कृष्णा के समय वे सीधे बेंगलूरु आ रहे थे और फिर दिल्ली जाएंगे। स्कूल छोड़ने वालों को वापस लाने के उद्देश्य से योजना शुरू की गई। जब मैं विरोधी दल के नेता का पद नहीं चाहता था तो उन्होंने मुझे डांटा। मृत्यु दुःख नहीं है, उपलब्धि तो अमर है, जन्म और मृत्यु के बीच हमने क्या पाया है? यह महत्वपूर्ण है। उन्होंने विकास भवन और रोजगार भवन बनवाया। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कई साक्ष्य छोड़े हैं। उनका आदर्श हमारे लिए मार्गदर्शक है।

लाठीचार्ज की निंदा करते हुए भाजपा नेताओं ने किया विरोध प्रदर्शन

रानी चन्नम्मा की धरती पर लाठीचार्ज करना अक्षम्य अपराध: बीवाई विजयेंद्र

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

पंचमसाली कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज की घटना की निंदा करते हुए, भाजपा नेताओं ने बेलगावी में विधान सौधा के पास विरोध प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ अपना गुस्सा व्यक्त किया। विपक्ष के नेताओं जैसे आर.अशोक, चलवाडी नारायणस्वामी, पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, नेता अश्वथ नारायण, सीसी पाटिल, राज्य भाजपा अध्यक्ष बी.वाई.विजयेंद्र, सुनीलकुमार, एस.आर.विश्वनाथ, श्रीवत्स और कई अन्य नेताओं ने सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। बसवराज बोम्मई ने कहा कि स्वामीजी के नेतृत्व में शांतिपूर्ण संघर्ष चल रहा था। इस मामले में लाठीचार्ज किया गया। हमने किसी भी तरह की घेराबंदी का प्रयास नहीं किया है। हम अपील करने आ रहे थे। हालांकि, उन्होंने लाठीचार्ज कर विरोध को कुचलने की कोशिश की। पिछड़ा वर्ग संघ द्वारा सीएम से पंचमसाली को आरक्षण नहीं देने की अपील पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि यह संघ नहीं बल्कि सीएम द्वारा प्रायोजित नाट्य मंडल है। उन्होंने कहा कि सीएम सिद्धरामैया ने चालाकी से पंचमसाली समुदाय के लोगों पर लाठीचार्ज कराया है। एक सप्ताह पहले भी विरोध को दबाने का प्रयास किया गया था। प्रदर्शनकारियों पर अत्याचार किया गया है। उन्होंने मांग की कि कांग्रेस सरकार को समुदाय से माफी मांगनी चाहिए और उन अधिकारियों को निलंबित करना चाहिए जिन्होंने उन पर लाठीचार्ज किया था। चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा हल्की लड़ाई को किसने उकसाया और घायलों को हिरासत में लिया गया। मुझे बताओ कि उन्हें कहाँ रखा है?

उन्होंने चेतावनी दी कि अन्यथा संघर्ष तेज किया जायेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि उग्रवादियों के खिलाफ पिछड़े वर्ग को खड़ा करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने उग्रवादियों पर दर्ज मुकदमे तत्काल वापस लेने की मांग की। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि राज्य के लोग मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के व्यवहार के बारे में बात कर रहे हैं और वह सत्ता का घमंड कर रहे हैं। मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को उस स्थान पर जाकर अपील करनी चाहिए थी जहां स्वामी जी और किसान धरना दे रहे थे। मुख्यमंत्री को यहां सुवर्ण सौधा में रहते हुए भी कोई आपत्ति नहीं हुई। जया मृत्युंजय स्वामीजी से मिल कर मामला सुलझाने के बजाय उन्होंने निर्दोष लोगों पर लाठीचार्ज कराई, जो कि निंदनीय है। रानी चन्नम्मा की भूमि पर लाठीचार्ज एक अक्षम्य अपराध है। मुख्यमंत्री ने लाठीचार्ज क्यों कराया, इस सवाल का जवाब हमें मिलना चाहिए। उन्होंने मांग की कि पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई की जाये। उन्होंने बताया कि भाजपा और जेडीएस दोनों पार्टियां सदन में इसकी मांग करेंगी। ऐसा लगता है कि सिद्धरामैया सरकार इस भ्रम में है कि सत्ता शाश्वत है। उन्होंने सवाल के जवाब में कहा कि सीएम से सदन में सवाल किया जायेगा क्योंकि पिछले कार्यकाल में भी ऐसा हुआ था।

परमेश्वर ने पंचमसाली समुदाय पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज का किया बचाव

क्या कानून हाथ में लेने पर पुलिस चुप रह पाएगी

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने पंचमसाली समुदाय पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज का बचाव किया है, क्योंकि जब प्रदर्शनकारियों ने कानून अपने हाथ में ले लिया तो स्थिति को नियंत्रित करना आवश्यक था। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाये रखना पुलिस का कर्तव्य है। सरकार और जिला प्रशासन ने जनता को परेशान नहीं करने और विरोध प्रदर्शन नहीं करने की हिदायत दी थी। लाठीचार्ज जरूरी था क्योंकि प्रदर्शनकारियों ने कर्फ्यू का उल्लंघन किया था। उन्होंने सवाल किया कि क्या कानून हाथ में लेने पर पुलिस चुप रह पाएगी।

जब उन्होंने कहा कि वे विरोध प्रदर्शन करेंगे तो हमने उन पर कुछ प्रतिबंध लगा दिए थे। स्पष्ट निर्देश दिया गया कि किसी भी परिस्थिति में कानून नहीं तोड़ी जायेगी। जो पहले सहमत हुए उन्होंने बाद में जब विरोध चल रहा था तो सारे नियम हवा में उड़ा दिए। परमेश्वर ने मीडिया से पूछा कि जब जनता मुसीबत में हो तो क्या हम चुप रह सकते हैं? मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने खुद वहां आने की जिद की। हमने उनके अनुरोध का जवाब दिया और मंत्री को विरोध स्थल पर भेजा, लेकिन वह सहमत नहीं हुए। प्रदर्शनकारियों ने पहले खुद ही चप्पलें और पत्थर फेंके। स्वामी जी ने स्वयं भी वकालत की। उन्होंने कहा कि जब वे सुवर्ण सौधा का घेराव करने जा रहे थे तो उसे रोकना अपरिहार्य था। अगर प्रदर्शनकारियों को इसी तरह घेरा डालने दिया गया तो कल सब घेरने आ जायेंगे। यहां तक कि जब अदालत का रोक लगाने वाला आदेश था, तब भी स्वामीजी सहित सभी ने प्रतिबंधों का उल्लंघन किया।

हमारे पास इससे संबंधित वीडियो और फोटो दस्तावेज हैं। लोकतंत्र में विरोध करना हर किसी का अधिकार है। हमें इस पर कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि वे पहले 5 हजार ट्रैक्टर लाएंगे। यदि वे इतने सारे ट्रैक्टर लाएंगे,

तो राज्य राजमार्ग पर यातायात से जनता को असुविधा होगी। इसलिए उन्हें ट्रैक्टरों के बजाय टैक्सियों का उपयोग करने की अनुमति दी। यदि हम समस्या का समाधान करने का प्रयास करते हैं तो स्वामीजी विधान सौधा की घेराबंदी का आह्वान करते हैं। जिला प्रशासन ने भी कुछ प्रावधान किये थे। हमने पहले सुवर्ण सौधा की घेराबंदी नहीं करने का अनुरोध किया था। कोर्ट का आदेश भी था।

यह एहतियात के तौर पर किया जाना चाहिए था न कि कर्तव्य में लापरवाही के तौर पर। इससे पहले भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने कहा था कि सरकार ने पंचमसाली समाज के शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया और अमानवीय व्यवहार किया। यहां मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने मांग की कि सामाजिक न्याय प्रणाली के तहत पंचमसालियों को न्याय दिया जाना चाहिए।

उन्होंने हुए लाठीचार्ज को लेकर मौजूदा न्यायाधीश के नेतृत्व में न्यायिक जांच की मांग की। बेलगावी में बसव जया मृत्युंजय स्वामीजी के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन चल रहा था। संघर्ष में भाग लेने वाले लिंगायत समुदाय के सैकड़ों पंचमसाली किसान लाठीचार्ज के कारण घायल हो गए। उन्होंने सरकार की निंदा करते हुए इसे तानाशाही और अलोकतांत्रिक कदम बताया। पंचमसाली समुदाय की मांग आज है कल नहीं, यह सरकार 2ए आरक्षण की शुरुआत से ही अपनी मांगों को दोहराती रही है। उन्होंने बताया कि जब भाजपा की सरकार थी तो 2सी और 2डी के तहत दो तरह से आरक्षण दिया जाता था, जिसके तहत विभिन्न समुदायों को शामिल किया गया और आरक्षण को बढ़ाने का काम किया गया। 2सी के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण को 6 प्रतिशत, 2डी को 5 प्रतिशत से 7 प्रतिशत कर दिया गया है। पंचमसालिस को भी 2डी रेंज में लाने का काम किया गया। इस कांग्रेस सरकार ने इसे लागू नहीं किया। 2 ए आरक्षण पर भी उचित प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने आपत्ति जताई कि सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार ने इसके जरिए संघर्ष करने की नौबत पैदा कर दी है। कांग्रेसी जब विपक्ष में थे तो पंचमसाली समाज के संघर्ष को लेकर घड़ियाली आंसू बहाते थे।

विपक्ष ने शिवकुमार से पूछा, मुख्यमंत्री पद पाने के लिए आप कब दरवाजा खटखटाएंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की टिप्पणी कि एस.एम. कृष्णा की कैबिनेट में भी उन्हें मंत्री पद आसानी से नहीं मिला था, जबकि वे उनके भरोसेमंद थे और उन्होंने यह पद दरवाजा लात मारकर हासिल किया था, ने गुरुवार को विधानसभा में अटकलों का माहौल बना दिया, जब विपक्ष ने उनसे पूछा कि अब वे मुख्यमंत्री बनने के लिए कब दरवाजा पर लात मारेंगे। यह मुद्दा तब उठा जब शिवकुमार 1999 में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद कृष्णा द्वारा मंत्रिमंडल के गठन को याद कर रहे थे, जबकि विधानसभा में उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे थे। वह कह रहे थे कि उन्हें मंत्री पद पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा, जबकि आम धारणा यह थी कि कृष्णा मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में उनका पद, उनकी

निकटता को देखते हुए, पहले से ही तय था। शिवकुमार ने कहा वास्तव में, यह मैं ही था जिसने कृष्णा के साथ परामर्श करके शपथ लेने वाले मंत्रियों की सूची को अंतिम रूप दिया क्योंकि मैं उनका भरोसेमंद सहयोगी था और इसे हाईकमान को भेजा था। लेकिन शपथ ग्रहण समारोह से एक रात पहले मुझे यह जानकर झटका लगा कि शपथ लेने वाले मंत्रियों की सूची में मेरा नाम नहीं था, जिसे अंतिम मंजूरी मिल चुकी थी।

जिसके बाद उन्होंने मुझे बताया कि मुझे मंत्री पद आसानी से नहीं मिलने वाला है और मुझे अंदर घुसना होगा। मैंने सचमुच देर रात कृष्णा के आवास पर जाकर और दरवाजा लात मारकर ऐसा किया। कृष्णा और उनके परिवार ने मुझे यह कहकर मनाने की कोशिश की कि मुझे कुछ समय बाद मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया जाएगा। लेकिन मैंने उनसे साफ कह दिया कि मुझे मंत्रिमंडल में शामिल किए बिना वे शपथ ग्रहण समारोह में आगे नहीं बढ़ सकते। मैं अपनी बात पर अड़ा रहा और आखिरकार कृष्णा पार्टी हाईकमान को मुझे मंत्रिमंडल में शामिल करने के लिए मनाने में कामयाब रहे। उनकी टिप्पणियों से संकेत लेते हुए विपक्ष के नेता आर. अशोक ने तुरंत हस्तक्षेप किया और उनसे पूछा, अब आप मुख्यमंत्री पद पाने के लिए कब दरवाजा खटखटाएँगे? यह स्पष्ट रूप से उन अटकलों का संदर्भ था कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और शिवकुमार के बीच सत्ता साझा करने का समझौता है जिसके अनुसार उन्हें बाद में मुख्यमंत्री पद मिल सकता है। विपक्षी सदस्यों ने मेजें थप-थपाईं और उनसे इस पर जवाब देने का आग्रह किया। जब शिवकुमार कुछ देर के लिए रुके, तो अशोक ने कहा मैं आपके ज्योतिषी को भी जानता हूँ। उन्होंने मुझे संकेत दिया है कि आपको मुख्यमंत्री पद पाने के लिए फिर से दरवाजा खटखटाना होगा और आपको इसे जनवरी 2025 तक ही प्राप्त करना होगा क्योंकि उसके बाद आपके सितारे अच्छे नहीं हैं। इसका हल्के-फुल्के अंदाज में जवाब देते हुए शिवकुमार ने कहा, अगर मैं आपको बताऊँ कि मेरे ज्योतिषी ने मुझे क्या बताया है, तो आप चौंक जाएँगे। भाजपा के 30 से ज्यादा विधायक राजनीतिक पाला बदल सकते हैं। इस पर अशोक ने टिप्पणी की, यह संकेत हो सकता है कि आप भाजपा में शामिल हो सकते हैं और वे आपका समर्थन करेंगे।

तकनीकी विशेषज्ञ की मौत का मामला

सास जौनपुर स्थित घर से भागी यूपी-कर्नाटक पुलिस के बीच अभी तक कोई संपर्क नहीं

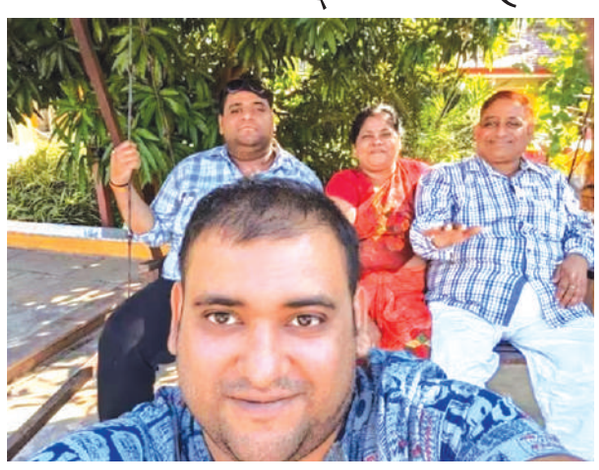

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु में अपनी जान देने वाले तकनीकी विशेषज्ञ अतुल सुभाष की सास और साला गुरुवार को जौनपुर स्थित अपने घर से भाग गए, जबकि उत्तर प्रदेश पुलिस ने कहा कि उन्हें अभी तक कर्नाटक से कोई आधिकारिक संदेश नहीं मिला है।

34 वर्षीय तकनीकी विशेषज्ञ ने सोमवार को बेंगलूरु में अपनी पत्नी और उसके परिवार पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए अपनी जान दे दी। उनकी पत्नी निकिता सिंघानिया, उनकी मां निशा, पिता अनुराग और चाचा सुशील के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया रात करीब 1 बजे निशा सिंघानिया और उनके बेटे अनुराग उर्फ पीयूष सिंघानिया मोटरसाइकिल पर जौनपुर के खोवा मंडी इलाके में अपने घर से निकले और तब से वापस नहीं लौटे। सोशल मीडिया पर कथित वीडियो क्लिप में भी उन्हें आधी रात के आसपास घर से निकलते हुए दिखाया गया है। जौनपुर के पुलिस अधीक्षक अजयपाल शर्मा ने बताया हमें इस मामले में बेंगलूरु पुलिस से अभी तक कोई आधिकारिक संचार नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए खोवा मंडी क्षेत्र में नियमित स्तर पर पुलिस की तैनाती की गई है।

इस बीच, कोतवाली पुलिस स्टेशन के प्रभारी इंस्पेक्टर मिथिलेश मिश्रा ने कहा कि पुलिस के पास निशा सिंघानिया और अन्य को गिरफ्तार करने, उन्हें घर से बाहर निकलने से रोकने या उन्हें नजरबंद करने का कोई आदेश नहीं है। निकिता सिंघानिया के रिश्तेदारों के अनुसार, उनका परिवार जौनपुर में रहता है, जबकि निकिता सिंघानिया अपने बेटे के साथ दिल्ली में रहती हैं और वहीं काम करती हैं। अप्रैल 2019 में उनकी शादी सुभाष से हुई थी और 2022 में उन्होंने पति सुभाष और ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई थी।

लोकायुक्त ने कार्रवाई करते हुए करोड़ों की अवैध संपत्ति जब्त की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक लोकायुक्त ने 10 सरकारी अधिकारियों को उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। गुरुवार सुबह राज्यव्यापी अभियान में लोकायुक्त अधिकारियों ने इन व्यक्तियों से जुड़ी संपत्तियों पर छापेमारी की और करोड़ों की अवैध संपत्ति का पता लगाया। छापे में बेस्कॉम, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगमों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल थे। लोकायुक्त टीमों ने बेंगलूरु शहरी, बेंगलूरु ग्रामीण, कलबुर्गी, रायचूर, गदग, कोप्पल और चित्रदुर्ग में संपत्तियों पर एक साथ छापे मारे। जिन लोगों पर छापेमारी की गई उनमें बेस्कॉम इंजीनियर लोकेश बाबू, राजस्व निरीक्षक सुरेश बाबू, बीबीएमपी कर निरीक्षक कृष्णप्पा, बेंगलूरु ग्रामीण जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुनील कुमार, चन्नपट्टना पुलिस प्रशिक्षण स्कूल के डीएसपी नंजुंदय्या, कलबुर्गी नगर निगम के इंजीनियर रामप्पा, रायचूर से आबकारी निरीक्षक रमेश, सहायक वन संरक्षण अधिकारी सुरेश, बेंगलूरु ग्रामीण बीएचओ सुनील और गदग जिला पंचायत के एसडीए लक्ष्मण शामिल हैं। एसपी बी.के. उमेश के नेतृत्व में लोकायुक्त अधिकारियों ने बेंगलूरु में कई स्थानों पर छापेमारी की, जिसमें पांच आवास शामिल हैं, जहां से आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए। कलबुर्गी में नगर निगम के डिप्टी कमिश्नर आर.पी. जाधव के आवास पर छापेमारी की गई।

पंचमसाली आंदोलन मामला : कर्नाटक के मंत्री संतोष लाड ने सुनियोजित लाठीचार्ज के आरोपों से किया इनकार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के श्रम मंत्री संतोष लाड ने उन आरोपों से इनकार किया है कि राज्य सरकार ने मंगलवार को बेलगावी में पंचमसाली आरक्षण आंदोलन समिति के विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वाले कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज की योजना बनाई थी। पत्रकारों के एक सवाल पर उन्होंने कहा कि यह समिति के मानद अध्यक्ष बसव जय मृत्युंजय स्वामी द्वारा लगाए गए कुछ निराधार आरोपों में से एक है। महंत ने कहा है कि लाठीचार्ज जानबूझकर और योजनाबद्ध तरीके से किया गया था। क्या कोई भी व्यक्ति अपने सही दिमाग में लाठीचार्ज की योजना बनाकर और जानबूझकर आदेश दे सकता है? यह निरर्थक है। पुलिस ने पहले ही

स्पष्ट कर दिया है कि उग्र भीड़ द्वारा सुवर्ण सौधा पर बलपूर्वक हमला करने से रोकने के लिए उन्हें लाठीचार्ज का सहारा लेना पड़ा। कोई भी सरकार ऐसा (क्रूर बल का नियोजित उपयोग) नहीं करती है। हमें इस तरह की कार्रवाई से क्या मिलता है? हमें केवल बदनामी मिलती है। यह एक झूठा आरोप है। उन्होंने यह भी कहा कि साधु का यह आरोप कि सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को फंसाने के लिए पत्थरबाजी की, निराधार और निरर्थक है। मंत्री ने कहा क्या साधु ने केंद्र सरकार के किसान विरोधी कदमों के बारे में बात की है? क्या उन्होंने नई दिल्ली में कई किसान नेताओं की मौत के खिलाफ बात की है? ऐसा इसलिए है क्योंकि वह निष्पक्ष नहीं हैं। लाड ने कहा साधु भ्रमित लग रहे हैं। वह लिंगायतों के नेता होने का दावा करते हैं, लेकिन केवल एक उप-जाति के लिए आरक्षण चाहते हैं।

सांसद बृजेश चौटा ने मेंगलूरु सेंट्रल जंक्शन स्टेशनों को दपरे में शामिल करने की अपील की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने बुधवार को संसद में प्रश्नकाल के दौरान बेहतर प्रशासन के लिए मेंगलूरु सेंट्रल और मेंगलूरु जंक्शन रेलवे स्टेशनों को दक्षिण पश्चिमी रेलवे (एसडब्ल्यूआर) क्षेत्र के अंतर्गत लाने का मुद्दा उठाया। सांसद ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के लिखित जवाब के बाद रेलवे से संबंधित पूरक प्रश्न के रूप में इस बदलाव की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कैप्टन बृजेश चौटा ने मेंगलूरु और बेंगलूरु के बीच एक उच्च क्षमता वाली रेल लाइन स्थापित करने की सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी ली, जिसका उद्देश्य यात्री और माल ढुलाई संपर्क में सुधार करना है। उन्होंने प्रस्तावित परियोजना का विवरण मांगा, जिसमें व्यवहार्यता अध्ययन, समयसीमा और बजटीय आवंटन शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने पूछा कि क्या मौजूदा रेलवे मार्ग में चुनौतियों, जैसे गति और क्षमता की सीमाओं की पहचान की गई है, और इन मुद्दों को हल करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने व्यापार, पर्यटन और क्षेत्रीय विकास के लिए ऐसी रेलवे लाइन के लाभों पर जोर दिया। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपने लिखित जवाब में कहा कि हासन और मेंगलूरु (183 किमी) के बीच ब्रॉड गेज सिंगल लाइन सेक्शन को 2006 में एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) के माध्यम से मीटर गेज को ब्रॉड गेज में परिवर्तित करके चालू किया गया था, जिसमें कर्नाटक सरकार की बड़ी हिस्सेदारी थी। उन्होंने कहा कि एसपीवी की खराब वित्तीय स्थिति के कारण, रेल मंत्रालय ने लाइन को अपने अधीन लेने का प्रस्ताव दिया। इससे दोहरीकरण और विद्युतीकरण जैसी क्षमता वृद्धि परियोजनाओं को सक्षम किया जा सकेगा, क्योंकि मेंगलूरु बंदरगाह को कर्नाटक के भीतरी इलाकों से जोड़ने में इसका रणनीतिक महत्व है।

बेंगलूरु और मेंगलूरु के बीच रेलवे लाइन को दोहरीकरण करने के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण (एफएलएस) को दो भागों में मंजूरी दी गई है। इसके अतिरिक्त, बेंगलूरु और तुमकुरु (30 किमी) के बीच तीसरी और चौथी लाइन के लिए सर्वेक्षण को भी मंजूरी दी गई है। मंत्री ने आगे बताया कि पिछले तीन वर्षों में कर्नाटक में 56 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें 19 नई लाइनें और 37 दोहरीकरण कार्य शामिल हैं, जिनकी कुल लंबाई 6,159 किलोमीटर है और जो आंशिक रूप से या पूरी तरह से कर्नाटक में स्थित हैं। 1 अप्रैल, 2024 तक, 47,016 करोड़ रुपये की लागत से 3,840 किलोमीटर को कवर करने वाली 31 परियोजनाएँ योजना और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। इनमें से 1,302 किलोमीटर चालू हो चुके हैं, जिन पर मार्च 2024 तक 17,383 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। पूरक प्रश्न सत्र के दौरान, कैप्टन बृजेश चौटा ने घाट खंड को संबोधित करने और इस संबंध में किए जा रहे व्यवहार्यता अध्ययन की प्रगति के बारे में अपडेट मांगा। एक संक्षिप्त प्रतिक्रिया में, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चूंकि हासन-मेंगलूरु रेलवे लाइन एक संयुक्त उद्यम परियोजना है, इसलिए परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए कर्नाटक सरकार का योगदान आवश्यक है। बाद में सांसद ने ट्वीट कर कहा कि वे इस परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए कर्नाटक सरकार के साथ इस मामले को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

लाठीचार्ज का मामला विधानसभा और विधान परिषद दोनों सदनों में गूंजा

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

पंचमसाली समुदाय पर लाठीचार्ज का मामला विधानसभा और विधान परिषद दोनों सदनों में गूंजा और रणक्षेत्र में तब्दील हो गया। इस समय सभापति बसवराज होराट्टी ने सदस्यों को शांत कराने की कोशिश की। विधानसभा के सत्र में भी लाठीचार्ज की घटना गूंजी और हंगामा मच गया। कार्यवाही शुरू होते ही विधानसभा में विपक्षी दल के सदस्यों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। अध्यक्ष ने शोक प्रस्ताव पेश किया। जिसके बाद विपक्ष के अश्वथ नारायण, अरगा ज्ञानेंद्र, सुनील कुमार और अन्य ने मुद्दा उठाया और चर्चा की अनुमति देने की मांग की। इस पर जवाब देते हुए स्पीकर ने कहा कि इस सदन में आप जैसे लोगों की सेवा करने वाले दो विधायक जयन्ना और आर नारायण ने हमें छोड़ दिया है। हमारा कर्तव्य है कि हम सबसे पहले उनके परिवार का दुख कम करें। पहले इसकी अनुमति दें। मैं आपका जुनून समझता हूं। भाजपा के सुनील कुमार ने आपत्ति जताते हुए कहा कि ये जुनून नहीं है, बल्कि यह दुखदायी है। कांग्रेस विधायक पीएम नरेंद्र स्वामी ने पलटवार करते हुए कहा कि उस दर्द के लिए भाजपा जिम्मेदार है। विपक्ष के सदस्यों को शांत कराने के बाद अध्यक्ष ने शोक सूचना के बाद विपक्षी दलों द्वारा प्रस्तावित मुद्दे पर अनुमति देने का वादा किया। इसके बाद उन्होंने शोक प्रस्ताव लिया।

डिजिटल गिरफ्तारी धोखाधड़ी को रोकने के उपाय जारी: गृह मंत्री परमेश्वर

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि राज्य में डिजिटल गिरफ्तारी धोखाधड़ी मामले के बारे में जनता को फेसबुक, व्हाट्सऐप और सोशल मीडिया पर साइबर जागरूकता संदेशों के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है। विधान परिषद में सदस्य के प्रताप-सिंह नायक के सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि चालू वर्ष में राज्य में डिजिटल गिरफ्तारी से संबंधित कुल 641 मामलों में 109 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी शामिल है। जिसमें से 9.45 करोड़ रुपये जब्त किये गये और 27 लोगों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि फेसबुक, टेलीग्राम और

अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसी सोशल नेटवर्किंग साइटों पर सक्रिय खाते और समूह, जिनका उपयोग इस तरह के आपराधिक कृत्यों के माध्यम से जनता को धोखा देने के लिए नकली सिम कार्ड और नकली बैंक खाते बेचने के लिए किया जाता है, को निष्क्रिय कर दिया गया है और 268 फेसबुक समूह निष्क्रिय कर दिए गए हैं। 465 टेलीग्राम ग्रुप, 15 इंस्टाग्राम अकाउंट और 61 व्हाट्सऐप ग्रुप निष्क्रिय कर दिए गए हैं। स्कूलों, कॉलेजों और अन्य संस्थानों में जाकर छात्रों और जनता के बीच डिजिटल धोखाधड़ी के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सतर्कता बरती जा रही है। उन्होंने कहा कि डिजिटल गिरफ्तारी के जरिए जनता को चूना लगाने वाले साइबर जालसाजों के खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे हैं और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। देशभर में डिजिटल गिरफ्तारी के मामले दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं, पिछले साल पूरे देश में 42,000 मामले दर्ज किए गए थे और राज्य में 11,000 मामले दर्ज किए गए। उन्होंने जनता से साइबर धोखाधड़ी होते ही निःशुल्क हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचित करने को कहा।

बेलगावी सत्र में गिग वर्कर्स बिल को नहीं किया जाएगा पारित

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस सरकार बेलगावी विधानसभा के चल रहे सत्र में गिग वर्कर्स के कल्याण पर बहुचर्चित विधेयक पेश नहीं करेगी, ऐसा जाहिर तौर पर एग्रीगेटर्स के विरोध और श्रम मंत्री संतोष लाड के कुछ कैबिनेट सहयोगियों के विरोध के कारण हो रहा है। इस पर श्रमिक संघों और गिग वर्कर्स बिरादरी ने कड़ी आलोचना की, जिन्होंने 2023 के विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस के घोषणापत्र के वादे के बावजूद विधेयक को पेश नहीं किए जाने पर अत्यधिक निराशा व्यक्त की। गत 14 अक्टूबर को लाड ने विश्वास जताया था कि विधेयक शीतकालीन सत्र में

पारित हो जाएगा। विधेयक को 6 दिसंबर को कैबिनेट की बैठक में रखा गया था, लेकिन अधिक विवरण के अभाव में इसे टाल दिया गया था। विधेयक में एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म पर प्रत्येक लेनदेन पर उपकर लगाकर गिग वर्कर्स के कल्याण के लिए एक कोष बनाने का वादा किया गया है। प्रस्तावित कानून गिग वर्कर्स की रोजगार स्थितियों को विनियमित करने का भी प्रयास करता है। उदाहरण के लिए, मसौदा विधेयक में कहा गया है कि बिना 14 दिन के नोटिस और लिखित में वैध कारण बताए किसी भी गिग वर्कर को नौकरी से नहीं निकाला जा सकता। लाड के करीबी सूत्रों ने बताया कि एग्रीगेटर प्रति लेन-देन के आधार पर 1-2 प्रतिशत उपकर लगाने के प्रस्ताव के खिलाफ हैं। वे लेन-देन का ब्योरा देने के इच्छुक नहीं हैं। यह भी कहा जाता है कि कुछ मंत्रियों को विधेयक पर आशंकाएं हैं, खासकर एग्रीगेटर के व्यावसायिक हितों पर पड़ने वाले इसके प्रभाव को लेकर। संपर्क किए जाने पर, लाड ने माना कि विधेयक बेलगावी सत्र में पेश नहीं किया जाएगा। हालांकि उन्होंने अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए कहा आने वाले दिनों में, विधेयक को कैबिनेट में मंजूरी मिल जाएगी। हम जल्द ही कैबिनेट की मंजूरी प्राप्त करेंगे और आगामी बजट सत्र में इसे पेश करेंगे। ट्रेड यूनियनों ने एकमत से देरी की निंदा की। सरकार की आलोचना करते हुए, अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एआईटीयूसी) के राज्य सचिव सत्यानंद मुकुंद ने कहा विधेयक पर ट्रेड यूनियनों और एग्रीगेटरों की ओर से बहस, परामर्श और सुझाव आए हैं। गिग वर्कर्स की संख्या और उनकी समस्याएं दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। उनके रोजगार पर किसी भी विनियमन के बिना, 4-5 लाख की यह कार्यबल ऐसे ही नहीं चल सकती। कांग्रेस को अपने घोषणापत्र के वादे के लिए जवाबदेह होना चाहिए।

एक करोड़ का रिकार्ड नहीं तोड़ पाई है वैष्णो देवी आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 12 दिसंबर।

श्री माता वैष्णो देवी के तीर्थस्थान ने 2022 से लगातार तीसरे साल 90 लाख से अधिक श्रद्धालुओं का स्वागत किया है। सरकार ने नया वैष्णवी भवन, एक निकास मार्ग और सभी मौसम में काम आने वाला परिसर स्थापित करने की योजना बनाई है।

श्राइन बोर्ड के सीईओ अंशुल गर्ग ने इस उपलब्धि को साझा किया है, जिसमें दुनिया भर के तीर्थयात्रियों की अटूट भक्ति को स्वीकार किया गया है। गर्ग मानते हैं कि पूर्व के एक करोड़ से अधिक के श्रद्धालुओं के आने के रिकार्ड को तोड़ने के लिए श्रद्धालुओं को आकर्षित करने बहुत कुछ किया जाना बाकी है। उन्होंने कहा, वैष्णो देवी गुफा की यात्रा 2022 से लगातार तीसरे साल 9 मिलियन को पार कर गई है। 2025 के लिए पाइपलाइन में परियोजनाओं में नया वैष्णवी भवन, एक निकास मार्ग और एक सभी मौसम में काम आने वाला परिसर भी शामिल है।

कोरोना से मुक्ति के बाद वैष्णो देवी की यात्रा में तेजी आई थी। तभी वर्ष 2021 का रिकार्ड टूटा। वर्ष 2021 में 55.88 लाख श्रद्धालुओं ने वैष्णो देवी की पिंडियों के दर्शन किए थे। वर्ष 2021 की संख्या भी सुकून देनी वाली थी क्योंकि कोरोना के कारण वर्ष 2020 में तो सिर्फ 17.20 लाख श्रद्धालु ही आ पाए थे। यह संख्या निराश करने वाली थी। अभी सर्दी और शादियों के सीजन के कारण वैष्णो देवी की यात्रा में प्रतिदिन आने वालों का आंकड़ा 10-18 हजार का ही है जिसके दूसरे पखवाड़े में 50 से 60 हजार तक पहुंचने की उम्मीद दिख रही है।

कटड़ा के होटलवालों के अनुसार, दिसंबर के अंतिम सप्ताह के लिए 90 परसेंट से अधिक बुकिंग हो चुकी है। यही कारण है कि श्राइन बोर्ड के अधिकारी और व्यापारी संख्या में बढ़ोतरी की उम्मीद लगाए बैठे हैं और श्राइन बोर्ड सर्दियों में आने वालों के लिए अधिक से अधिक सुविधाएं प्रदान करने की तैयारियों में जुटा है। वर्तमान में 10,000 से 18,000 श्रद्धालु प्रतिदिन दर्शनार्थ पहुंच रहे हैं। श्राइन बोर्ड के सीईओ अंशुल गर्ग का कहना है कि जैसे-जैसे यात्रा में बढ़ोतरी हो रही है, श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं में भी निरंतर विस्तार किया जा रहा है। अंशुल गर्ग उम्मीद जताते हैं कि एक बार फिर वैष्णो देवी की यात्रा का आंकड़ा एक करोड़ की संख्या पार करेगा।

जम्मू और कश्मीर की त्रिकुटा पहाड़ियों में बसा यह मंदिर भारत के सबसे प्रिय आध्यात्मिक स्थलों में से एक है। प्रबंधन ने सुविधाओं को बढ़ाने और आगंतुकों के लिए एक सुरक्षित और अधिक आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया है। आधुनिक विकास 1986 में श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की स्थापना के साथ शुरू हुआ, जो तब से बुनियादी ढांचे में सुधार और सालाना लाखों भक्तों के लिए एक सहज और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध अनुभव सुनिश्चित करने में सहायक रहा है।

आपा ने चला लाडली दांव

महिलाओं को हर माह मिलेंगे हजार रुपए

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली सरकार की कैबिनेट बैठक में महिला सम्मान योजना को मंजूरी दे दी गई है। इससे पहले वित्त विभाग ने इस योजना पर आपत्ति जताई थी। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कैबिनेट ने 1000 रुपए मंजूर किए हैं, सरकार बनने पर इसे 2100 रुपए कर दिया जाएगा।

मंजूर हुई महिला सम्मान योजना के तहत महिलाओं को 1000 रुपए की वित्तीय सहायता दी जाएगी। हालांकि दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने इसे बढ़ाकर 2100 रुपए करने का ऐलान भी किया है। आज सुबह हुई दिल्ली सरकार की कैबिनेट बैठक में महिला सम्मान योजना को मंजूरी दे दी गई है। इससे पहले वित्त विभाग ने इस योजना पर आपत्ति जताई थी। अरविंद केजरीवाल ने इसे आपा की सातवीं रेवड़ी बताया था।

इस योजना की घोषणा करते हुए दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद

केजरीवाल ने कहा, दिल्ली सरकार ने अपना वादा पूरा किया है। दिल्ली में महिला सम्मान योजना लागू कर दी गई है। महिलाओं के खाते में 1000 रुपए डाले जाएंगे। 2025 में सरकार बनने पर इसे 2100 रुपए कर दिया जाएगा। रजिस्ट्रेशन के बाद पैसा आना शुरू हो जाएगा। ये सम्मान महिलाओं का अधिकार है। केजरीवाल जो ठान लेता है वो करके रहता है। जो बोला वो करके दिखाया माताओं-बहनों को उनका हक मिलेगा।

केजरीवाल ने कहा, मैंने वादा किया था कि हर महिला को 1,000 रुपए दूंगा। आज सुबह आतिशी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में यह प्रस्ताव पारित किया गया। अब यह योजना दिल्ली में लागू हो गई है। 10-15 दिन में चुनावों की घोषणा हो जाएगी, इसलिए अभी खाते में पैसे ट्रांसफर करना संभव नहीं है। कुछ महिलाओं ने कहा कि महंगाई के चलते 1000 रुपए काफी नहीं होंगे। इसलिए कल से 2100 रुपए प्रति माह के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू होगा। इस योजना के तहत 18 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को इसका लाभ मिलेगा। इसके लिए चालू वित्त वर्ष में 2000 करोड़ रुपए का बजटीय प्रावधान भी किया गया था। इसके तहत आधी आबादी सशक्त होगी। आम आदमी पार्टी ने भरोसा जताया कि दिल्ली की महिला सुरक्षा और सम्मान के प्रयासों से भगवान राम का आशीर्वाद सभी दिल्ली वालों को मिलेगा। सरकार का मानना है कि इससे किताबों की जरूरत तो पूरी होगी ही, अगर वे पढ़ाई के लिए कोचिंग करना चाहती हैं तो इससे उन्हें राहत मिलेगी। इतना ही नहीं व्यक्तिगत खर्च के लिए भी उन्हें किसी के सामने हाथ फैलाने की आवश्यकता नहीं होगी।

दंतेवाड़ा में नक्सलियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़

सात माओवादी मारे गए, मुठभेड़ जारी

जगदलपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

दंतेवाड़ा जिले के सीमा में गुरुवार की सुबह नक्सलियों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में दोनों ओर से रुक-रुककर गोलियां अभी भी चल रही हैं। अब तक मुठभेड़ में सात वर्दीधारी नक्सली मारे गए हैं। पुलिस नक्सलियों की फायरिंग का मुंहतोड़ जवाब दे रही है।

बताया जा रहा है कि नक्सल विरोधी सर्च अभियान में नारायणपुर, दंतेवाड़ा, जगदलपुर, कोंडागांव जिले की डीआरजी के साथ एसटीएफ-सीआरपीएफ की संयुक्त पार्टी दक्षिण अबूझमाड़ क्षेत्र में रवाना हुई थी।

जहां गुरुवार की सुबह तीन बजे से संयुक्त सुरक्षा बलों की टीम और नक्सलियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ चल रही है। वहीं, नक्सलियों के द्वारा की जा रही

गोलीबारी का पुलिस जवानों के द्वारा मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, नारायणपुर में नक्सल विरोधी अभियान चल रहा था, जिसमें हमारे सुरक्षा बलों ने सात नक्सलियों को मार गिराने में सफलता पाई है। मैं उनकी बहादुरी को नमन करता हूं। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा, आज सूचना के आधार पर कार्रवाई की जाती है और ड्रोन से नक्सलियों को ट्रेस किया जाता है इसलिए किसी के पास कोई रास्ता नहीं है। आने वाले वर्षों में नक्सलवाद का आतंक बस्तर से समाप्त हो जाएगा, यह सरकार का संकल्प है।

आईजीआई एयरपोर्ट पर इस वर्ष पकड़े गए 540 दलाल

दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पुलिस ने देश और विदेश के यात्रियों को ठगने वाले दलालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। 2024 में पिछले वर्ष के मुकाबले 104.58 फीसदी ज्यादा दलाल गिरफ्तार किए गए हैं। आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस ने इस वर्ष 540 दलालों को गिरफ्तार किया है और वारदात में इस्तेमाल 254 वाहन जब्त किए गए हैं। इसके अलावा 2024 में 41 प्रिवेंटिव गिरफ्तारियां की गई हैं। गिरफ्तार दलालों में सबसे ज्यादा दिल्ली के 363 हैं। इसके बाद दूसरे नंबर पर सबसे ज्यादा उत्तरप्रदेश के रहने वाले 103 दलाल हैं। इस बार वारदात में इस्तेमाल किए गए 164.58 फीसदी ज्यादा वाहन जब्त किए गए हैं।

आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस उपायुक्त उषा रंगनानी ने बताया कि आईजीआई एयरपोर्ट पर ठगी की गतिविधियों को खत्म करने

के लिए आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस ने व्यापक और रणनीतिक कार्रवाई शुरू की थी। इससे यात्रियों की सुरक्षा और एयरपोर्ट संचालन पर अभूतपूर्व प्रभाव पड़ा है। 2024 में 540 दलालों की गिरफ्तार किया गया और 254 वाहन जब्त किए गए, वहीं 2023 में 264 दलालों को पकड़ने के अलावा 96 वाहन जब्त किए गए थे।

आईजीआई एयरपोर्ट पर दलालों की गतिविधियों में यात्रियों को टैक्सी, आवास या खरीदारी जैसी अधिकृत सेवाओं का उपयोग करने के लिए मजबूर करना, गुमराह करना या लुभाना शामिल है। यह तरीका न केवल एयरपोर्ट और देश की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है, बल्कि यात्रियों की असुरक्षा भी बताता है। दलाल अनजान यात्रियों को अपना शिकार बनाते हैं, खासकर रात के समय, प्रीपेड टैक्सी ड्राइवर बनकर और सस्ती सेवाओं का झूठा वादा करके वारदात करते हैं। सितंबर 2024 में देर रात को आने वाले एक विदेशी यात्री से एक दलाल ने संपर्क किया। उसने यात्री को बताया कि दिल्ली में भारी विरोध प्रदर्शन हो रहा है, जिसके कारण सभी होटल और सार्वजनिक परिवहन बंद हैं। वह यात्री को अपने जाल में फंसा कर कई स्थानों पर ले जाया गया, जहां वाराणसी के लिए निजी वाहन की व्यवस्था करने के नाम पर उसके क्रेडिट कार्ड से 98,700 रुपए हड़प लिए। अंत में उसे सड़क के किनारे छोड़ दिया। इस मामले में आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर मास्टरमाइंड अमित मल्होत्रा सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। सितंबर 2024 में ही एक विदेशी नागरिक पहली बार दिल्ली आया। उसे आईजीआई एयरपोर्ट पर दलालों ने एयरपोर्ट से चितरंजन पार्क तक टैक्सी की सवारी के लिए 2,500 रुपए वसूल लिए। यह किराया पांच गुना अधिक था। आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस ने कुछ ही घंटों में दो आरोपियों मोनू भाटी और कमल को गिरफ्तार कर लिया। इस साल की शुरुआत में दलालों के एक समूह ने होटल बंद होने के बारे में गुमराह करके एक अकेली महिला यात्री से पैसे ऐंठने के लिए धोखाधड़ी के तरीकों का इस्तेमाल किया। उन्होंने उसे अपनी प्रीमियम सेवाओं का लाभ उठाने के लिए मजबूर करने का प्रयास किया। आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस ने अपराधियों को तुरंत गिरफ्तार कर लिया।

आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस द्वारा इस साल पकड़े गए दलालों में दिल्ली के 363, उत्तर प्रदेश के 107, हरियाणा के 32 और बिहार के 11 दलाल शामिल हैं। राजस्थान, पंजाब, महाराष्ट्र, उत्तराखंड और सिक्किम के भी रहने वाले दलाल गिरफ्तार किए गए हैं।

झारखंड में निजी नौकरियों में 75% आरक्षण पर फिलहाल रोक

रांची, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

झारखंड हाईकोर्ट ने प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में स्थानीय युवाओं को 75 फीसदी आरक्षण देने वाले कानून को लागू करने पर रोक लगा दी है। राज्य सरकार ने 2021 में फैसला लिया था कि निजी कंपनियां अपने यहां 40 हजार प्रतिमाह तक की नौकरियों में स्थानीय युवाओं को 75 फीसदी आरक्षण देगी।

जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस दीपक रौशन की खंडपीठ ने लघु उद्योग संघ की ओर दाखिल की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। याचिका में लघु उद्योग संघ ने निजी क्षेत्र में स्थानीय उम्मीदवारों के झारखंड राज्य रोजगार अधिनियम 2021 के प्रावधानों को चुनौती दी थी। झारखंड लघु उद्योग संघ की ओर से पेश हुए वकील एके दास ने कहा कि इस अधिनियम ने राज्य और झारखंड के बाहर के उम्मीदवारों को बांट दिया है। यह अधिनियम संविधान के सिद्धांतों के खिलाफ है।

क्योंकि संविधान रोजगार में समानता की गारंटी देता है। वकील ने कहा कि राज्य सरकार निजी कंपनियों को एक निश्चित श्रेणी के लोगों को रोजगार देने के संबंध में निर्देश नहीं दे सकती है। उन्होंने कहा कि ऐसे मुद्दों पर पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने पहले भी निर्णय लिया है। इसमें पंजाब और हरियाणा सरकारों द्वारा लाए गए ऐसे ही अधिनियम को रद्द कर दिया गया था।

झारखंड हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने के आदेश दिया। साथ ही याचिका पर अगली सुनवाई 20 मार्च को करने के लिए कहा।

झारखंड विधानसभा में सितंबर 2021 में निजी क्षेत्र में स्थानीय उम्मीदवारों के लिए झारखंड राज्य रोजगार अधिनियम 2021 पारित किया था।

इसके मुताबिक प्रत्येक नियोक्ता कुल मौजूदा रिक्तियों में से 75 प्रतिशत स्थानीय उम्मीदवारों से भरेगा, जहां सकल मासिक वेतन या मजदूरी 40,000 रुपए से अधिक नहीं है। इस कानून के मुताबिक स्थानीय उम्मीदवारों के रोजगार की प्रक्रिया के दौरान संबंधित संस्थान की स्थापना के कारण विस्थापितों, संबंधित जिले के स्थानीय उम्मीदवारों और समाज के सभी वर्गों के प्रतिनिधित्व पर ध्यान दिया जाएगा।

कठुआ के राजबाग में मिला पाकिस्तानी गुब्बारा

जम्मू, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास राजबाग थाना क्षेत्र में आते गांव लाहड़ी में खेतों से पाकिस्तानी गुब्बारा मिला है। पुलिस चौकी की टीम ने गुब्बारे को कब्जे में ले लिया है।

इस पर पीआईए (पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरवेज) अंकित है। गुब्बारा मिलने के बाद पुलिस गंभीरता से जांच कर रही है।

सेना ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया और भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया। राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों को माहौर के वन क्षेत्र में घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान यह सफलता मिली।

अधिकारियों के अनुसार, ठिकाने से की गई बरामदगी में एक एके असॉल्ट राइफल, 400 से अधिक राउंड वाली इसकी तीन मैगजीन, दो पिस्तौल, 14 राउंड वाली दो मैगजीन और चार हथगोले शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान जारी है।

विजय दिवस समारोह में शामिल हो सकते हैं बांग्लादेशी प्रतिनिधि

कोलकाता, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

16 दिसंबर को आयोजित होने वाले विजय दिवस समारोह में बांग्लादेश के प्रतिनिधिमंडल के शामिल होने की संभावना है। प्रतिनिधिमंडल में कितने मुक्ति योद्धा या अधिकारी होंगे, इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई है। इस मौके पर फोर्ट विलियम में विजय स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। 1971 के युद्ध में भाग लेने वाले युद्ध के दिग्गज कार्यक्रम में शामिल होंगे।

उन योद्धाओं के प्रति श्रद्धा अर्पित की जाएगी, जिन्होंने 1971 में पूर्वी पाकिस्तान की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी थी। 16 दिसंबर 1971 को भारतीय सेना के सामने पूर्वी पाकिस्तान के 93,000 सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया था। इसके साथ ही बांग्लादेश का जन्म हुआ था। मुक्ति योद्धाओं का प्रतिनिधिमंडल हर साल भारतीय सेना के पूर्वी कमान की ओर से कोलकाता में आयोजित होने वाले विजय दिवस समारोह में भाग लेता है।

सेना की पूर्वी कमान मुख्यालय फोर्ट विलियम में 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सशस्त्र बलों की जीत के उपलक्ष्य में विजय दिवस पर कई कार्यक्रम होंगे। इसे लेकर हाल ही में मेजर जनरल मोहित सेठ ने कहा था कि 16 दिसंबर को फोर्ट विलियम में विजय स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। उन्होंने कहा था कि 1971 के युद्ध में भाग लेने वाले युद्ध के दिग्गज कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके साथ ही पाकिस्तानी सेना को हराने वाले 1971 के युद्ध नायकों के लिए कोलकाता के सैन्य प्रशिक्षण केंद्र में एक सैन्य टैटू भी आयोजित किया जाएगा।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सीएम योगी ने लिया महाकुंभ की तैयारियों का जायजा

महाकुंभनगर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। महाकुंभ 2025 के लिए हजारों करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण करने शुक्रवार को प्रयागराज आ रहे पीएम मोदी के कार्यक्रमों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए गुरुवार को सीएम योगी प्रयागराज पहुंचे।

उन्होंने महाकुंभ नगर में चल रही तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान वह संगम नोज भी पहुंचे जहां पीएम मोदी शुक्रवार को पूजन अर्चन करेंगे। उन्होंने यहां पीएम मोदी के भ्रमण की पूरी रूपरेखा को समझा और बिना बाधा कार्यक्रम संपन्न कराने के लिए अधिकारियों को दिशा निर्देश प्रदान किए। यही नहीं, सीएम योगी ने मेला क्षेत्र में अस्थायी अस्पताल, अक्षय वट, सरस्वती कूप, लेटे हनुमान मंदिर पहुंचकर वहां भी तैयारियों का जायजा लिया। लेटे हनुमान मंदिर में सीएम ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन व दर्शन भी किया। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को पीएम मोदी प्रयागराज में उप-स्थित रहेंगे और संगम नोज पर गंगा आरती व पूजन के साथ ही वह यहां जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

सीएम योगी सबसे पहले सेक्टर वन परेड में बनाए गए 100 बेड के अस्थायी अस्प-ताल का निरीक्षण करने पहुंचे। महाकुंभ 2025 को देखते हुए चिकित्सा परिवार कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा इस अस्थायी अस्पताल का निर्माण किया गया है। मुख्यमंत्री ने यहां इमरजेंसी वार्ड, इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू), ओपीडी के साथ ही वेटिंग एरिया, मुख्य वार्ड, फीमेल वार्ड, चिल्ड्रेन वार्ड और ऑपरेशन थिएटर का गहन

निरीक्षण किया। वहां मौजूद डॉक्टरों ने उन्हें अस्पताल में दी जा रही सुविधाओं के विषय में जानकारी दी। आईसीयू में एआई कैमरों के इस्तेमाल के साथ ही हाईटेक एआई मैसेजिंग फ्लो सिस्टम के बारे में उन्हें पूरे विस्तार से बताया गया। इसके साथ ही, अस्पताल में स्थापित लैबोरेट्री के विषय में भी बताया गया, जिस पर मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि महाकुंभ के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे। केंद्रीय अस्थायी अस्पताल के माध्यम से उन्हें हर संभव मदद मिलनी चाहिए। चिकित्सकों के साथ ही स्टाफ और दवाइयों की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने अस्पताल में वेंटिलेशन के बेहतर इंतजाम किए जाने के भी निर्देश दिए। मालूम हो कि महाकुंभ के लिए बनाए गए इस अस्थायी अस्पताल में कुल 100 बेड हैं, जिसमें 10 बेड का आईसीयू भी सम्मिलित है। इसमें कुल 381 डॉक्टर्स को तैनात किया गया है, जिसमें फिजीशियन, सर्जन, गायनेकोलॉजिस्ट, पीडियाट्रिक्स समेत अन्य शामिल हैं। 10 बेड के आईसीयू को कैंट बोर्ड संचालित करेगा, जिसमें मेदांता के डॉक्टर्स का भी सहयोग रहेगा।

अस्पताल से सीएम सीधा किला घाट पहुंचे जहां उन्होंने नव निर्मित जेटी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को घाट पर श्रद्धालुओं के स्नान व अन्य सुविधाओं को सुनिश्चित करने के साथ ही सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। यहां से सीएम संगम नोज पहुंचे, जहां शुक्रवार को पीएम मोदी पूजा अर्चना करेंगे। उन्होंने यहां स्थलीय निरीक्षण किया। मेलाधिकारी विजय किरण आनंद ने उन्हें पीएम मोदी के क्रूज से भ्रमण को लेकर सभी तैयारियों के विषय में विस्तृत से जानकारी दी। सीएम ने सभी व्यवस्थाओं को देखा और सभी पैरामीटर्स का ध्यान रखते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

यहां से सीएम योगी ने प्रयाग किले के अंदर स्थित अक्षय वट कॉरिडोर का स्थलीय

निरीक्षण किया। सीएम ई कार्ट से अक्षय वट कॉरिडोर पहुंचे। यहां स्मार्ट सिटी के तहत किए जा रहे कार्यों को उन्होंने देखा और अक्षय वट के विषय में जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने दर्शन कर पूजा अर्चना की। सीएम ने यहां चल रहे सौंदर्यीकरण खासकर श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप प्रतिमा को सराहा और फोटो शूट भी कराया। सप्तऋतियों की कलाकृतियों को देखकर भी वह भाव विभोर हो गए। यहां सेनाधिकारियों ने उन्हें अक्षय वट की तस्वीर भी भेंट की।

सीएम योगी ने यहां से संगम तट पर स्थित बड़े हनुमान मंदिर कॉरिडोर का रुख किया। प्रयागराज डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीडीए) द्वारा यहां कॉरिडोर फेज-1 का कार्य किया जा रहा है।

सीएम ने तैयारियों का जायजा लिया और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हनुमान जी की पूजा अर्चना कर आरती उतारी। यहां दर्शन पूजन कर उन्होंने समस्त नागरिकों की सुख समृद्धि की कामना की। इस दौरान उनके साथ मंदिर के महंत और श्रीमठ बाघंबरी के पीठाधीश्वर बलबीर गिरी महाराज भी मौजूद रहे। इस अवसर पर पीडीए वीसी ने उन्हें मंदिर कॉरिडोर का ले-आउट प्लान भी दिखाया। सीएम ने समस्त कार्यों में तेजी लाते हुए समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। यहां से सीएम सरस्वती कूप के दर्शन करने पहुंचे। यहां उन्होंने प्रांगण में स्थित सरस्वती जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए।

सरस्वती कूप के दर्शन कर सीएम प्राधिकरण ऑफिस पहुंचे, जहां से सीएम ने सेक्टर 6 में एसटीपी सलोरी ड्रेन द्वारा जियो ट्यूब विधि से शोधन कार्य का निरीक्षण किया। जियो ट्यूब एक नई तकनीक है जिसके माध्यम से सीवर और नालों का पानी एसटीपी में भेजा जाता है। इन ट्यूब में ही 50 से 60 प्रतिशत बीओडी कम हो जाता है। शहर के जो 22 अनटैप्ड नाले थे, इसके माध्यम उनको ट्रीट करके नदी में छोड़ा जाएगा। इसका ट्रायल रन शुरू हो चुका है। एक जनवरी से यह पूरी क्षमता से कार्य करना शुरू कर दिया है। सीएम ने इसकी जानकारी लेने के बाद निर्देश दिए कि सीवर का पानी बिना ट्रीट किए हुए नदी में न छोड़ा जाए। मेले के दौरान एसटीपी पूरी क्षमता से कार्य करे, ताकि लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

सीएम योगी ने सेक्टर 20 में स्थित अखाड़ों का भी स्थलीय निरीक्षण किया। वह यहां सबसे पहले श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन पहुंचे, जहां सीएम ने अखाड़े के प्रवेश द्वार पर मौजूद संतो के साथ कुछ देर बातचीत की। संतो ने सीएम का स्वागत किया।

उदासीन बड़ा के बाद श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी और आनंद अखाड़े के शिविर में भी सीएम पहुंचे और वहां की व्यवस्थाएं देखीं। आनंद अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर शंकरानन्द सरस्वती जी ने सीएम को अखाड़े के अंदर आमंत्रित किया। सीएम ने उन्हें अगली बार आने का आश्वासन दिया। सीएम अन्य अखाड़ों के बाहर तैयारियों और व्यवस्था का भौतिक निरीक्षण करने के बाद वहां से रवाना हो गए। यहां से त्रिवेणी मार्ग गंगा रिवर फ्रंट रोड झूंसी और छतनाग घाट का भी उन्होंने निरीक्षण किया। यहां उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

स्थलीय निरीक्षण के दौरान सीएम योगी के साथ डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह और पूर्व विधायक व विधायक सिद्धार्थनाथ सिंह समेत अन्य नेतागण व अधिकारी मौजूद रहे।

चार प्रदेशों में हुआ महाकुंभ-2025 का रोड-शो

योगी के मंत्रियों ने लोगों को दिया संगम स्नान का निमंत्रण

देहरादून, जम्मू, पटना और पणजी में आयोजित हुआ रोड शो

देहरादून/जम्मू/पटना/पणजी, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज महाकुंभ 2025 को भारतीय संस्कृति और एकता का वैश्विक प्रतीक बनाने के लिए योगी सरकार देशभर में रोड-शो की एक श्रृंखला आयोजित कर रही है।

रोड-शो के माध्यम से योगी सरकार महाकुंभ 2025 के महत्व को देश के कोने-कोने तक पहुंचा रही है। इस कड़ी में जम्मू, दे-हरादून, पटना और पणजी में भव्य रोड-शो का आयोजन हुआ। जहां रोड-शो का नेतृत्व कर रहे योगी सरकार के मंत्रियों ने आम लोगों के साथ-साथ वहां के गणमान्य व्यक्तियों को महाकुंभ में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

जम्मू में आयोजित रोड-शो का नेतृत्व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार और अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज, राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने किया। इस दौरान उन्होंने महाकुंभ को भारतीय विविधता और एकता का उत्सव बताते हुए

जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज कुमार सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और वहां की जनता को प्रयागराज महाकुंभ में भाग लेने का निमंत्रण दिया।

मंत्रियों ने महाकुंभ को भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक बताया और इस आयोजन को भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी।

देहरादून में महिला कल्याण मंत्री बेबी रानी मौर्य और लोक निर्माण राज्यमंत्री ब्रजेश सिंह ने रोड-शो का नेतृत्व किया। इस दौरान उन्होंने उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को महाकुंभ में भाग लेने का निमंत्रण दिया। उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त और पर्यावरण अनुकूल महाकुंभ की तैयारियों पर जोर देते हुए कहा कि यह आयोजन भारतीय विविधता में एकता के प्रतीक को प्रदर्शित करेगा।

पटना में आयोजित रोड-शो का नेतृत्व सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान और परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने किया। उन्होंने 2019 के महाकुंभ की वैश्विक सफलता का जिक्र करते हुए इसे 2025 के आयोजन से और अधिक दिव्य और भव्य बनाने के प्रयासों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि इस बार 45 करोड़ तीर्थयात्रियों, साधुओं और पर्यटकों के आने की संभावना है और इसके लिए समयबद्ध तरीके से सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

पणजी में आयोजित रोड-शो का नेतृत्व कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान और जल शक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद ने किया। उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि महाकुंभ को हरित, स्वच्छ और डिजिटल बनाने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। इसमें स्मार्ट पार्किंग, सीसीटीवी आधारित निगरानी और डिजिटल खोया-पाया केंद्र जैसी सुविधाएं शामिल हैं। उन्होंने महाकुंभ के लिए बनाए गए 44 घाटों और गंगा किनारे रिवर फ्रंट की भी जानकारी दी।

इन सभी आयोजनों के माध्यम से योगी सरकार ने महाकुंभ की भव्यता और सांस्कृतिक महत्व को देश के विभिन्न हिस्सों में पहुंचाने का प्रयास किया। जम्मू, पटना, देहरादून और पणजी में आयोजित रोड-शो में बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्तियों, प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय जनता ने भाग लिया

संगम नगरी में कल गंगा पूजन करेंगे पीएम मोदी

विश्व को देंगे महाकुंभ का आमंत्रण

प्रयागराज, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। संगम की रेती पर अस्थायी तौर पर बसने वाले महाकुंभ नगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को चार घंटे तक रहेंगे। इस दौरान वह गंगा पूजन के साथ दुनिया भर के लोगों को इस आध्यात्मिक नगरी में आने का आमंत्रण भी देंगे।

महाकुंभ का आयोजन 13 जनवरी से शुरू होकर 26 फरवरी तक चलेगा। प्रधानमंत्री शुक्रवार को गंगा पूजन के साथ इसकी शुरुआत करेंगे। प्रधानमंत्री विशेष विमान से दोपहर में बमरौली एयरपोर्ट पर उतरेंगे। वहां से हेलीकॉप्टर से अरैल जाएंगे। अरैल से निषादराज क्रूज से किला घाट आएंगे। किला घाट से प्रधानमंत्री संगम नोज पहुंचेंगे और गंगा पूजन के साथ संतों से वार्ता करेंगे। प्रधानमंत्री सरस्वती कूप, अक्षयवट और बड़े हनुमान मंदिर

में दर्शन करेंगे। प्रधानमंत्री के संगम स्नान की बात भी कही जा रही है। इसे ध्यान में रखकर तैयारी की गई है। गंगा पूजन के बाद प्रधानमंत्री संगम नोज पर ही बने पंडाल में सभा को संबोधित करेंगे। इससे पहले वह 7,000 करोड़ रुपए से अधिक की करीब छह सौ निर्माण परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे।

प्रधानमंत्री इसी मंच से श्रृंगवेरपुर धाम में बने घाट, निषादराज पार्क और गले मिलते भगवान राम व निषादराज की प्रतिमा का वर्चुअल लोकार्पण करेंगे। इसी के साथ श्रृंगवेरपुर में बनने वाले गंगा रिवर फ्रंट व संग्रहालय का शिलान्यास भी करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को अखाड़ों के श्रीमहंतों-महामंडलेश्वरों के साथ महाकुंभ को लेकर संवाद करेंगे। संवाद में 13 अखाड़ों के 26 प्रतिनिधि शामिल होंगे। प्रधानमंत्री के साथ संवाद के लिए चयनित अखाड़ों के प्रतिनिधियों को बुधवार को सूचीबद्ध कर लिया गया। पीएम मोदी के साथ संवाद के लिए हर अखाड़े से दो-दो पदाधिकारियों को चुना गया है। अखाड़ों के अलावा आचार्यवाड़ा, दंडीवाड़ा और खाक चौक के भी संत इसमें शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत 4,000 किंटल फूलों से होगा। स्वागत के लिए 15 किस्म के गुलाब मंगाए गए हैं। कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और दिल्ली के 32 प्रजातियों के फूल व जिप्सो व बेबीज ब्रीथ जैसे विदेशी फूल भी वातावरण को महकाएंगे। इसके अलावा कोलकाता से गेंदे के फूल की दो किस्में आई हैं। इसी तरह लिली व आर्किड के फूल भी मंगाए गए हैं।

विधानसभा चुनाव से पहले सपा को लगेगा बड़ा झटका

अलग राह पकड़ेंगे आजम खान

लखनऊ, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी को बड़ा झटका लग सकता है। आजम खान अलग राह पकड़ सकते हैं। रामपुर प्रकरण की उपेक्षा किए जाने के मामले में इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए आजम खान ने सपा को स्पष्ट संदेश दिया है।

जिस तरह से रामपुर में लोकसभा का टिकट पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम की बिना मर्जी के दिया गया और संभल के सांसद पर एफआईआर को सपा ने प्रमुखता दी, उससे कहीं न कहीं आजम को मुसलमानों को बीच अपनी सियासी जमीन भी खिसकती दिखाई दे रही है। संभल पर सपा और कांग्रेस के बीच सियासी दरार पड़ती नजर आ रही है तो जेल में सजा काट रहे आजम खान ने इंडी गठबंधन को कठघरे में खड़ा कर दिया है। रामपुर के सपा जिला अध्यक्ष

अजय सागर ने आजम के सियासी संदेश को पत्र के जरिए लोगों के सामने रखा है।

आजम खान के पत्र में इंडी गठबंधन पर मुस्लिमों की अनद-खी का आरोप लगाया गया है। कहा गया है कि मुसलमानों पर इंडी गठबंधन को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी होगी, अन्यथा मुस्लिमों को भविष्य पर विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। आजम ने यह भी कहा कि रामपुर में हुए जुल्म और बर्बादी का मुद्दा संसद में उतनी ही मजबूती से उठाया जाना चाहिए, जितना संभल का मुद्दा उठाया गया। रामपुर के जुल्म और बर्बादी पर इंडी गठबंधन खामोशी तमाशाई बना रहा और मुस्लिम लीडरशिप को मिटाने का काम करता रहा। सपा के रामपुर के पूर्व जिलाध्यक्ष और आजम के बेहद करीबी माने जाने वाले वीरेंद्र गोयल कहते हैं कि इंडी गठबंधन कहीं से भी मुसलमानों के साथ खड़ा नहीं दिख रहा है। यही वजह है कि आजम का दर्द सामने आया है।

लोकसभा चुनाव में आजम चाहते थे कि रामपुर से खुद अखिलेश यादव चुनाव लड़ें। आजम वहां किसी मुस्लिम नेता को पैर जमाने देना बिल्कुल भी नहीं चाहते थे लेकिन सपा ने वहां से मोहिब्बुल्लाह को टिकट दिया और वे जीत भी गए। रामपुर के लोकसभा टिकट ने आजम की सपा नेतृत्व से दूरियां बढ़ाईं। आजम को यह भी महसूस हो रहा है कि उनके मामले को सड़क से संसद तक उतनी प्रमुखता से नहीं उठाया गया, जितनी संभल के प्रकरण को तरजीह दी गई।-

चांदी से जड़े गए विंध्यवासिनी मंदिर गर्भगृह के दो द्वार

औरंगाबाद बिहार के व्यापारी ने दिया 77 किलो चांदी

मिर्जापुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)। मां विंध्यवासिनी मंदिर के प्रथम निकास द्वार पर बृहस्पतिवार को चांदी का गेट लगाया गया। बिहार के औरंगाबाद जिले के एक भक्त द्वारा चांदी का गेट और चांदी का पत्तर मां के चरणों में समर्पित किया गया। चांदी का दरवाजा और लगाए गए पत्तर का कुल वजन 76 किलो 800 ग्राम है। श्रीविंध्य पंडा समाज व जिला प्रशासन के अधिकारियों की अनुमति के बाद बृहस्पतिवार की शाम चार बजे से प्रथम निकास द्वार का दरवाजा बंद कर कार्य को शुरू हुआ। द्वितीय निकास द्वार से वीआईपी व आम श्रद्धालु के दर्शन पूजन का कार्य सुचारू रूप

से चलता रहा।

तीर्थ पुरोहित सूर्य प्रसाद मिश्रा ने बताया कि विगत कई वर्षों से प्रतिमाह दानदाता औरंगाबाद निवासी व्यापारी रवींद्र कुमार सिंह परिवार के साथ दर्शन पूजन करने के लिए आते थे। मां के चरणों में सेवा भाव करने की जिज्ञासा उठी। उन्होंने 76 किलो 800 ग्राम का चांदी का गेट एवं पत्तर मां के चरणों में समर्पित किया। इससे प्रथम निकास द्वार पर दरवाजा व नीचे पत्थर पर चांदी का पत्तर लगाया गया। श्रीविंध्य पंडा समाज के अध्यक्ष पंकज द्विवेदी ने बताया कि मां विंध्यवासिनी के तीर्थ पुरोहित सूर्य प्रसाद मिश्रा के यजमान द्वारा मां के चरणों में चांदी का गेट समर्पित किया गया है।

इसको लगवाने के लिए पंडा समाज कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन, एडीएम वित्त एवं राजस्व शिव प्रताप शुक्ल, नगर मजिस्ट्रेट द्वारा अनुमति लेने के पश्चात कार्य को शुरू किया गया। पहले यह द्वार पीतल का था। इस दौरान पंडा समाज अध्यक्ष, मंत्री भानु पाठक, सूर्य प्रसाद मिश्रा, दीपक मिश्रा, निर्भय मिश्रा एवं मंदिर सुरक्षा प्रभारी राजेश कुमार मिश्रा सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि मां विंध्यवासिनी माता के दरबार में गर्भगृह के दो प्रवेश द्वार और दो निकास द्वार हैं। प्रवेश और निकास द्वार पर 6 अप्रैल 1965 चैत्र शुक्ल पंचमी तिथि को हैहय वंशीय क्षत्रिय कसेरा, वाराणसी के सदस्यों द्वारा हस्तकला पीतल उद्योग सहकारी समिति द्वारा लगाए गया था। तीर्थ पुरोहित अन्नपूर्णा प्रसाद पुत्र लाल बिहारी पंडा द्वारा पीतल के दरवाजे मां के चरणों में समर्पित किए गए थे। विगत दिनों लखनऊ के व्यापारी द्वारा प्रथम प्रवेश द्वार पर चांदी का गेट समर्पित किया गया। इसके पश्चात बिहार राज्य के औरंगाबाद के मां के भक्त द्वारा निकास द्वार पर चांदी का गेट समर्पित किया गया। अभी एक प्रवेश व एक निकास द्वार पर पीतल का गेट लगा है।

संपादकीय

'इंडिया' तीसरे मोर्चे की ओर

विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन में अजीब विरोधाभास हैं। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस पर 'इंडिया' के लगभग सभी प्रमुख घटक-दलों के नेताओं ने हस्ताक्षर किए हैं। इन दलों के करीब 70 राज्यसभा सांसद दस्तखत कर चुके हैं। यह अविश्वास प्रस्ताव 'प्रतीकात्मक' साबित होगा, क्योंकि उच्च सदन में ही कमोबेश 119 सांसदों का समर्थन अनिवार्य है। यदि राज्यसभा में प्रस्ताव पारित हो भी जाता है, तो लोकसभा में भी उसकी पुष्टि संवैधानिक तौर पर अनिवार्य है। लोकसभा में 'इंडिया' के 234 सांसद ही हैं, जबकि सामान्य बहुमत के लिए कमोबेश 272 सांसदों का समर्थन अपेक्षित है। यह 234 का आंकड़ा तभी संभव है, जब 'इंडिया' एकजुट रहे, लेकिन उसके बिखराव के कारण कई हैं। शरद पवार और लालू यादव सरीखे विपक्ष के वरिष्ठ और अनुभवी नेताओं ने मांग की है कि 'इंडिया' का नेतृत्व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी को सौंपा जाए। हालांकि बंगाल के बाहर ममता बनर्जी 'राजनीतिक शून्य' हैं, लेकिन कांग्रेस-विरोधी विपक्षी नेताओं का मानना है कि यदि ममता बनर्जी राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन का नेतृत्व करती हैं, तो वह एक निश्चित विचार और रणनीति दे सकती हैं। कांग्रेस और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी यह भूमिका निभाने में नाकाम रहे हैं। राज्यसभा में भी नेता प्रतिपक्ष खडग़े कांग्रेस अध्यक्ष हैं, लेकिन कांग्रेस के दोनों ही नेता संसद के भीतर की रणनीति तय करने और समूचे विपक्ष का विश्वास हासिल करने में असमर्थ रहे हैं। उनकी रणनीति अडाणी तक ही सिमटी है। अधिकतर विपक्षी नेता अडाणी-विरोध की राजनीति के खिलाफ हैं। राहुल गांधी 2014 से ही एक ही मुद्दे से चिपके हैं। कांग्रेस लगातार तीन लोकसभा चुनाव हारी है और अधिकतर विधानसभा चुनावों में भी विपक्ष को हार झेलनी पड़ी है। इस सोच के विपक्षी नेता याद दिलाते हैं कि राजीव गांधी के प्रधानमंत्री-काल के दौरान वीपी सिंह 'बोफोर्स तोप सौदा घोटाले' को ही उठाते रहे। हालांकि तब उन्हें 'राष्ट्रीय मोर्चे' और 'वाममोर्चे' का समर्थन हासिल था। भाजपा भी समर्थन दे रही थी। उस राष्ट्रीय, राजनीतिक अभियान के बावजूद कांग्रेस लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी थी। यह दीगर है कि राजीव गांधी विपक्ष की सरकार बनाने के पक्ष में थे। नतीजतन वीपी सिंह प्रधानमंत्री बने, लेकिन उनका कार्यकाल एक साल से भी कम समय का रहा। फिर चंद्रशेखर मात्र 4 माह के प्रधानमंत्री बने। राष्ट्रपति ने उन्हें आम चुनाव तक 'कार्यवाहक प्रधानमंत्री' बनाए रखा। 'इंडिया' गठबंधन की नियति 1996 के तीसरे मोर्चे (संयुक्त मोर्चा) की ओर बढ़ती लग रही है। हालांकि उस दौर के देवगौड़ा, नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू, देवीलाल (अब चौटाला का विभाजित परिवार), प्रकाश सिंह बादल (अब दिवंगत) सरीखे कद्दावर नेताओं के दल या तो भाजपा नेतृत्व के एनडीए में हैं अथवा राजनीतिक तौर पर अप्रासंगिक हो चुके हैं। 1996 के दौर में ही जो ताकत वाममोर्चे की थी, वह आज क्षीण हो रही है। बंगाल के दुर्ग पर मई, 2011 से ममता बनर्जी का संवैधानिक कब्जा है। तीसरे मोर्चे की संभावनाएं इसलिए जताई जा रही हैं, क्योंकि 'इंडिया' में सपा, तृणमूल कांग्रेस, राजद, एनसीपी (शरद), शिवसेना (उद्धव) आदि घटक दल 'कांग्रेसहीन राजनीति' के पक्षधर हैं अथवा बनते जा रहे हैं। आम आदमी पार्टी (आप) भी कांग्रेस-विरोधी मानसिकता में है। दिल्ली में विधानसभा चुनाव करीब ही हैं। 'आप' और कांग्रेस दोनों एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी। यह कैसा गठबंधन है कि 'एम' फैक्टर की राजनीति के लिए एकजुट होने का ढोंग और शेष राजनीति के लिए अलग-थलग... ? कांग्रेस के साथ द्रमुक ही प्रमुख पार्टी है। सीपीआई, सीपीएम कांग्रेस के साथ भी हैं, लेकिन केरल जैसे राज्य में उसके 'प्रतिद्वंद्वी दल' भी हैं। बहरहाल इंडिया गठबंधन में मतैक्य की जरूरत है।

> उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस पर 'इंडिया' के लगभग सभी प्रमुख घटक-दलों के नेताओं ने हस्ताक्षर किए हैं। इन दलों के करीब 70 राज्यसभा सांसद दस्तखत कर चुके हैं। यह अविश्वास प्रस्ताव 'प्रतीकात्मक' साबित होगा, क्योंकि उच्च सदन में ही कमोबेश 119 सांसदों का समर्थन अनिवार्य है। यदि राज्यसभा में प्रस्ताव पारित हो भी जाता है, तो लोकसभा में भी उसकी पुष्टि संवैधानिक तौर पर अनिवार्य है। लोकसभा में 'इंडिया' के 234 सांसद ही हैं, जबकि सामान्य बहुमत के लिए कमोबेश 272 सांसदों का समर्थन अपेक्षित है। यह 234 का आंकड़ा तभी संभव है, जब 'इंडिया' एकजुट रहे, लेकिन उसके बिखराव के कारण कई हैं। शरद पवार और लालू यादव सरीखे विपक्ष के वरिष्ठ और अनुभवी नेताओं ने मांग की है कि 'इंडिया' का नेतृत्व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी को सौंपा जाए।

भारत को भी आतंकवादी ताकतें उसी तरह से नष्ट कर देंगी जैसे उदाहरण इस्लामिक देशों में भरे पड़े हैं

बहुमत की इच्छा से आखिर क्यों नहीं चलेगा देश? कोई समझाएगा जनमानस को!

कमलेश पांडेय

> मुगलिया सल्तनत से लेकर ब्रिटिश साम्राज्य का हश्र हमारे-आपके सामने है। वहीं, एक बार नहीं बल्कि कई दफे हुआ पारिवारिक लोकतांत्रिक सत्ता का पतन भी आप सबके सामने हैं जबकि इसको यथावत बनाए रखने के लिए कथित धर्मनिरपेक्षता व जातिवाद की आड़ लेकर क्रमश: अल्पसंख्यक और आरक्षण जैसे पक्षपाती विचारों का भी पालन-पोषण किया गया तथा तुष्टिकरण की नीतियों तक को बेहिसाब बढ़ावा दिया गया।

कहते हैं कि जो राजा या शासन पद्धति जनभावनाओं को नहीं समझ पाते हैं, रणनीतिक रूप से अकस्मात गोलबंद किए हुए उग्र लोगों के द्वारा नष्ट कर दिए जाते हैं। मुगलिया सल्तनत से लेकर ब्रिटिश साम्राज्य का हश्र हमारे-आपके सामने है। वहीं, एक बार नहीं बल्कि कई दफे हुआ पारिवारिक लोकतांत्रिक सत्ता का पतन भी आप सबके सामने हैं जबकि इसको यथावत बनाए रखने के लिए कथित धर्मनिरपेक्षता व जातिवाद की आड़ लेकर क्रमशः अल्पसंख्यक और आरक्षण जैसे पक्षपाती विचारों का भी पालन-पोषण किया गया तथा तुष्टिकरण की नीतियों तक को बेहिसाब बढ़ावा दिया गया। फिर भी हश्र सबके सामने है। वैश्विक और भारतीय परिस्थिति भी अब इस बात की चुगली कर रही है कि इन्हें शह देने वाले संविधानों व उस पर आधारित कुछ अतिवादी कानूनों का भी देर-सबेर कुछ यही हश्र होने वाला है, आज नहीं तो निश्चय कल ! साथ ही उस बनावटी लोकतंत्र का भी जो पूंजीवादी देशों की रखैल बन चुकी है क्योंकि वे इसका मनमाफिक दुरुपयोग कर रहे हैं। ऐसे में हमारी संसद और सर्वोच्च न्यायालय दोनों को दूरदर्शिता दिखानी होगी, और पाकिस्तान-बंगलादेश समेत अन्य इस्लामिक देशों के बदलते प्रशासनिक घटनाक्रमों से सबक लेना होगा अन्यथा भारत को भी आतंकवादी ताकतें उसी तरह से नष्ट कर देंगी जैसे उदाहरण इस्लामिक देशों में भरे पड़े हैं। अलबत्ता इलाहाबाद हाईकोर्ट के 'हिंदूवादी जज' जस्टिस शेखर कुमार यादव के 'बहुमत से चलेगा देश' जैसे स्पष्टवादी बयान को भी उपर्युक्त नसीहतों की कसौटी पर ही कसा जाना चाहिए अन्यथा संसद और सुप्रीम कोर्ट की 'मनमर्जी' (षडयंत्रकारी धर्मनिरपेक्षता/पंथनिरपेक्षता के संदर्भ में) भारत को भी 'अशांत इस्लामिक मुल्क' बना देगी जो हमारे कतिपय धर्मनिरपेक्ष दलों का अघोषित सियासी एजेंडा है जिससे समय रहते ही सावधान हो जाने की जरूरत है। यदि भारत के विद्वान न्यायाधीश, अधिवक्ता, प्रोफेसर, राजनेता,

पत्रकार और बुद्धिजीवियों के समूह इस तथ्य को अब और नजरअंदाज करेंगे तो अशांत मुल्क के रूप में अगला नम्बर हमारे देश का ही होगा जिसके ट्रेलर मोदी काल में जहां तहां विपक्ष के इशारे पर दिखाई भी दे रहे हैं। देखा जाए तो विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के एक बौद्धिक व राष्ट्रवादी प्रोग्राम 'समान नागरिक संहिताः एक संवैधानिक अनिवार्यता' विषय पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के 'हिंदूवादी जज' जस्टिस शेखर कुमार यादव के द्वारा दिए गए 'विवादित बयान' पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा संज्ञान लिया जाना उचित है लेकिन इसकी सांगोपांग व्याख्या से पहले वह अपने पड़ोसी देशों के हश्र भी देख ले, जहां भारत को कमजोर करने वाले अमेरिकी और चीनी एजेंडे के अनुगामियों ने, उग्रपंथियों ने वहां की धर्मनिरपेक्ष सरकारों को अपदस्थ कर दिया और हिंदुओं पर नाना प्रकार के जुल्म कर रहे हैं। उनकी घटती आबादी इसका सबूत है। जबकि भारत की उदारवादी संसदीय नीतियों और उनकी सुप्रीम व्याख्या की अदूरदर्शिता से यहां की जनसंख्या बेतहाशा बढ़ी है, बेरोजगारी और भरण-पोषण का संकट उतपन्न हुआ है और कानून के उस शासन को भी अब कथित 'भीड़तंत्र" के द्वारा जगह-जगह चुनौती मिल रही है। इस सूरते हाल पर हमारी संसद और सुप्रीम कोर्ट की किंकर्तव्यविमूढ़ता भी जनहित के नजरिए से सवालों के घेरे में है, क्योंकि शांतिपूर्ण तरीके से जीना अब इस देश में भी मुहाल होता जा रहा है, इस्लामिक देशों की तरह। ऐसा इसलिए कि दुनिया की दूसरे सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी भारत में रहती है और इन्हें शिक्षित करने और उग्रपंथी विचारों से अलग रखने में हमारा प्रशासन बुरी तरह से विफल प्रतीत हुआ है। कश्मीर, पश्चिम बंगाल, केरल के अलावा जहां भी मुस्लिमों की ज्यादा आबादी है, वहां पुलिस प्रशासन की चुनौतियों को भी समझा जा सकता है। यह बात आज देश के हर बुद्धिजीवी को अखड़ रही है कि आखिर वोट बैंक की धर्मनिरपेक्ष राजनीति हमें किधर ले जा रही है और इसमें बदलाव के लिए क्या किया जा सकता है! कहना न होगा कि हमारे निर्वाचित नेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों व न्यायाधीशों की तरह ही स्पष्टवादी बुद्धिजीवियों के भी कुछ विशेषाधिकार हैं जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से संरक्षित हैं और जनमत निर्माण में यथोचित योगदान देते आए हैं, इसलिए जस्टिस यादव के विचारों को भी हमें इसी कसौटी पर कसने की जरूरत है क्योंकि उन्होंने अपने सम्बोधन के क्रम में ही यह साफ कर दिया था कि ये बातें वे जज की हैसियत से नहीं बल्कि एक आम प्रबुद्ध भारतीय की हैसियत से कह रहे हैं और इस पर अडिग रहने की जरूरत है। वर्तमान में शेखर कुमार यादव इलाहाबाद हाईकोर्ट में न्यायाधीश हैं। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से 1988 में लॉ ग्रेजुएट शेखर कुमार यादव ने 1990 में वकील के रूप में अपना रजिस्ट्रेशन कराया था। उन्हें 12 दिसंबर, 2019 को इलाहाबाद हाईकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। 26 मार्च, 2021 को उन्होंने स्थायी न्यायाधीश के रूप में शपथ ली थी। अपनी पदोन्नति से पहले उत्तर प्रदेश राज्य के स्थायी वकील रहे। भारत संघ के लिए अतिरिक्त स्थायी वकील रहे। यूपी की अदालतों में रेलवे के लिए स्थायी वकील का पद संभाला था। जस्टिस शेखर यादव 2026 में रिटायर होंगे। गत 1 सितंबर, 2021 को जस्टिस शेखर कुमार यादव ने कहा था कि वैज्ञानिकों का मानना है कि गाय ही एकमात्र जानवर है जो ऑक्सीजन छोड़ती है।

दृश्टि कोण

श्रेष्ठ गुणों से जीवन का श्रृंगार करें

मनुष्य की जिंदगी में उतार-चढ़ाव और बदलाव आते रहते हैं। इसलिए हमारे अंदर कभी भी एक जैसा जोश अथवा स्थिरता नहीं रहती है। अतएव प्रत्येक मानव के लिए जरूरी है कि वह हमेशा जोशीले, मानसिक रूप से सुदृढ़, प्रबल एवं हौसले वाला बना रहे और इसके लिए आवश्यक है कि हम हमेशा मोटिवेटेड रहें और सदैव सकारात्मक सोच रखते हुए जीवन में आगे बढ़ते रहें। हमारे लिए आवश्यक है कि हम अपने आपको अध्ययनशील बनाएं। जोसेफ एडिसन के अनुसार, अध्ययन हमें आनंद प्रदान करता है और योग्य बनाकर अलंकृत करता है। मस्तिष्क की उन्नति के लिए अध्ययन उतना ही आवश्यक है जितना शरीर के लिए व्यायाम करना। वैसे भी आज की पीढ़ी को बदलने की जरूरत है क्योंकि आज का जमाना तेजी और निरंतरता का जमाना है। हमें जीवन में अपना लक्ष्य निर्धारित करके सफलता प्राप्त करने हेतु प्रयत्नरत रहना होगा। यदि हमें अपने जीवन में बदलाव लाना है तो हमें उन लोगों की संगत करनी पड़ेगी जिनके विचार उत्तम हों और इसके लिए हमें एक अच्छे गुरु और मार्गदर्शक की आवश्यकता रहती है। विचारों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। जैसी संगत वैसी रंगत वाली बात हम सबने सुनी हुई है। इसलिए सदैव श्रेष्ठ संगति में रहें। महापुरुषों यथा स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधी और अब्राहम लिंकन सरीखी विभूतियों के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करें और तदनुरूप आचरण करें। जहां तक सीखने का सवाल है तो सीखना एक जीवनपर्यंत चलने वाली प्रक्रिया है। मानवीय स्वभाव और जीवन में प्रेम, दया, करुणा और सकारात्मक सोच उसके उज्ज्वल पक्ष को उद्घाटित करते हैं तो वहीं यही सुंदर गुण मानव समाज को एक डोर, एक सूत्र में बांधते हैं और समाज को भयमुक्त एवं आपसी सामंजस्य के साथ जीवन जीने की परिस्थितियों का निर्माण करते हैं। मनुष्य ईश्वर की बनाई हुई सर्वश्रेष्ठ कृति है और भगवान को स्वयं मानव जीवन की खुशियों का आनंद लेने के लिए मनुष्य के रूप में अवतरित होना पड़ता है। यदि मानवीय स्वभाव से दयालुता, उदारता, प्रेम, स्नेह, खुशी, आनंद, कृतज्ञता, हंसी-मजाक और निस्वार्थ भावना को रुखसत कर दें तो फिर प्राणीमात्र में बचा ही क्या? सकारात्मकता का भाव और चैतन्यता हमारे भीतर मानवता के प्रति भलाई और दूसरों की पीड़ा के प्रति हमारी सार्थक सोच को उजागर करती है। लिहाजा हमें हमारे भीतर दूसरों के प्रति दोस्तानापन, विनम्रता, शिष्टाचार, भद्रता और दयालुता की भावना को मजबूती से अपनी आदत का हिस्सा बनाना चाहिए। जब भी हम अपने समाज के कुछ लोगों को दूसरों की समस्याओं, परेशानियों के प्रति चिंतित होकर कुछ सकारात्मक करते देखते हैं तो उनके सकारात्मक कृत्यों से हम भी अनुप्रेरित होते हैं और इससे समाज में अपनेपन का एक स्वस्थ संदेश जाता है और यही अच्छाईयां हमारे परिवेश एवं सृष्टि को रहने योग्य सुंदर जगह बनाती हैं। संत गुरु कबीरजी कह भी गए हैं कि-

नमन खमन अरु दीनता, सबका आदर भाव।
कहे कबीर वही बड़ा, जाका बड़ा स्वभाव।।

अर्थात विनम्रता, क्षमाशीलता, दयालुता और सभी का आदर करने का गुण, ये सभी बड़े स्वभाव वालों के आभूषण होते हैं और ऐसे बड़े स्वभाव वाले व्यक्ति ही वास्तव में बड़े होते हैं। वहीं हमें अपने जीवन में आध्यात्मिक पक्ष को और उज्ज्वल बनाने एवं ईश्वरीय प्रेरणा से सामाजिक कार्यों के लिए अपने आपको समर्पित करने की जरूरत भी रहती है। हमें हमेशा मोटिवेट रहते हुए सकारात्मक सोच के साथ जीवन में आगे बढने के लिए कुछ मंत्रों एवं सूत्रों को अपनाने की आवश्यकता रहती है। जीवन में अपनी क्षमता के अनुसार लक्ष्य तय करने, एकाग्रता, मेहनत, लगन, धैर्य, सकारात्मकता, ज्ञान प्राप्ति द्वारा तैयारी करना, हार न मानना और निरंतरता जैसी आदतों को अपनाकर हम कामयाब हो सकते हैं। हमें हमेशा खुश रहना सीखना चाहिए और छोटी-बड़ी खुशियों का जश्न मनाते रहना चाहिए। आपमें से अनेक ने बहुधा इस दोहे का श्रवण किया होगा-

करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत जात ते सिल पर करत निशान॥

इस दोहे का भावार्थ यह है कि निरंतर अभ्यास करने से एक मूर्ख आदमी भी बुद्धिमान बन सकता है। जिस तरह कुएं की मुंडेर पर बार-बार रस्सी के घिसने से उस पर निशान पड़ जाते हैं, ठीक उसी तरह यदि इनसान हिम्मत हारे बिना निरंतर कार्य करने की कोशिश करता रहे तो एक न एक दिन वह अवश्य ही सफल हो जाता है। इसके लिए आवश्यक है कि हम अपने कार्यों में निरंतरता बनाए रखें। नियमित रूप से कार्य करते रहें और निरंतर आगे बढ़ते रहें।

पानी है गर मंजिल तो, सपनों में जान लाईए
बुझे हुए से अपने मन में, नए अरमान लाईये।
पंख लगाकर ऊंचे नभ में पक्षी भी उड़ जाते हैं
बिना पंख के नभ छू लें, ऐसी पहचान लाईये।

जीवन में कई बार परिस्थितिवश रुकावटें आ जाती हैं तो भी हमें धैर्य नहीं खोना चाहिए और अपने लक्ष्य को सामने रखकर अभ्यास में जुटे रहना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि मानव मस्तिष्क जिस बात पर विश्वास करता है, सोचता है और महसूस करता है उसे अपने सामर्थ्य से हासिल भी कर लेता है। इस सृष्टि में कुछ भी असंभव नहीं है, हम वह सब कर सकते हैं जो हम सोच सकते हैं और जो हम सोच सकते हैं उसे हासिल भी कर सकते हैं। इसलिए तमाम अवरोधों को दरकिनार करते हुए हमें सदैव अपने जीवन का श्रृंगार करते हुए इसे उत्सव का स्वरूप प्रदान करना चाहिए। किसी शायर ने क्या खूब लिखा है-
यह जीवन एक उत्सव है मनाकर तो देखो।

कुछ अलग

बिना पंखों की उड़ान

तत्ववेत्ता कहते हैं कि अपने अंदर एक शहर ही नहीं, पूरा ब्रह्मांड खुलता महसूस करो। जब से मुल्क के मसीहाओं ने हमारी नौकरी, रोटी और राहत भरे भविष्य की चिंता छोड़ कर हमें ऐसे तत्व चिंतन से जीवन जीने का संदेश देना शुरू किया है, हमने भी रुख बदल कर पलायन में राहत तलाश शुरू कर दी है। शुरू से सुनते आए थे कि रोटी, रोजी दे न सके, वह सरकार निकम्मी है। जो सरकार निकम्मी है वह सरकार बदलनी है। अब बदलने की तो बात ही न कीजिए। आजकल तो बदलने की बात गुनाह है, जिसे देखो वही उम्र भर का सामना करता नजर आता है। पल की खबर नहीं, इसके बारे में न कोई सोचता है, न कोई महसूस करता है। जो एक बार चुनाव जीत जाता है, उसका सपना अपनी गद्दी पर फैवीकोल हो जाने का हो जाता है। अचानक उसके अंदर समाज से अधिक परिवार का दायित्व जाग जाता है। जब तक जियें अपने लिए गद्दी सुरक्षित रखें, उसके बाद बेटे-बेटियां ही नहीं, नाती-पोते भी तो हमारी जिम्मेदारी है। अपने अंदर जो ब्रह्मांड नेता जी खुलता महसूस करते हैं, वह उनके घर के दालान से ही उन्हें खुलता नजर आता है। उन्हें लगता है कि यह निर्विवाद सत्य है कि गरीब के बेटे को गरीब और मजदूर के बेटे को मजदूर रहना है, इसी प्रकार राजा के बेटे को राजा, और नेता के बेटे को नेता रहना है। अब राजे-रजवाड़े तो रहे नहीं, इसलिए वजीरी के सर्वाहितकार इन घरानों में सुरक्षित रहने चाहिए। हम समाजवाद का जितना चाहे राग अलाप लें, राजाओं के घर कभी रंक पैदा नहीं होते। राजपथ अगर उनकी अभीष्ट सडक़ है, तो इस सडक़ को जाने वाली सत्तावन गलियां उनके राजप्रसादनुमा भव्य भवन से ही शुरू होती हैं। देश की 130 करोड़ जनता के लिए एक बरस का जो बजट सरकार बनाती है, उसके बराबर तो देश के एक प्रतिशत की धन-सम्पदा है। ऐसे लोगों को पीढ़ी दर पीढ़ी प्रणाम करके उनकी शोभायात्रा निकालना ही उस 99 प्रतिशत का परम धर्म है। इसी को इस देश में लोकतंत्र की पहचान कहते हैं। यही वह लोकतंत्र है जिसे इस देश का हर आदमी अपने अंदर पिछली पौन सदी से जीता महसूस कर रहा है। सपनों का एक शहर है जो नेता लोग अपने घोषणापत्रों से, भाषणों से उसके अंदर जिंदा करते हैं। इस शहर में न जाने कितने खुल जा सिम-सिम हैं जो उसके अंदर वोट डालने के दिनों में खुल जाते हैं। चार दिन की चांदनी के रूप में न जाने कितने जादुई चिराग हैं जो मीरे कारवां अपनी शोभायात्राओं से उनके अंदर बांट जाते हैं। लीजिये चार दिन चांदनी के गुजर गए, अब फिर अंधेरी रात पसर गई। अब जितना चाहे 'खुल जा सिम-सिम' कह लो, मंजिल तक ले जाने वाली कोई अंधेरी सुरंग उनके लिए नहीं खुलती। जिंदगी में गढ़ा खजाना मिलने की बात उन्हें कैसे कहें, जो पिछली पौनी सदी में कूड़े के डम्प भी अपनी जिंदगी से हटा नहीं पाए। बल्कि अब तो वह डम्प उनकी जिंदगी के पिछवाड़े से सरकर उनकी ड्योढ़ी तक आ गए। उम्मीद थी कि इन सब दिनों में उनकी जिंदगी में तरक्की के सिंहद्वार खुल जाएंगे, लेकिन यह द्वार किसी भूलभलैया में खो गए और रिश्वतखोरी से लेकर दलाली तक को कानूनसम्मत बनाने की मांग होने लगी। जो रास्ते अगली मंजिलों की ओर जाने चाहिए थे, वे अपने अतीत में किस गरिमा की तलाश करने लगे। देश का इतना गरिमापूर्ण अतीत है जनाब कि आज के सुपरसोनिक जैट विमान हमें अपने अतीत के उडऩखटोले नजर आते हैं, जिनमें देव और दानव समान रूप से विचरण करते थे। आज मौत के हरकारे तुम्हें परमाणु बमों और निर्देशित मिसाइल में नजर आते हैं, लेकिन अतीत के महायुद्धों के वीर योद्धाओं के मंत्र सिद्ध आग्नेय बाणों को कैसे भूल गए? क्या नहीं रहा जो भारत जैसी अतीत धनी इस पुण्य धरा पर नहीं था। आओ क्यों न इसका प्रशस्ति गायन करें।

देश दुनिया से

न्यायिक सुधारों के दीर्घकालीन प्रभावों के यक्ष प्रश्न

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के लागू होने के बाद से देश भर में इन नए कानूनों को लेकर विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। ये नये कानून भारतीय कानूनी प्रणाली के आधुनिकीकरण और सरलीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। ब्रिटिश काल के पुराने कानूनों को बदलकर, ये नए कानून देश की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप हैं और न्याय व्यवस्था में तेजी लाने, लंबित मामलों को जल्दी निपटाने में मदद करेंगे। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में अपराधों की जांच और मुकदमों को तय समय सीमा में निपटाने की व्यवस्था है, जिससे न्याय में देरी नहीं होगी। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए मजबूत प्रावधान किए गए हैं, जिससे सुरक्षा की भावना बढ़ी है और अपराधों पर नियंत्रण की उम्मीद है। इन कानूनों के माध्यम से सरकार कानून का शासन स्थापित करने और कानून व्यवस्था बनाए रखने का संकल्प दोहरा रही है। कई लोग मानते हैं कि ये कानून देश के आर्थिक विकास को बढ़ावा देंगे, क्योंकि ये निवेशकों के लिए एक अनुकूल वातावरण तैयार करेंगे। इन कानूनों में तकनीकी बदलाव किए गए हैं, जैसे इलेक्ट्रॉनिक सबूतों को स्वीकार करना, जो जांच प्रक्रिया को अधिक कुशल और प्रभावी बनाता है। कुछ लोगों का मानना है कि इन नए कानूनों में कई जगह अस्पष्टताएं हैं। मानवाधिकार कार्यकर्ता भी चिंतित हैं कि इन कानूनों का इस्तेमाल मौलिक अधिकारों का हनन करने के लिए किया जा सकता है। कुछ विपक्षी दलों और कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि इन कानूनों को बनाने में पर्याप्त चर्चा और विचार-विमर्श नहीं किया गया है। कुछ का मानना है कि इन कानूनों के तहत सरकार को बहुत अधिक शक्तियां दे दी गई हैं, जिसका दुरुपयोग हो सकता है। कई विपक्षी दल और नागरिक समाज संगठन इन कानूनों को लोकतंत्र के लिए चुनौती मानते हैं, यह चिंता जताते हुए कि ये कानून सरकार को विरोधियों को दबाने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अतिक्रमण का एक उपकरण प्रदान कर सकते हैं। कानूनों में अस्पष्ट और व्यापक शब्दों के प्रयोग से इनके दुरुपयोग का डर है, जैसे कि 'देशद्रोह' के दायरे को लेकर उठे सवाल। विपक्ष का आरोप है कि इन कानूनों को संसद में बिना पर्याप्त चर्चा और बहस के जल्दबाजी में पारित किया गया। उनका कहना है कि ये कानून व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अधिकारों का उल्लंघन करते हैं, विशेषकर गिरफ्तारी और हिरासत से संबंधित प्रावधानों को

लेकर चिंता जताई गई है। कुछ लोगों का मानना है कि ये कानून पुलिस को अधिक शक्तियां देंगे, जिससे नागरिकों का दमन बढ़ सकता है। विद्वानों के अनुसार, ये कानून न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए चुनौती हो सकते हैं। अल्पसंख्यक समुदाय और विपक्षी दलों का आरोप है कि ये कानून विशेष रूप से उनके लिए चिंताजनक स्थितियां उत्पन्न करते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन कानूनों को लागू करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा और मानव संसाधन अभी भी पर्याप्त नहीं हैं। लोग चिंतित हैं कि इन कानूनों का गलत इस्तेमाल हो सकता है और अधिकारों का हनन हो सकता है। कुछ लोग नए कानूनों का स्वागत कर रहे हैं, जबकि कुछ को संदेह है। कई का मानना है कि इन कानूनों के प्रभाव का सही आकलन करने में समय लगेगा। तर्क देते हैं कि ये कानून देश में कानून व्यवस्था को मजबूत करेंगे, अपराधों पर अंकुश लगाएंगे और न्यायपालिका को अधिक प्रभावी बनाएंगे। वकीलों का एक वर्ग इन कानूनों का विरोध कर रहा है क्योंकि उन्हें लगता है कि ये कानून न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर करेंगे। नागरिक समाज के कई संगठन इन कानूनों का विरोध कर रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि ये कानून लोकतंत्र के मूल्यों के खिलाफ हैं। नए कानून में राजद्रोह के दायरे को लेकर कई सवाल उठे हैं। विपक्ष का तर्क है कि यह प्रावधान सरकार के आलोचकों को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। जमानत मिलने के मानदंडों को लेकर भी कई सवाल उठे हैं। पुलिसिया हिरासत के दौरान लोगों के अधिकारों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं व्यक्त की गई हैं। नए कानून में डिजिटल निगरानी के प्रावधानों को लेकर भी चिंताएं व्यक्त की गई हैं। कुछ का मानना है कि ये नए कानून काफी जटिल हैं और आम लोगों को इन्हें समझने में मुश्किल होगी। अदालतें इन कानूनों की व्याख्या कैसे करती हैं, और कानून प्रवर्तन एजेंसियां इन कानूनों को किस तरह से लागू करती हैं, यह भी एक महत्वपूर्ण कारक होगा। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में हुए बदलावों को लेकर जनता की प्रतिक्रियाएं विविध हैं। इन कानूनों के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलू हैं। इन कानूनों के दीर्घकालिक प्रभाव का आकलन करने के लिए अभी और समय की आवश्यकता है। देखना बाकी है कि ये कानून जमीनी स्तर पर कैसे लागू किए जाते हैं और उनका आम नागरिकों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि कानून एक जीवंत दस्तावेज है और समय के साथ इसमें बदलाव होते रहते हैं।

आप का नजरिया

सुक्खू की कलम से दो साल

माहौल में मुफ्त की वर्जनाएं खामोश रहीं, क्योंकि सामने गारंटियों और वादों की इबारत में सरकार के दो साल का सफर था। सफर आगे बढ़ा तो मंच से कदमताल करती योजनाएं प्रफुल्लित-प्रोत्साहित होकर निकलीं और सज धज के समारोह के पंडाल ने हर संभव लुभाने का प्रयास किया। राजीव गांधी स्टार्ट अप की गाड़ी पर सवार रोजगार दिखाई दिया, तो किसान के खेत से मक्की का आटा निकल कर हिमाचल की प्राकृतिक खेती का श्रृंगार कर गया। किसान के घर का दूध अपनी कीमत के नए सफर पर निकला, तो गोबर से बनी खाद को आत्मनिर्भरता के तराजू में तौला गया। सुक्खू सरकार ने अपने रिपोर्ट कार्ड में सुर्खियां बटोरी हैं, तो व्यवस्था परिवर्तन की लौ जला कर आत्मनिर्भरता के रास्तों पर मुस्तैद हुई, लेकिन सियासत के खंभों पर पक्ष और विपक्ष के बीच हिमाचल की अपनी व्यथा का हाल उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री सुना गए। वहां नेता प्रतिपक्ष जयराम के नेतृत्व में विपक्ष ने बिलासपुर के सुखद एहसास का राजभवन पहुंच कर अट्टहास किया। आरोपों के छिलकों पर गिरता माहौल हिमाचल के छलनी कंधों को देख रहा है। ये कंधे घायल हैं, क्योंकि उधार की ठोकरें, केंद्र सरकार की उदासीनता और गारंटियों में वित्तीय व्यवस्था के समझौते कहीं तो दामन में चोट खाए ढोंग कर रहे हैं। कुछ पीड़ाजनक-कुछ लज्जाजनक अध्याय हिमाचल की राजनीति से चस्पां हैं। अतीत की मंशा में कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने के आरोपों से भाजपा बच नहीं सकती, क्योंकि कई घड़े फूटे हैं तेरे आंगन में, तब कहीं जाकर यह घास नम हुई। जाहिर है इस साल के जश्न की मुलाकात में सरकार का सशक्त चेहरा मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू के साहस और उनके एहसास की छाती बुलंद कर रहा है। वह सरकार के निर्णायक पथ पर अपने संबल से योजनाएं लिख रहे हैं और यहां उनके विजन की पेशकश में हिमाचल के भविष्य का मसौदा बन रहा है। योजनाएं किसान के घर से उसके चूल्हे तक, बेरोजगारी से स्वरोजगार के चूल्हे तक, अनाथ बच्चों के पालन पोषण और निराश्रित महिलाओं के स्वाभिमान तक आश्वासन से परिपूर्ण हैं। सरकार ने बड़ी शिद्दत से अपने दो सालों के सफर को पेश किया है, लेकिन अब गोबर सने हाथों से शिमला की फाइलों से फिजूलखर्ची हटानी होगी। प्रदेश की मौजूदा वित्तीय स्थिति से 2032 तक आत्मनिर्भरता के डग भरने का संकल्प नए निवेश, विनिवेश, प्रशासनिक-आर्थिक सुधारों के अलावा सामाजिक व सांस्कृतिक समर्थन से ही पूरा होगा। सरकार चल रही है, लेकिन अलग अंदाज से चलने के लिए नई धूप और नई छांव तैयार करनी होगी। कई घाटे के सार्वजनिक उपक्रमों की छत हिमाचल की धूप-हिमाचल की आभा को रोक रही है। आधे रास्तों पर खड़ी हो रही सरकारी बसें, प्रदेश की आत्मनिर्भरता के सफर पर रोड़े अटका रही हैं, तो असफल विभागीय कौशल को चेतनावस्था में लाना होगा। बहरहाल दो साल के सफर की कहानी का मंचन मुख्यमंत्री की इच्छाशक्ति को घर और घर से बाहर पूर्ण विश्वास के साथ पेश कर रहा है। सरकार ग्रीन राज्य की तस्वीर में पुष्ट होना चाहती है। सरकार पर्यटन राज्य की तासीर में आगे बढ़ना चाहती है।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ के अपने आदेश का बचाव करते हुए कहा–अंत तक लड़ूंगा

सियोल, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक–योल ने मार्शल लॉ के अपने आदेश का बचाव करते हुए कहा कि वे अंत तक लड़ेंगे। यून ने गुरुवार को टेलीविजन संबोधन में कहा कि उनका प्रयास लोकतंत्र का पतन रोकने और विपक्ष की संसदीय तानाशाही का मुकाबला करने के लिए एक कानूनी फैसला था।

उन्होंने पद नहीं छोड़ने का संकेत देते हुए कहा कि वे अंत तक लड़ेंगे, चाहे उनके खिलाफ जांच हो या महाभियोग लाया जाए। उन्होंने कहा कि उनका मार्शल लॉ लागू करने का फैसला लोकतंत्र और संवैधानिक व्यवस्था की रक्षा के लिए था। योल का दावा है कि व्यवस्था को पंगु और संविधान को खतरे में डाल दिया गया। इसी वजह से मार्शल लॉ जैसा कदम उठाना पड़ा। उनका आदेश शासन का एक ऐसा कार्य था, जिसकी जांच नहीं की जा सकती और यह विद्रोह के बराबर नहीं है।

योल का बयान विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के नए महाभियोग प्रस्ताव पेश किए जाने के कुछ घंटे पहले आया है। विपक्षी पार्टी नए महाभियोग प्रस्ताव को शनिवार को सदन में मतदान के लिए रखने की योजना बना रही है। इससे पहले योल के खिलाफ महाभियोग लगाने का पहला प्रयास पिछले शनिवार को विफल हो गया था क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी के सांसदों ने नेशनल असेंबली में मतदान का बहिष्कार किया।

उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह मंगलवार और बुधवार के मध्य यून सुक–योल ने देश में मार्शल लॉ लागू कर दिया था। हालांकि, मार्शल लॉ सिर्फ छह घंटों तक ही लागू रहा, क्योंकि नेशनल असेंबली (संसद) में मतदान कराया गया और राष्ट्रपति के आदेश को पलट दिया गया।

न्यूज ब्रीफ

एफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे ने की पद छोड़ने की घोषणा, ट्रम्प ने कहा- अमेरिका के लिए ये अच्छा दिन

वॉशिंगटन। एफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे ने पद छोड़ने की घोषणा करते हुए कहा है कि वे बाइडन का कार्यकाल खत्म होने के बाद जनवरी में अपना पद छोड़ देंगे। क्रिस्टोफर रे की यह घोषणा नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की उस घोषणा के एक सप्ताह के बाद आया है, जिसमें ट्रम्प ने काश पटेल को एफबीआई का नया निदेशक बनाने का एलान किया था। बुधवार को एफबीआई मुख्यालय में आयोजित बैठक में क्रिस्टोफर ने पद छोड़ने की घोषणा करते हुए कहा कि पद छोड़ने का निर्णय उनके लिए आसान नहीं था। मुझे इस जगह से प्यार है और मुझे अपने काम से भी प्यार है लेकिन मेरा फोकस हमेशा इस बात पर रहा है कि एफबीआई के लिए क्या सही है। रे के इस्तीफे की घोषणा के तुरंत बाद ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर पोस्ट साझा करते हुए इसे अमेरिका के लिए एक अच्छा दिन बताया और कहा कि इससे अमेरिका के अन्याय विभाग का शस्त्रीकरण बंद होगा। उन्होंने कहा कि अब हम सभी अमेरिकियों के लिए कानून का शासन बहाल करेंगे। ट्रम्प ने कहा कि रे के नेतृत्व में एफबीआई ने बिना किसी कारण के मेरे घर पर अवैध रूप से छापा मारा और मुझ पर अवैध रूप से महाभियोग चलाने व मुझे दोषी ठहराने का काम किया। उल्लेखनीय है कि एफबीआई निदेशक के रूप में क्रिस्टोफर रे के दस साल के कार्यकाल में तीन साल का समय अभी और बचा है। ट्रम्प ने जब काश पटेल को एफबीआई का नया निदेशक बनाने की घोषणा की थी, उसी समय से इस बात की संभावना थी कि क्रिस्टोफर समय से पहले इस्तीफा दे सकते हैं। हालांकि माना जा रहा था कि ट्रम्प के शपथ लेने के बाद वे अपने पद से इस्तीफा देंगे।

लड़की ने शातिर दिमाग का इस्तेमाल कर 311 मर्दों को ठगा

मेड्रिड। हाल ही में स्पेन से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जहां एक 26 साल की लड़की ने शातिर दिमाग का इस्तेमाल करते हुए 311 मर्दों को ठगा। स्पैनिश पुलिस ने इस लड़की को गिरफ्तार किया है, जो पिछले 8 महीने से इस अपराध में लिप्त थी। लड़की ने बिना किसी गैंग के, अकेले ही ठगी का कारोबार चलाया। उसने एक साधारण स्मार्टफोन और फोटो मोंटाज ऐप का इस्तेमाल करके लड़कों को बेवकूफ बनाया। पुलिस की जांच में सामने आया कि इस लड़की ने करीब 15 लाख रुपये ठग लिए थे। यह रकम उसने सिर्फ धमकी देकर और ब्लैकमेल करके जुटाई थी। पुलिस के मुताबिक, इस लड़की का तरीका बेहद शातिर था। वह एक एआई बॉडी इमेज तैयार करती थी, जिसमें वह आपत्तिजनक स्थिति में दिखाई देती थी। फिर वह लड़कों को धमकी देती थी कि वह यह फोटो पब्लिक करेंगे या उनके परिवार के पास भेज देंगे।

लंदन में भी सड़कों पर उतरे किसान ट्रैक्टर टॉली लेकर किया प्रदर्शन

लंदन। भारत की तरह लंदन में भी किसान अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे हुए हैं। ट्रैक्टर टॉली को लेकर प्रदर्शकर रहे किसानों ने सड़कों पर जाम लगा दिया है। लंदन की चमचमाती और शनदार स्ट्रीट वाली सड़कों पर अचानक ट्रैक्टर ट्रॉली दौड़ने लगी, तो आसपास के लोग हैरान रह गए। किसान कृषि परिवारों को 'विरासत कर' (इनहेरिटेंस टैक्स) में शामिल करने का विरोध कर रहे थे। सरकार के इस कदम को ट्रैक्टर टैक्स बना दिया है। बता दें कि इससे पहले नवंबर में वेस्टमिंस्टर में 13,000 से अधिक किसान सड़कों पर जमा हो गए थे, इनके साथ ब्रिटेन के सबसे हाई प्रोफाइल किसान जेरेमी क्लार्कसन भी शामिल थे। बुधवार को सेंट्रल लंदन की सड़कों पर किसान अपने ट्रैक्टर लेकर पहुंच गए, रास्तों को बंद कर दिया, सरकार के किसान परिवार को इनहेरिटेंस टैक्स में शामिल करने का विरोध करवाया है। किसान इस टैक्स से छूट की मांग कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि इससे पारिवारिक खेत नष्ट हो जाएंगे। खाद्य उत्पादन कम हो जाएगा। इंग्लैड की सरकार को अपने फैसले को वापस लेने के लिए बुधवार को किसानों ने संसद भवन मार्ग को ट्रैक्टरों को ब्लॉक कर था। अपने बड़े स्केल पर विरोध किसान सरकार को झुकाना चाह रहे हैं। लंदन के एक किसान गैरेथ वेन जोन्स ने एक टीवी चैनल से बात करते हुए कहा, यह हमारे कृषि ताबूत में अंतिम कील है। संसद के बाहर किसान तख्तियों के साथ प्रदर्शनकारी किसान खड़े थे।

विद्रोहियों ने असद के अब्बा की कब्र में लगा दी आग, लोगों को वतन लौटने को कहा

दमिश्क, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

सीरिया में बशर-अल-असद की सत्ता जाने के बाद भी विद्रोहियों की नफरत कम नहीं हुई है। विद्रोहियों ने बुधवार को बशर-अल-असद के अब्बा हाफिज-अल-असद की कब्र को आग लगा दी। इसकी तस्वीरें भी वायरल कीं, जिनमें विद्रोही उनकी धधकती ताबूत के पास खड़े नजर आ रहे हैं। यह कब्र पश्चिमी सीरियाई प्रांत लताकिया में बनाई गई थी। असद के पिता और सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति हाफिज-अल-असद की 2000 में मौत हो गई थी। इसके बाद उन्हें उनकी इच्छा के मुताबिक, उनके पैतृक गांव करदाहा में दफनाया गया था। ब्रिटेन स्थित युद्ध मॉनिटर ने बताया कि मकबरे का ज्यादातर हिस्सा जल गया है।

उधर, सीरिया के शहरों में हालात सामान्य हो रहे हैं। राजधानी दमिश्क में दुकानें और बाजार धीरे–धीरे खुल रहे हैं। सबसे ज्यादा खौफ के साये में ईसाई लोग हैं। क्योंकि अब तक वे बशर–अल–असद के संरक्षण में थे। लेकिन विद्रोही उनसे भी नफरत करते हैं। एक ईसाई नेता ने कहा, विद्रोहियों के एक नेता ने हमसे संपर्क किया।

हमने नया सीरिया बनाने के लिए उन्हें मदद करने का भरोसा दिया है। लेकिन इसका ये मतलब नहीं कि हम पूरी तरह सुरक्षित हैं। फादर विंसेंट ने कहा, विद्रोहियों की ओर से अच्छे संकेत मिले हैं। कुछ लोग हमारे ग्रुप को रोटी बांटते भी देखे गए।

विद्रोही तेजी से पूरे देश में अपने पांव पसार रहे हैं। एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें विद्रोही आर्मी के इलाके में घूमते नजर आ रहे हैं। सीरिया के विभिन्न भागों पर विद्रोहियों का नियंत्रण है।

काबुल में आत्मघाती हमला, मंत्री हक्कानी सहित 12 लोगों की मौत

काबुल। काबुल में बीते रोज बड़ा आत्मघाती हमला हुआ, इसमें तालिबान सरकार के रिफ्यूजी मिनिस्टर खलील उर–रहमान हक्कानी सहित 12 लोगों की मौत हो गई। हमला मंत्रालय के अंदर हुआ। तीन साल पहले काबुल की सत्ता पर कब्जा करने वाले तालिबान के लिए यह गहरी चोट है। क्योंकि पहली बार सरकार के किसी बड़े नेता को निशाना बनाया गया है। सबसे खास बात, खलील हक्कानी तालिबान सरकार के गृहमंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी के चाचा थे। सिराजुद्दीन को तालिबान की रीढ़ बताया जाता है। इस हमले की जिम्मेदारी अभी तक किसी संगठन ने नहीं ली है। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक्स पर पोस्ट किया, हक्कानी की मौत बहुत बड़ी क्षति है। वे एक योद्धा थे, जिन्होंने अपना जीवन इस्लाम की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। इस्लामिक स्टेट से जुड़ा एक आतंकी संगठन तालिबान को अपना दुश्मन मानता है। वह लगातार पूरे अफगानिस्तान में हमले कर रहा है। सितंबर की शुरुआत में उसके आत्मघाती हमलावर ने दक्षिण–पश्चिमी काबुल में छह लोगों को बम से उड़ा दिया था और 13 लोगों को घायल कर दिया था। काबुल में आत्मघाती हमले पहले की तुलना में कम हुए हैं, लेकिन अब शिया मुस्लिम अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है।पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई और मंत्री के भतीजे अनस ने संवेदना व्यक्त की तो पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने इस घटना की निंदा करते हुए इसे आतंकवादी हमला बताया। डार ने कहा, पाकिस्तान आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा करता है।

ट्रंप चुनाव जीते और मस्क हुए मालामाल, 400 बिलियन डॉलर की संपत्ति अर्जित कर रचा इतिहास

वॉशिंगटन, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के मालिक इन दिनों चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में अपना पैसा पानी की तरह बहाया था। अब उनकी संपत्ति को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, मस्क 400 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति तक पहुंचने वाले इतिहास के पहले व्यक्ति बन गए हैं। हाल ही में हुए इनसाइडर शेयर बिक्री और हाल के अमेरिकी चुनाव परिणामों के बाद यह उपलब्धि हासिल हुई है।

इंडेक्स के अनुसार, उनकी कंपनी स्पेसएक्स के आंतरिक शेयर बिक्री से बिजनेस दिग्गज की कुल संपत्ति में लगभग 50 बिलियन डॉलर की वृद्धि हुई, जिससे उनकी कुल संपत्ति 439.2 बिलियन डॉलर हो गई। साल 2022 के अंत में, मस्क की कुल संपत्ति में 200 बिलियन डॉलर से अधिक की कमी देखी गई थी, हालांकि पिछले महीने जब डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति चुने गए, तो मस्क ने भारी लाभ देखा, जो आने वाले प्रशासन के सबसे प्रभावशाली दाताओं और सहयोगियों में से एक था।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, मई में जब से उन्होंने इसके लिए फंड जुटाना शुरू किया है, तब से उनकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी का मूल्य दोगुना हो गया है, जो 50 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। जो आंशिक रूप से ट्रंप की जीत से प्रेरित है। बुधवार को, स्पेसएक्स और उसके निवेशकों ने एक सौदा किया, जिसमें कर्मचारियों और कंपनी के अंदरूनी लोगों से 1.25 बिलियन डॉलर के शेयर खरीदे गए, जिससे निजी तौर पर आयोजित कंपनी का मूल्य 350 बिलियन डॉलर हो गया। यह सौदा स्पेसएक्स को दुनिया का सबसे मूल्यवान निजी स्टार्टअप बनाता है। रिपोर्ट की माने तो चुनाव से पहले से टेस्ला इंक के शेयरों में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बाजारों को यह अनुमान है कि डोनाल्ड ट्रंप स्वचालित कारों के रोलआउट को सुव्यवस्थित करेंगे और टेस्ला के प्रतिद्वंद्वियों की मदद करने वाले इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए कर क्रेडिट को समाप्त कर देंगे। गौरतलब है कि एलन मस्क नवगठित सरकारी डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी के सह–प्रमुख के रूप में नामित होने के बाद, नव–निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

विरोध प्रदर्शन

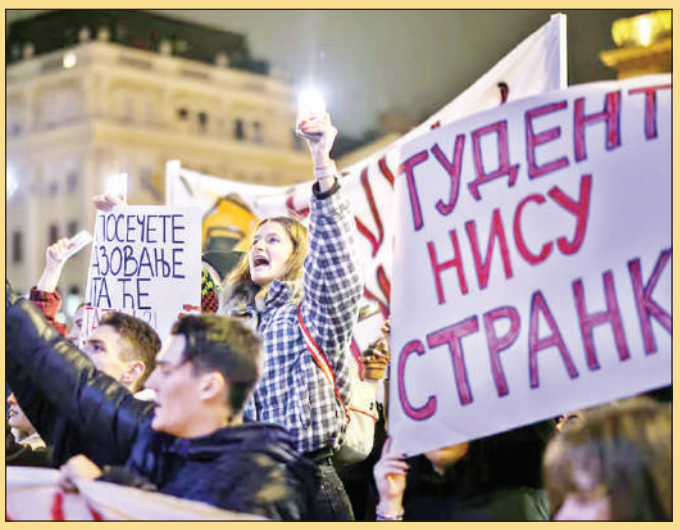

सर्बिया में राष्ट्रपति एलेकजेंडर वूसिक की पत्रकार वार्ता के दौरान विरोध प्रदर्शन करते हुए छात्र।

ट्रंप की नागरिकता नीति ने भारतवंशियों के लिए बढ़ाई मुश्किले, विरोध में सड़क पर उतरेंगे लोग

वॉशिंगटन, 11 दिसंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के अगले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यदि अपनी योजना में सफल होते हैं तो अमेरिका में जन्म के आधार पर नागरिकता पाने वाले इन भारतवंशियों के लिए यह किसी आपदा से कम नहीं होगी। हालांकि इस निर्णय के विरोध में भारतवंशी सड़क पर उतरेंगे और विरोध करेंगे। ट्रंप ने कहा है कि राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद वह जन्म के आधार पर मिलने वाले अमेरिकी नागरिकता के संवैधानिक प्रावधान को समाप्त कर देंगे। एक आंकड़े के मुताबिक, अमेरिका में जन्म के आधार पर नागरिकता पाने पाने वाले 16 लाख है। हालांकि, ट्रंप ने यह नहीं बताया कि उनके इस बदलाव से प्रभावित होने वाले लोग कहां जाएंगे जानकारी के अनुसार, अमेरिका में 16 लाख ऐसे भारतवंशी हैं, जिन्होंने जन्म के आधार पर अमेरिका की नागरिकता हासिल की है। अब सवाल उठता है कि यदि ट्रंप अपने ऐलान पर अडिग रहते हैं तो वहां रहने वाले लाखों भारतवंशी अमेरिकी नागरिकों का क्या होगा ट्रंप ने हालांकि अभी यह नहीं बताया है कि यदि वह जन्म के आधार पर नागरिकता के प्रावधान को समाप्त किया जाता है तो उसके लागू करने की अवधि क्या होगी। क्या इसमें ऐसे सभी नागरिकों को शामिल किया जाएगा या फिर बदलाव के बाद की तिथि से या बदलाव वाली तिथि से यह लागू होगी। बहरहाल, विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप के लिए इस फैसले को लागू करना कतई आसान काम नहीं होगा। इसके चलते कई तरह की बाधाओं को पार करना होगा। अमेरिका के संविधान में तकरीबन 150 साल पहले महत्वपूर्ण संशोधन किया गया था। इसके जरिये जन्म के आधार पर अमेरिकी नागरिकता पाने की व्यवस्था की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य उन लोगों को नागरिकता प्रदान करना था, जो दशकों पहले यहां आए थे और उनके बच्चे यहीं पैदा हुए।

नेपाल ने विवादित चीनी धर्मगुरु पंचेन लामा की यात्रा की अनुमति रद्द की

काठमांडू, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

चीन की तरफ से दलाई लामा के उत्तराधिकारी के रूप में घोषित पंचेन लामा की शुक्रवार को होने वाली नेपाल यात्रा की अनुमति रद्द कर दी गई है। चीन समर्थित पंचेन लामा के नेपाल आने की जानकारी लीक होने के बाद काठमांडू के कई राजनयिक ने इसका विरोध किया था। बीजिंग, पंचेन लामा को दलाई लामा का उत्तराधिकारी घोषित करना चाहता है।

लेकिन अमेरिका, यूरोप सहित अन्य पश्चिमी देशों के साथ–साथ निर्वासन में रहे तिब्बती शरणार्थी चीन की कोशिशों का कड़ा विरोध कर रहे हैं।

लुंबिनी में आयोजित बुद्धिज़्म कांफ्रेंस में शामिल होने के लिए शुक्रवार को पंचेन लामा के चार्टर्ड विमान से चीन के छंगदू होते हुए काठमांडू आने की योजना थी। बताया जा रहा था कि छंगदू से सीधे भैरहवा अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल पर आने के लिए चीनी दूतावास द्वारा नेपाल के विदेश मंत्रालय और नागरिक उड्डयन मंत्रालय में अर्जी दी गयी थी। पंचेन लामा के नेपाल आने को लेकर दबाव के बीच सरकार ने उनकी यात्रा की अनुमति को रद्द करने का निर्णय लिया है।

बुधवार को पंचेन लामा के नेपाल आने की खबर विभिन्न मीडिया में आने के बाद से ही नेपाल के विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय पर यह दबाव बनाया जा रहा था कि लामा के नेपाल भ्रमण से कई देशों के साथ संबंध पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। विदेश मंत्रालय के सचिव अमृत राई ने बताया कि पंचेन लामा के नेपाल भ्रमण को लेकर उनके पास कोई जानकारी नहीं थी इसलिए उन्होंने पत्र लिख कर इस मामले में गृह मंत्रालय और पर्यटन तथा संस्कृति मंत्रालय से जवाब तलब किया है।

हालांकि गृह मंत्री रमेश लेखक ने इस बारे में अनभिज्ञता जाहिर की। उन्होंने कहा कि वो पिछले कई दिनों से काठमांडू से बाहर हैं और उनकी जानकारी में पंचेन लामा के नेपाल भ्रमण की अनुमति देने को लेकर कोई जानकारी नहीं है। लेकिन जानकारों का कहना है कि बिना गृह मंत्रालय के अनुमति के उनकी यात्रा का तय होना असंभव है। इमिग्रेशन विभाग ही उनकी यात्रा की अनुमति देता है जो कि गृह मंत्रालय के अंतर्गत आता है।

इस कार्यक्रम के आयोजक लुंबिनी विकास कोष के उपाध्यक्ष ल्हारक्यार लामा ने इसके लिए सीधे प्रधानमंत्री को जिम्मेदार ठहराया है। उनका दावा है कि प्रधानमंत्री की अनुमति के बाद ही यह कार्यक्रम तय किया गया और विवादित चीनी धर्मगुरू के कार्यक्रम में शिरकत करने की जानकारी भी पीएम की तरफ से ही उन्हें दी गई थी। उन्होंने आज पत्रकारों को बुलाकर कहा कि शायद अब पंचेन लामा की यात्रा न हो पाए क्योंकि उनकी यात्रा के लिए गृह मंत्रालय की तरफ से जो अनुमति दी गई थी उसे रद्द कर दिया गया है।

लुंबिनी विकास कोष के अध्यक्ष और पर्यटन मंत्री बद्री पांडे इस कार्यक्रम की तैयारी के लिए लुंबिनी में ही मौजूद हैं। पंचेन लामा के आगमन को देखते हुए लुंबिनी में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई। गुरुवार को पर्यटन मंत्री ने बताया कि शायद अब विवादित धर्मगुरू इस कार्यक्रम में शिरकत नहीं करेंगे। नागरिक उड्डयन मंत्री का भी कार्यभार संभाल रहे बद्री पांडे ने बताया कि चीन के बीजिंग से लुंबिनी तक आने वाले विमान अवतरण की इजाजत को रद्द कर दिया गया है।

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने ब्रिसबेन ओलंपिक की सीईओ सिंडी हुक से की मुलाकात

ब्रिसबेन, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

क्रिकेट वर्ष 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों में अपनी वापसी करने के लिए तैयार है। यह 128 वर्षों के अंतराल के बाद खेल की ओलंपिक में वापसी का प्रतीक है। क्रिकेट आखिरी बार 1900 पेरिस ओलंपिक में शामिल हुआ था, जहाँ ग्रेट ब्रिटेन ने फाइनल में फ्रांस को हराकर स्वर्ण पदक जीता था।

आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने गुरुवार को ब्रिस्बेन 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की आयोजन की सीईओ सिंडी हुक से मुलाकात की।

जय शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, ओलंपिक आंदोलन में क्रिकेट की भागीदारी के लिए बहुत ही रोमांचक समय है - आज ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में ब्रिसबेन 2032 ओलंपिक आयोजन समिति के साथ बैठक हुई।

क्रिकेट को 2028 ओलंपिक में शामिल करने का फैसला पिछले साल अक्टूबर में मुंबई में आयोजित 141वें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति सत्र के दौरान लिया गया था। प्रतियोगिता का प्रारूप टी-20 होगा, जो खेल का एक तेज़-तर्रार और लोकप्रिय संस्करण है, जिसके वैश्विक दर्शकों को आकर्षित करने की उम्मीद है।

पिछले साल हांग्जो में एशियाई खेलों में क्रिकेट की सफल वापसी के बाद ओलंपिक में क्रिकेट को फिर से शामिल किया गया है। एशियाई खेलों में पुरुष और महिला दोनों टीमों के लिए एक बहु-राष्ट्र टी20 टूर्नामेंट शामिल था। भारत ने इस आयोजन पर अपना दबदबा बनाया और दोनों श्रेणियों में स्वर्ण पदक हासिल किए।

पुरुषों के टूर्नामेंट में, अफगानिस्तान और बांग्लादेश ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते, जबकि महिलाओं के टूर्नामेंट में, श्रीलंका और बांग्लादेश ने रजत और कांस्य पदक जीते। 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करना खेल के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो इसके उत्साह और व्यापक अपील को प्रदर्शित करने के लिए एक वैश्विक मंच प्रदान करता है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर क्रिकेट के विकास के लिए नई उत्सुकता और तैयारियाँ नया उत्साह और अवसर लाने के लिए तैयार हैं।

न्यूज ब्रीफ

ट्रांसजेंडर महिलाओं को ब्रिटेन के कई घरेलू टेनिस टूर्नामेंटों में महिला वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने से रोका गया

लंदन। लॉन टेनिस एसोसिएशन (एलटीए) ने बुधवार को घोषणा की कि जन्म के समय पुरुष माने जाने वाली ट्रांसजेंडर महिला नॉन-बाइनरी व्यक्तियों को अगले महीने से ब्रिटेन में कई घरेलू टेनिस टूर्नामेंटों की महिला श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करने से रोक दिया जाएगा। ब्रिटिश टेनिस की शासी संस्था ने एक नई ट्रांसजेंडर और नॉन-बाइनरी नीति जारी की और कहा कि उसे प्रतिस्पर्धी निष्पक्षता और समावेश के बीच संतुलन बनाना होगा। ये नियम ब्रिटेन में आयोजित विंबलडन या एटीपी और डब्ल्यूटीए जैसे टूर्नामेंटों पर लागू नहीं होते क्योंकि एलटीए उन प्रतियोगिताओं का प्रभारी नहीं है। घरेलू पैडल को इसमें शामिल किया गया है, लेकिन ब्रिटेन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम इसमें शामिल नहीं हैं। एलटीए ने एक बयान में कहा, यह स्पष्ट है कि टेनिस और पैडल लिंग-प्रभावित खेल हैं - औसत पुरुष को औसत महिला के खिलाफ खेलते समय लाभ होता है। इसमें गेंद तक पहुँचने और उसे मारने के लिए लंबे लीवर शामिल हैं और बढ़ी हुई कार्डियो-वैस्कुलर क्षमता का मतलब है कि कोर्ट में अधिक आसानी से घूम पाना। एलटीए ने कहा कि इस बात पर व्यापक सहमति थी कि यह लाभ ट्रांस महिलाओं में काफी हद तक बरकरार रहने की संभावना है, जिससे प्रतिस्पर्धा संभावित रूप से अनुचित हो जाएगी। यह नीति 25 जनवरी को लागू होगी और राष्ट्रीय चैंपियनशिप से लेकर स्थानीय स्तर तक, विभिन्न क्लबों और स्थानों के खिलाड़ियों को शामिल करने वाली लीग और टूर्नामेंट पर लागू होगी। केवल एक स्थान के खिलाड़ियों के साथ आयोजित होने वाले कार्यक्रम, जैसे क्लब चैंपियनशिप और सामाजिक टूर्नामेंट, अपनी खुद की नीति निर्धारित करने में सक्षम होंगे क्योंकि इसका उद्देश्य मुख्य रूप से लोगों को अपने स्थानीय टेनिस समुदाय का हिस्सा महसूस करने में सक्षम बनाने के लिए मजेदार, सामाजिक प्रतिस्पर्धा प्रदान करना है।

पाकिस्तान के खिलाफ बचे दो टी-20 और वनडे श्रृंखला से बाहर हुए एनरिक नॉर्टजे

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज एनरिक नोर्टजे पाकिस्तान के खिलाफ बाकी बचे दो टी20 और उसके बाद होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। 31 वर्षीय नॉर्टजे को शुरुआती मैच से बाहर बैठना पड़ा क्योंकि मैच से पहले ट्रेनिंग के दौरान उनके बाएं पैर के अंगूठे में चोट लग गई थी। इसके बाद किए गए स्कैन से पता चला कि गेंदबाज के बाएं पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर हुआ है। ऑलराउंडर दयान गलीम को नॉर्टजे की जगह टीम में शामिल किया गया है। इस अनकैप्ड पेसर ने अब तक अपने 60 मैचों के टी20 करियर में 46 विकेट चटकाए हैं। इस बीच, नॉर्टजे इस साल जून में आईसीसी टी20 विश्व कप फाइनल के बाद से दक्षिण अफ्रीका के लिए नहीं खेले हैं, जहाँ वे 15 विकेट लेकर अपने देश के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। कार्यभार प्रबंधन के कारण उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के साथ राष्ट्रीय अनुबंध से भी बाहर होने का विकल्प चुना है। दक्षिण अफ्रीका के लिए चोटिल गेंदबाजों की लंबी सूची में नॉर्टजे पांचवें स्थान पर हैं। गेराल्ड कोएट्जी कमर की चोट के कारण बाहर हैं जबकि नांद्रे बर्गर पीठ के निचले हिस्से में तनाव फ्रैक्चर के कारण बाहर हैं। लुंगी एन्गिडी को कूल्हे में चोट लगी है जबकि श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद बाहर हुए वियान मुल्डर की उंगली टूट गई है।

विजय हजारे ट्रॉफी 2024/25 : तमिलनाडु के कप्तान बने साई किशोर, जगदीशन होंगे उप-कप्तान

नई दिल्ली। तमिलनाडु ने गुरुवार को विजय हजारे ट्रॉफी 2024/25 के लिए अपनी टीम की घोषणा की, जिसमें साई किशोर टीम के कप्तान होंगे और एन जगदीशन उप कप्तान होंगे। विजय हजारे ट्रॉफी के विस्तार के बाद से तमिलनाडु सबसे सफल टीम है, जिसने इसे पांच बार जीता है। पिछले संस्करण में तमिलनाडु की टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थी, जहां उसे अंतिम चैंपियन हरियाणा से हार का सामना करना पड़ा था। विजय हजारे ट्रॉफी 2024/25 के लिए तमिलनाडु की टीम इस प्रकार है- साई किशोर आर (कप्तान), एन जगदीशन (उप-कप्तान), इंद्रजीत बी, आंद्रे सिद्धार्थ सी, बूपति वैष्ण कुमार, तुषार रहेजा, शाहरुख खान एम, मोहम्मद अली एस, संदीप वारियर, दीपेश डी, अच्युत सी वी, प्रणव राघवेंद्र आर डी, अजित राम एस, वरुण सी वी, विजय शंकर, प्रदोष रंजन पॉल।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुर्तगाल के फीफा विश्व कप 2030 की सह-मेजबानी करने पर कहा-एक सपना सच हुआ

नई दिल्ली, 12 दिसंबर(एजेंसियां)।

दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुर्तगाल द्वारा फीफा विश्व कप 2030 की सह-मेजबानी करने पर कहा कि यह एक सपने के सच होने जैसा लगता है।

2030 विश्व कप इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का 100वां संस्करण होगा और इसकी मेजबानी मोरक्को, पुर्तगाल और स्पेन मिलकर करेंगे।

इस बीच, बुधवार को फीफा ने भी पुष्टि की कि 2034 विश्व कप की मेजबानी सऊदी अरब करेगा।

रोनाल्डो ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा कि यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट देश को गौरवान्वित करेगा।

रोनाल्डो ने एक्स पर लिखा, एक सपना सच हुआ। पुर्तगाल 2030 विश्व कप की मेजबानी करेगा और हमें साथ मिलकर गौरवान्वित करेगा।

बुधवार को वर्चुअल फीफा कांग्रेस के दौरान दोनों बोलियों को निर्विरोध और मंजूरी दी गई। इसके साथ ही, अर्जेंटीना और उसके दक्षिण अमेरिकी पड़ोसी देश पैराग्वे और उरुग्वे विश्व कप की शताब्दी मनाने के लिए एक-एक मैच की मेजबानी करेंगे। उरुग्वे ने 1930 में पहला विश्व कप आयोजित किया था।

फीफा ने एक्स पर लिखा, फीफा विश्व कप के अगले दो संस्करणों के लिए मेजबानों का परिचय! 2030 में मोरक्को, पुर्तगाल और स्पेन मेजबानी करेंगे, अर्जेंटीना, पैराग्वे और उरुग्वे में शताब्दी मैच होंगे। चार साल बाद, सऊदी अरब फीफा विश्व कप 2034 की मेजबानी करेगा।

इन तीन मैचों में से पहला मैच उरुग्वे के एस्टाडियो सेंटेनारियो में खेला जाएगा, जहां से यह सब शुरू हुआ था, फीफा कांग्रेस के दौरान मौजूद देशों ने अपने कैमरों के सामने ताली बजाकर अपना वोट दिया।

पिछले साल, सऊदी अरब 2034 विश्व कप के लिए एकमात्र बोलीदाता के रूप में उभरा, जिसमें फीफा ने 2030 और 2034 टूर्नामेंटों के निर्णयों को एक ही वोट में मिलाने का फैसला किया।

आधिकारिक घोषणा के बाद, सऊदी अरब पहली बार टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा, जो खेल की दुनिया में उनके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। सऊदी अरब की बोली को फीफा की बोली मूल्यांकन टीम द्वारा उच्चतम स्कोर, 5 में से 4.2 प्राप्त हुआ।

2034 विश्व कप पहली बार विस्तारित 48-टीम टूर्नामेंट को केवल एक देश में आयोजित किया जाएगा। 48-टीम टूर्नामेंट की मेजबानी पहली बार 2026 विश्व कप में तीन देशों, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको द्वारा की जाएगी। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने फीफा कांग्रेस के समापन से पहले मेजबान देशों को बधाई दी।

ओडिशा एफसी पर जीत से पूरी होगी ईस्ट बंगाल एफसी की हैट्रिक

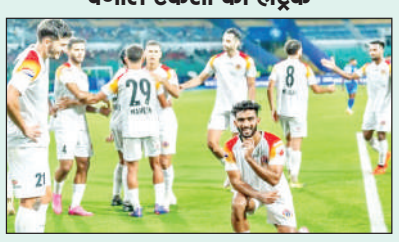

कोलकाता। ईस्ट बंगाल एफसी और ओडिशा एफसी गुरुवार शाम विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन (वीवाईबीके) में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में आमने-सामने होंगी, तो रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड का इरादा लगातार तीसरी क्लीन शीट हासिल करते हुए जीत की हैट्रिक लगाना होगा। दिलचस्प बात यह है कि रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड को इस सीजन में पिछली हार अक्टूबर में ओडिशा के हाथों 1-2 से मिली थी। ओडिशा एफसी 11 मैचों में चार जीत, 4 ड्रा और तीन हार से 16 अंक लेकर तालिका में पांचवें स्थान पर हैं। ईस्ट बंगाल एफसी नौ मैचों में दो जीत, एक ड्रा और छह हार से सात अंक लेकर तालिका में 11वें स्थान पर है। उसने क्लीन शीट रखते हुए अपने पिछले लगातार दो मैच जीते हैं और वो इस लय को खोना नहीं चाहेंगी। ईस्ट बंगाल के पास आईएसएल में जीत की हैट्रिक लगाने का मौका होगा, जिसे हेड कोच ऑस्कर ब्रुजोन की रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड पाना चाहेगी। उन्होंने अपने पिछले दो घरेलू मैचों में क्लीन शीट हासिल करके रक्षात्मक अनुशासन दिखाया है। ओडिशा ने आईएसएल 2024-25 के दौरान हर 43 मिनट में गोल किया है, जो इस सभी टीमों में सबसे तेज है। अब तक उनके 23 गोल किसी भी सीजन में 11 मैचों के बाद सबसे ज्यादा हैं। ओडिशा ने छह अवे मैचों में लगातार गोल खाए थे, लेकिन उन्होंने अपने पिछले मैच में हैदराबाद एफसी को 6-0 को रौंदकर यह सिलसिला तोड़ा था। ईस्ट बंगाल एफसी के स्पेनिश हेड कोच ऑस्कर ब्रुजोन ने रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड के प्रदर्शन को सराहा, लेकिन कहा कि उन्हें इस सीजन में लंबा रास्ता तय करना है।

रॉयल एनफील्ड के आइस हॉकी कोच प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन, 13 कोचों को किया गया प्रशिक्षित

गुरुग्राम, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

रॉयल एनफील्ड ने अपनी सामाजिक मिशन योजना के तहत हिमालयी क्षेत्र में आइस हॉकी के विकास के उद्देश्य से 8 दिसंबर को गुरुग्राम के आईस्केट में आइस हॉकी कोच प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत की थी, जिसका आज समापन हुआ। इस शिविर के तहत लद्दाख के 19 और हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति क्षेत्रों के 13 कोचों को प्रशिक्षित किया गया।

ये प्रशिक्षित कोच सामुदायिक लीडर्स के रूप में 2025 रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग, लद्दाख और स्पीति कप के लिए 500 से अधिक खिलाड़ियों को खोजने और प्रशिक्षित करने का काम करेंगे।

यह पहल रॉयल एनफील्ड द्वारा दिसंबर 2023 में स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के सहयोग से जारी की गई 'द गेमचेंजर' नामक आइस हॉकी विकास की ब्लूप्रिंट के तहत की गई है। यह ब्लूप्रिंट भारतीय आइस हॉकी टीम को 2042 शीतकालीन ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम बनाने के लिए एक कार्य योजना प्रदान करता है। शिविर के महत्व को आइस हॉकी के विकास की एक नींव के रूप में रेखांकित करते हुए, आयशर ग्रुप फाउंडेशन (रॉयल एनफील्ड की सीएसआर शाखा) की कार्यकारी निदेशक बिदिशा डे ने कहा, आइस हॉकी लद्दाख में सर्दियों के कठोर महीनों के दौरान सबसे लोकप्रिय खेल के रूप में सामुदायिक भावना को प्रेरित करता है और व्यापक रुचि उत्पन्न करता है। यह हिमाचल प्रदेश में भी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। यह शिविर एक रणनीतिक हस्तक्षेप है जो इन कोचों को अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुसार सामुदायिक खिलाड़ियों को गुणवत्ता प्रशिक्षण देने में सक्षम बनाकर गुणात्मक प्रभाव डालेगा।

डैरिल ईसन द्वारा तैयार और संचालित यह शिविर 2024/25 आइस हॉकी सीज़न का शुभारंभ करता है। डैरिल 35 वर्षों के अपने विविध अनुभव के साथ यूनाइटेड किंगडम और हंगरी जैसी राष्ट्रीय आइस हॉकी टीमों को प्रशिक्षित कर चुके हैं। उन्होंने इंटरनेशनल आइस हॉकी फेडरेशन के साथ अपनी भूमिका के दौरान खेल के विकास की दिशा में भी काम किया है।

विश्व एक्वेटिक चैम्पियनशिप

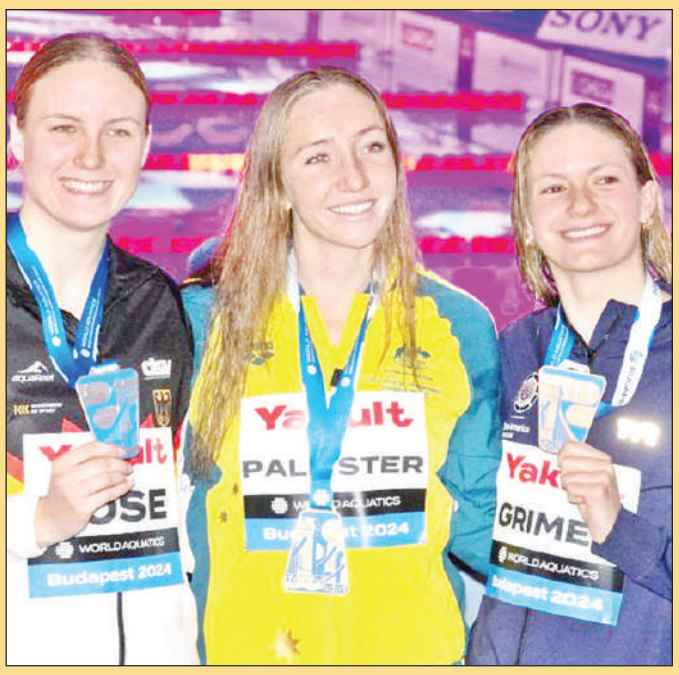

बुडापेस्ट में विश्व एक्वेटिक चैम्पियनशिप में अवार्ड समारोह में पोज देती हुई स्वर्ण विजेता लेनी पैलिस्टर , रजत विजेता इसाबेल गोस और कांस्य विजेता जर्मनी की कैटी ग्रिम्स।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में धीमी ओवर गति के कारण भारतीय महिला क्रिकेट टीम पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली, 12 दिसंबर(एजेंसियां)।

रविवार को ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी महिला चैंपियनशिप सीरीज के दूसरे वनडे में धीमी ओवर गति के लिए भारत पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। मैच रेफरी डेविड गिल्बर्ट ने यह जुर्माना तब लगाया जब समय सीमा को ध्यान में रखते हुए भारत को निर्धारित लक्ष्य से दो ओवर कम फेंकने का दोषी पाया गया।

खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर उनके द्वारा निर्धारित समय में गेंदबाजी नहीं करने पर प्रत्येक ओवर के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपराध के लिए दोषी होने की बात मान ली और प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं थी।

ऑन-फील्ड अंपायर क्लेयर पोलोसाक और डोनोवन कोच, तीसरे अंपायर जैकलीन विलियम्स और चौथे अंपायर डेविड टेलर ने आरोप लगाए।

बता दें कि ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में 3-0 से शकस्त दी।

बिहार सरकार ने मोइन-उल-हक स्टेडियम बीसीए को किया हस्तांतरित, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का रास्ता साफ

पटना, 12 दिसंबर(एजेंसियां)।

बिहार सरकार ने मंगलवार को मोइन-उल-हक स्टेडियम के लिए भूमि की रजिस्ट्री बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) को 30 साल की लंबी अवधि के पट्टे पर हस्तांतरित कर दी। पटना में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की मेजबानी और राज्य के क्रिकेटरों को अत्याधुनिक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम प्रदान करने के लिए बिहार सरकार और बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) द्वारा उठाया गया यह एक बड़ा कदम है।

इसके अलावा सरकार ने पूर्व में घोषित लगभग 37 करोड़ रुपये की भूमि रजिस्ट्री फीस माफ कर दी।

रजिस्ट्री दस्तावेजों पर बिहार सरकार की ओर से खेल विभाग के निदेशक महेंद्र कुमार और बीसीए की ओर से अध्यक्ष राकेश तिवारी ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर खेल विभाग के उप निदेशक संजय कुमार, पटना जिला खेल पदाधिकारी ओम प्रकाश, बीसीए सचिव जियाउल आफरीन, जीएम एडमिन नीरज राठौर समेत कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। भूमि रजिस्ट्री प्रक्रिया पूरी होने के बाद बीसीए अध्यक्ष राकेश कुमार तिवारी ने घोषणा की कि नए साल में खरमास समाप्त होने के बाद स्टेडियम निर्माण शिलान्यास समारोह की तिथि घोषित की जाएगी और जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू होगा।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए राकेश तिवारी ने कहा, बिहार सरकार ने अपनी जिम्मेदारी पूरी कर दी है। अब बिहार क्रिकेट एसोसिएशन को अपना काम शुरू करना है। बीसीए निर्माण में तेजी लाकर दो से तीन साल के अंदर बिहार के लोगों को विश्वस्तरीय स्टेडियम उपलब्ध कराएगा, जहां वे अंतरराष्ट्रीय मैचों का लुत्फ उठा सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि 6 नवंबर को एक भव्य समारोह के दौरान बिहार सरकार और बीसीए के बीच मोइन-उल-हक स्टेडियम को क्रिकेट संस्था को सौंपने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा भी शामिल हुए थे।

मोइन-उल-हक स्टेडियम को अब अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्टेडियम और खेल परिसर के रूप में विकसित किया जाएगा।

स्टेडियम में 40,000 दर्शकों के बैठने की क्षमता होगी, साथ ही 76 कॉरपोरेट बॉक्स और 250 वीआईपी के लिए व्यवस्था होगी। इसके अतिरिक्त, खेल परिसर में बैडमिंटन कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, स्विमिंग पूल, एक पांच सितारा होटल, खिलाड़ियों के लिए एक पूरी तरह सुसज्जित छात्रावास, रेस्तरां, एक क्लब हाउस और अन्य आधुनिक सुविधाएं होंगी।

सोना 80 हजार के करीब पहुंचा, चांदी की घटी चमक

नई दिल्ली,12 दिसंबर (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने का भाव 80 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक पहुंचता नजर आ रहा है। सोना 800 रुपये से लेकर 870 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई है।

भाव में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 79,620 रुपये से लेकर 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये से लेकर 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

चांदी के भाव में गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत घट कर 95,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 79,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 79,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,520 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 79,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी भाव में तेजी आने से सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

अदाणी ग्रीन एनर्जी की शाखा ने 250 मेगावाट की सौर परियोजना की शुरू अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता 11,434 मेगावाट तक बढ़ गई

नई दिल्ली। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एएजीएल) की शाखा ने राजस्थान के जोधपुर जिले में बड़ा कदम उठाया है, जब उन्होंने 250 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना को चालू करने का ऐलान किया। इस परियोजना के चालू होने के साथ एएजीएल की कुल अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता 11,434 मेगावाट तक बढ़ गई है। यह स्थानीय जनता और पर्यावरण के लिए एक सकारात्मक कदम है, क्योंकि यह प्रदूषण मुक्त ऊर्जा के प्रदर्शन को बढ़ावा देगा। एएजीएल के एक प्रतिनिधि ने बताया कि राजस्थान के जोधपुर में यह परियोजना आमजन के लिए भी एक उत्कृष्ट संदेश है, क्योंकि यह सहयोगी ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करते हुए स्वच्छता और सामर्थ्य की ओर बढ़ावा देगा। यह परियोजना अदाणी ग्रीन एनर्जी लि. (एएजीएल) की संगीनी के साथ एक उत्कृष्ट पार्टनरशिप का एक और उदाहरण है। इस सीड में नई सौर ऊर्जा परियोजना के शुरू होने से सामाजिक और आर्थिक विकास में गुणवत्ता और स्थायित्व का अंबर मौजूद हो सकता है। यह परियोजना एक साफ भविष्य की ओर कदम बढ़ाती है, जो मित्र शासकीय और उद्यमिता संगठनों के बीच एक मिलन से मिलकर आधुनिक समाज और पर्यावरण के लिए एक उत्कृष्ट उदाहरण साबित हो सकता है।

एफटीए की वार्ता को एक-दूसरे की संवेदनशीलता समझने राजनीतिक दिशा जरूरी

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ में मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) की वार्ता को एक दूसरे की संवेदनशीलताओं को समझने के लिए राजनीतिक दिशा की आवश्यकता है, इस बारे में व्यापारिक मंत्रियों ने आधिकारिक बयान दिया। व्यापार एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि हमारा लक्ष्य एक संतुलित, महत्वाकांक्षी और पारस्परिक लाभकारी एफटीए है। उन्होंने इसे एक सार्थक समझौते तक पहुंचाने के लिए राजनीतिक दिशा की महत्वता बताई। मंत्री ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौते से भारत को अपनी वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि भारत की अर्थव्यवस्था को वृद्धि के मार्ग पर ले जाने के लिए इस समझौते का महत्वपूर्ण योगदान होगा। इस समझौते से भारत को अपने बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि करने के लिए विश्व के प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ संतुलित समझौते करने की कोशिश की जा रही है। यह समझौता भारत के लिए एक नया प्रेरणा स्रोत है जो आने वाली वर्षों में उसकी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद करेगा ।

एनआईए ने यात्रियों के लिए इलेक्ट्रिक टैक्सी सेवा शुरू की, टैक्सी सेवा चौबीस घंटे और हर सप्ताह के सात दिन उपलब्ध रहेगी

मुंबई। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनआईए) ने अपने यात्रियों के लिए एक नया सुविधा शुरू की है, जो उन्हें अब प्रीमियम और पूर्णतः इलेक्ट्रिक टैक्सियों की सेवा प्राप्त करने का अवसर देती है। इसके लिए एनआईए ने महिंद्रा लॉजिस्टिक्स मोबिलिटी के साथ साझेदारी की है। यह सेवा चौबीस घंटे और हर सप्ताह के सात दिन उपलब्ध रहेगी, जिसमें यात्रियों को प्रीमियम पिक-अप और ड्रॉप-ऑफ की सुविधा मिलेगी। यात्री इन सेवाओं को मोबाइल एप्लिकेशन, वेबसाइट, कॉल सेंटर या एयरपोर्ट कियोस्क के माध्यम से बुक कर सकेंगे। हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने इस साझेदारी के महत्व को बताते हुए कहा कि हमने यह साझेदारी महिंद्रा लॉजिस्टिक्स मोबिलिटी के साथ की है ताकि हम अपने यात्रियों को बेहतर सेवा प्रदान कर सकें और उन्हें दूरदराज के लिए सुरक्षित और पर्यावरण-की दृष्टि से उपयोगी साधन प्रदान कर सके। यह पहल एनआईए के यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने का एक उत्कृष्ट कदम है, जिससे सड़कों पर जल ऊर्जा का उपयोग कम होगा और वायु प्रदूषण का स्तर भी कम होगा। इस साझेदारी से यात्रियों को सुरक्षित, तेजी से और पर्यावरण हितैषी तरीके से अपने गंतव्य तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एक देश एक...

आयोग का कहना था कि 2014 में लोकसभा चुनावों का खर्च और उसके बाद हुए विधानसभा चुनावों का खर्च लगभग समान रहा है। वहीं, साथ-साथ चुनाव होने पर यह खर्च 50:50 के अनुपात में बंट जाएगा। सरकार को सौंपी अपनी ड्राफ्ट रिपोर्ट में विधि आयोग का कहना था कि साल 1967 के बाद एक साथ चुनाव कराने की प्रक्रिया बाधित हो गई। आयोग का कहना था कि आजादी के शुरुआती सालों में देश में एक पार्टी का राज था और क्षेत्रीय दल कमजोर थे। धीरे-धीरे अन्य दल मजबूत हुए कई राज्यों की सत्ता में आए। वहीं, संविधान की धारा 356 के प्रयोग ने भी एक साथ चुनाव कराने की प्रक्रिया को बाधित किया। अब देश की राजनीति में बदलाव आ चुका है। कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों की संख्या काफी बढ़ी है। वहीं, कई राज्यों में इनकी सरकार भी है।

कोविंद समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि एक साथ चुनाव की सिफारिशें को दो चरणों में कार्यान्वित किया जाएगा। पहले चरण में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ आयोजित किए जाएंगे। दूसरे चरण में आम चुनावों के 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव (पंचायत और नगर पालिका) किए जाएगे। इसके तहत सभी चुनावों के लिए समान मतदाता सूची तैयार की जाएगी। इसके लिए पूरे देश में विस्तृत चर्चा शुरू की जाएगी। वहीं एक कार्यान्वयन समूह का भी गठन किया जाएगा। कोविंद समिति ने अपनी सिफारिश में 1051 से 1967 तक देश में एक साथ हुए लोकसभा और विधानसभा चुनावों का भी हवाला दिया है। 1999 में विधि आयोग की 170वीं रिपोर्ट में पांच वर्षों में एक लोकसभा और सभी विधानसभाओं के लिए चुनाव का सुझाव दिया गया। 2015 में संसदीय समिति की 79वीं रिपोर्ट में दो चरणों में एक साथ चुनाव कराने के तरीके सुझाए गए। रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने राजनीतिक दलों और विशेषज्ञों सहित विभिन्न हितधारकों से व्यापक परामर्श किया। देश में एक साथ चुनाव कराने के लिए व्यापक समर्थन है।आजादी के बाद देश में पहली बार 1951-52 में चुनाव हुए। तब लोकसभा के साथ ही सभी राज्यों की विधानसभा के चुनाव भी हुए थे। इसके बाद 1957, 1962 और 1967 में भी एक साथ लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराए गए। 1968-69 के बाद यह सिलसिला टूट गया, क्योंकि कुछ विधानसभाएं विभिन्न कारणों से भंग कर दी गई थीं।एक राष्ट्र एक चुनाव पर सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज एके सीकरी ने कहा था, एक राष्ट्र-एक चुनाव नई धारणा नहीं है। आजाद भारत के पहले चार आम चुनाव ऐसे ही हुए थे। एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रक्रिया में बदलाव 1960 से तब शुरू हुआ जब गैर कांग्रेस पार्टियों ने राज्य स्तर पर सरकार बनाना शुरू किया। इसमें यूपी, बंगाल, पंजाब, हरियाणा शामिल थे। इसके बाद 1969 में कांग्रेस का बंटवारा और 1971 युद्ध के बाद मध्यावधि चुनाव हुए और इसके बाद विधानसभा चुनावों की तारीखें कभी आम चुनाव से नहीं मिलीं और अलग-अलग चुनाव शुरू हो गया। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और पूर्व अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल पराग पी. त्रिपाठी ने कहा था, चुनाव लोकतंत्र से जुड़े हैं और लोकतंत्र शासन का जरिया है। एक राष्ट्र-एक चुनाव की धारणा 1952 से 1967 तक चली। राज्यों की संप्रभुता और पहचान अलग-अलग चुनाव से मजबूत हुई। देश के अर्ध एवं सहकारी संघवाद के लिए यह एक बेहतर विकल्प है।

यक्ष प्रश्न : कैस...

कार्यकाल घटाया जाए, ऐसा भी हो सकता है कि जिन राज्यों का समय पूरा नहीं हुआ है, वे खुद विधानसभा भंग कर आम चुनाव के साथ ही विधानसभा चुनाव कराने का अनुमोदन कर दें। इसके लिए राष्ट्रपति अनुच्छेद 356 के जरिए विधानसभा भंग कर सकता है या खुद संबंधित राज्यों की सरकारें ऐसा करने के लिए कह सकती हैं।

चुनाव आयोग ने कई बार कहा है कि वह एक साथ लोकसभा और विधानसभा चुनावों को करा सकता है। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार के मुताबिक, एक ही समय में संसदीय और राज्य विधानसभा चुनाव कराने का विषय चुनाव आयोग के दायरे में नहीं आता है। लेकिन अगर संसद यह फैसला लेती है तो चुनाव आयोग एक साथ चुनाव कराने की जिम्मेदारी संभाल सकता है।

धार्मिक स्थलों ...

देश भर में मस्जिद और दरगाह सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर सर्वेक्षण करने के लिए लगभग 18 मुकदमे दायर किए गए हैं, जिसके बारे में मुस्लिम पक्षों ने दावा किया है कि यह कानून के प्रावधानों की अवहेलना है।

जामा मस्जिद को ...

दस्तावेज दाखिल नहीं किया था, जिसमें जामा मस्जिद को तत्कालीन प्रधानमंत्री के शासन के दौरान संरक्षित इमारत करार देने से इनकार कर दिया गया था।

दरअसल, सुहैल अहमद खान ने मार्च, 2018 में एक याचिका दायर करके कहा था कि जामा मस्जिद के आसपास के पार्कों पर अवैध कब्जा है और अतिक्रमण किया गया है। हाईकोर्ट उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें जामा मस्जिद को संरक्षित इमारत घोषित करने और उसके आसपास का अतिक्रमण हटाने का आदेश देने की मांग की गई है। सुनवाई के दौरान एए-सआई की ओर से कहा गया था कि तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने शाही इमाम को आश्वस्त किया था कि जामा मस्जिद को संरक्षित इमारत घोषित नहीं किया जाएगा। एएसआई ने कहा था कि जामा मस्जिद केंद्र सरकार की ओर से संरक्षित इमारत नहीं है, इसलिए वो एएसआई के अधिकार क्षेत्र के तहत नहीं आता है। एएसआई ने हाई कोर्ट में दाखिल अपने हलफनामे में कहा था कि 2004 में जामा मस्जिद को संरक्षित इमारत घोषित करने का मामला उठा था। हालांकि, तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 20 अक्टूबर 2004 को शाही इमाम को लिखे अपने पत्र में कहा था कि जामा मस्जिद को केंद्र सरकार संरक्षित इमारत घोषित नहीं करेगी।

रेलवे का नहीं...

अश्विनी वैष्णव ने उन सभी दावों को खारिज कर दिया जिनमें इस संशोधन से रेलवे के निजीकरण की बात कही गई थी। उन्होंने विपक्ष पर इस मुद्दे को लेकर फर्जी कहानी गढ़ने का आरोप लगाया और कहा कि संशोधन का उद्देश्य सिर्फ भारतीय रेलवे में ऑपरेशनल क्षमता को सुधारना है।अपने भाषण में रेल मंत्री ने कहा, संविधान को लेकर विपक्ष का फेक-नैरेटिव पहले ही असफल हो चुका है और अब इस नई फर्जी कहानी गढ़ने से भी कुछ नहीं होगा। उन्होंने विपक्ष से जनता को भ्रमित न करने की अपील की और रेलवे सेक्टर के लक्ष्यों को बेहतर बनाने के लिए एकता बनाए रखने की अपील की।रेल मंत्री ने कहा कि रेलवे (संशोधन) बिल-2024 का उद्देश्य रेलवे बोर्ड को अधिक स्वायत्तता और ऑपरे-शनल लचीलापन प्रदान करके भारतीय रेलवे के भीतर शासन और निर्णय लेने की क्षमता देने का है। पिछले एक सप्ताह से लोकसभा में बिल को लेकर लगातार उठने वाले सवालों के चलते बिल पर होने वाली बहस में देरी हुई। विपक्षी नेताओं ने चिंता जाहिर की थी कि इस संशोधन से रेलवे के निजीकरण का रास्ता बन सकता है। ऐसा होने से आम नागरिकों के लिए रेलवे सेवा पहुंच से बाहर हो जाएगी। इस पर अश्विनी वैष्णव ने कहा, कुछ सदस्यों ने कहा है कि इस नए रेलवे बिल के आने से रेलवे के निजीकरण के मौका बढ़ जाएगा, लेकिन यह पूरी तरह से निराधार बात है।

एनआरसी के...

के लिए अपनी व्यवस्था को मजबूत करना चाहती है। उन्होंने कहा, हमें अपनी व्यवस्था को और मजबूत बनाने की जरूरत है, इसलिए आधार कार्ड प्रक्रिया को कड़ा किया गया है। अब से राज्य सरकार का सामान्य प्रशासन विभाग आधार कार्ड आवेदनकर्ताओं की सत्यापन प्रक्रिया का मुख्य जिम्मेदार होगा। हर जिले में एक अतिरिक्त जिला आयुक्त को इस कार्य के लिए नियुक्त किया जाएगा।

सीएम सरमा ने बताया कि आधार आवेदन के बाद यूआईडीएआई इसे राज्य सरकार के पास सत्यापन के लिए भेजेगा। इसके बाद स्थानीय सर्किल अधिकारी यह जांच करेंगे कि आवेदक या उनके परिवार ने एनआरसी में आवेदन किया था या नहीं। अगर एनआरसी में आ-वेदन नहीं किया गया होगा, तो आधार कार्ड का आवेदन तुरंत निरस्त कर दिया जाएगा और इस बारे में रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजी जाएगी। अगर यह पाया जाता है कि एनआरसी में आवेदन किया गया था, तो सर्किल अधिकारी मामले की जांच करने के लिए क्षेत्रीय स्तर पर सत्यापन करेंगे। सत्यापन के बाद अगर अधिकारी पूरी तरह से संतुष्ट होते हैं, तो आधार कार्ड जारी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि यह नया निर्देश केंद्र सरकार के कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा, जो अन्य राज्यों में काम कर रहे हैं और जिन्होंने एनआरसी में आवेदन नहीं किया है। सरमा ने कहा, इस तरीके से हम आधार कार्ड जारी क रने की प्रक्रिया को और कड़ा करेंगे ताकि कोई भी संदिग्ध व्यकित यह पहचान पत्र हासिल न कर सके। असम में 31 अगस्त 2019 को अंतिम एनआरसी सूची जारी की गई थी, जिसमें 19,06,657 आवेदनकर्ताओं को बाहर किया गया था। कुल 3,11,21,004 नामों को शामिल किया गया था, जबकि 3,30,27,661 लोगों ने एनआरसी में आवेदन किया था।

धनखड़ के...

गौरतलब है कि विपक्षी सांसद ने उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। जिस पर बुधवार को प्रतिक्रिया देते हुए संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्षी सांसदों पर निशाना साधा और कहा कि विपक्षी सांसद सदन में रहने के योग्य नहीं हैं। रिजिजू ने कहा कि यदि आप कुर्सी का सम्मान नहीं कर सकते हैं तो आपको इस सदन का सदस्य होने का कोई अधिकार नहीं है। विपक्षी इंडी गठबंधन के साठ सांसदों ने मंगलवार को धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। इस प्रस्ताव में विपक्ष ने धनखड़ पर उच्च सदन के अध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका में बेहद पक्षपातपूर्ण होने का आरोप लगाया।संसद सदस्यों को व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से कुछ विशेषाधिकार दिए जाते हैं ताकि वे अपने कर्तव्यों का ठीक से पालन कर सकें। लेकिन अगर कोई भी सदस्य इन विशेषाधिकारों या अधिकारों की अवहेलना करता है या उनका दुरुपयोग करता है, तो इसे विशेषाधिकार का उल्लंघन माना जाता है और संसदीय कानूनों के तहत दंडनीय माना जाता है। यह प्रस्ताव लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों के सदस्यों के लिए लागू है और अगर किसी सदस्य को लगता है कि किसी अन्य सदस्य ने इनका उल्लंघन किया है, तो वे आरोपी सदस्य के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव ला सकते हैं।

कांग्रेस को...

उसकी ही नहीं बल्कि किसी भी राजनीतिक दल की तरफ से उठने वाले सारे सवालों का तर्कों और तथ्यों के साथ जवाब देकर उनके संदेह को दूर करने तथा संतुष्ट करने की कोशिश करता चला आ रहा है।

अब सर्वोच्च न्यायालय तक ने ईवीएम की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठाने वाली याचिका को यह कहकर खारिज कर दिया है कि जब आप जीतते हो तो ईवीएम ठीक और हारते हो तो वह दोषी। वह इसके लिए फटकार लगा चुका है कि ऐसा रवैया ठीक नहीं है। महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले इसी वर्ष लोकसभा के भी चुनाव हुए हैं, जिसमें कांग्रेस ने पिछले चुनावों से बेहतर प्रदर्शन किया था। हरियाणा के साथ जम्मू-कश्मीर और महाराष्ट्र के साथ झारखंड विधानसभा के भी चुनाव हुए। इनमें जम्मू-कश्मीर और झारखंड में कांग्रेस गठबंधन की ही सरकार बनी है, बावजूद इसके अगर कांग्रेस ईवीएम और चुनाव आयोग की नीयत पर प्रश्न खड़ा करती है तो फिर उसके तर्क जमीन पर टिकते नहीं दिखते।

कांग्रेस इस सवाल का अब तक संतोषजनक जवाब नहीं दे पाई है कि अगर भाजपा ईवीएम के जरिये ही चुनाव जीत रही है तो उसने जम्मू-कश्मीर और झारखंड विधानसभा का चुनाव जीतकर भी इन दोनों राज्यों में अपनी सरकारें क्यों नहीं बना लीं? उप चुनाव में पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस विधानसभा के सभी छह सीटों का उपचुनाव जीत गई। यहां तक कि आम चुनाव में भाजपा को मिली मदारीहाट सीट भी तृणमूल कांग्रेस ने जीत ली। भाजपा ने जान-बूझकर रणनीति के तहत जम्मू-कश्मीर और झारखंड विधानसभा चुनाव हारा ताकि किसी को ईवीएम मशीनों के दुरुपयोग के आरोपों पर भरोसा न हो, ऐसे तर्क देने वालों की बुद्धि पर तरस ही खाया जा सकता है।

अगर कांग्रेस के इन आरोपों को सही मान भी लिया जाए कि महाराष्ट्र और हरियाणा में भाजपा की सरकार होने के कारण उसे प्रशासनिक मशीनरी के दुरुपयोग की सुविधा थी जो दूसरी जगह नहीं थी, तब कांग्रेस को बताना चाहिए कि भाजपा हिमाचल और कर्नाटक क्यों हार गई थी? कांग्रेस चाहे जो आरोप लगा रही है, वे तर्कों की कसौटी पर नहीं टिकते। हारने पर संवैधानिक व्यवस्था पर प्रहार और आंदोलन की बात कांग्रेस की इसी प्रवृत्ति का प्रमाण है। यह उसकी न सुधरने वाली आदत बन गई है। इतिहास में ढेरों ऐसे उदाहरण भरे पड़े हैं जब कांग्रेस ने संवैधानिक संस्थाओं को नीचा दिखाने की कोशिश की और इनके निर्देशों और आदेशों को मानने से इन्कार कर दिया। आपातकाल कांग्रेस की इसी तरह की मानसिकता का एक निकृष्टतम उदाहरण है। 1971 की बात है। बड़े समाजवादी नेता राजनारायण ने इंदिरा गांधी के खिलाफ रायबरेली से लोकसभा का चुनाव लड़ा। राजनारायण चुनाव हार गए। उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में इंदिरा गांधी के निर्वाचन को याचिका के जरिए चुनौती दी, उन्होंने इंदिरा गांधी पर सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर चुनाव जीतने का आरोप लगाया। इसी बीच, देश में इंदिरा गांधी के शासन की नीतियों के विरुद्ध छिड़ा आंदोलन लगातार जोर पकड़ता जा रहा था।

राजनारायण की याचिका पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 12 जून 1975 को फैसला सुनाते हुए इंदिरा गांधी को सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल कर धांधली से चुनाव जीतने का दोषी माना।न्यायालय ने इंदिरा गांधी का निर्वाचन रद्द कर दिया और उन्हें 6 साल तक चुनाव लड़ने के अयोग्य भी घोषित कर दिया। पर, इंदिरा गांधी ने न्यायालय का फैसला स्वीकार करने के बजाय देश में आपातकाल लगाकर लगभग संपूर्ण विपक्ष को जेल में डाल दिया।

यही नहीं, इंदिरा गांधी ने संविधान को अंगूठा दिखाते हुए लोकसभा का एक-एक वर्ष कर दो बार कार्यकाल भी बढ़ा लिया। इस तरह 1971 में गठित लोकसभा का कार्यकाल 7 वर्ष का रहा। मजेदार बात यह है कि भाजपा पर तमाम आरोप लगाने वाली कांग्रेस ने आपातकाल के दौरान एक तरह से विपक्ष विहीन लोकसभा और राज्यसभा का मनमाने तरीके से इस्तेमाल किया। कांग्रेस ने इंदिरा गांधी के विरुद्ध फैसला देने वाले इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की वरिष्ठता की अनदेखी करके उन्हें देश का मुख्य न्यायाधीश नहीं बनने दिया था।

इस प्रसंग को याद दिलाने का उद्देश्य सिर्फ यह है कि किसी संवैधानिक संस्था और व्यवस्था पर आरोप लगाने से पहले कांग्रेस को उन्हें तथ्यों और तर्कों की कसौटी पर भी कस लेना चाहिए और अपने साथियों और पार्टी के भीतर से उठने वाली आवाजों को भी सुन लेना चाहिए। आरोप लगाने से पहले उसे महाराष्ट्र को लेकर उस कथित आंतरिक सर्वेक्षण के तथ्यों का विश्लेषण कर लेना चाहिए जो अब सार्वजनिक हो रहे हैं, जिनका कांग्रेस की तरफ से अभी तक कोई खंडन भी नहीं किया गया है, जिनके अनुसार कांग्रेस को ही नहीं महाविकास अघाड़ी के सभी प्रमुख नेताओं को बता दिया गया था कि लोकसभा चुनाव में मिला समर्थन तेजी से गिर रहा है।मुस्लिम वोटों के अलावा शेष सभी वर्गों का वोट उससे दूर जा रहा है। आरोप लगाने से पहले कांग्रेस को अपनी सहयोगी पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की नेता सुप्रिया सुले और अपनी ही पार्टी के नेता पूर्व मंत्री पी. चिदंबरम तथा उनके पुत्र कार्ति चिदंबरम की बातों को भी सुन लेना चाहिए, जिनमें ये ईवीएम मशीनों में हेराफेरी के तर्क से सहमत नहीं दिखते। यही नहीं, इंडी गठबंधन के अन्य कई घटक दलों की तरफ से इस मुद्दे पर कांग्रेस के साथ खड़े होने में संकोच दिखाया गया है। कांग्रेस के लिए यह आत्ममंथन का प्रश्न होना चाहिए पर, उससे इसकी ज्यादा उम्मीद नहीं है। सारी दिक्कत सोच और मानसिकता की है। नेहरू-गांधी परिवार आज नहीं, शुरू से ही राजशाही मानसिकता से काम करता रहा है। इंदिरा गांधी ने अपनी गलतियों को स्वीकार करने के बजाय पार्टी का विभाजन करा दिया। इस परिवार के मन-मस्तिष्क से यह सोच शायद आज भी नहीं निकल पा रही है कि वे सर्वश्रेष्ठ हैं। उन्हें तो चुनाव जीतना ही चाहिए।अगर कांग्रेस हारी है तो गलती उनकी नहीं बल्कि दूसरों की है। इसीलिए कांग्रेस की तरफ से पराजय के वास्तविक कारणों को समझकर उसमें सुधार करने के बजाय हार का सारा ठीकरा चुनाव आयोग और ईवीएम मशीनों पर फोड़ सड़क पर उतरने और चुनाव आयोग के खिलाफ आंदोलन का ऐलान हो रहा है, जिससे नेहरू परिवार विशेषतौर से राहुल गांधी की क्षमता पर कोई सवाल न उठे। पर, इससे कांग्रेस का कोई भला नहीं होने वाला। उलटे वह अपने सहयोगियों का भरोसा और बचा-खुचा समर्थन भी खो देगी। लाल का तर्क सही है। ईवीएम और चुनाव आयोग पर कांग्रेस के हमलों से जिस तरह उसके सहयोगियों ने दूरी बनानी शुरू की है उसने उमर अब्दुल्ला से लेकर हेमंत सोरेन तक को केंद्र से मधुर रिश्तों की बात करने को मजबूर कर दिया है।

ममता बनर्जी को इंडी गठबंधन का नेता बनाना और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाने की मांग तकनीकी और व्यावहारिक रूप से भले ही अभी जमीन पर उतरती न दिख रही हो लेकिन तृणमूल कांग्रेस की तरफ से जिस तरह कांग्रेस व राहुल गांधी पर निशाना साधा गया है, वह यह बताने को पर्याप्त है कि कांग्रेस की अतीतजीवी मानसिकता और राहुल गांधी के नेतृत्व को लेकर उसके सहयोगी भी अब ऊब रहे हैं। इस बार चुनाव आयोग पर निशाना साधने के पीछे सारा जतन राहुल गांधी की अक्षमता और असफलता पर परदा डालने का ही दिख रहा है। राहुल की अगुआई में एक के बाद एक 89 चुनाव हार चुकी कांग्रेस अगर चुनाव आयोग पर निशाना साधकर यह सोच रही है कि जनता उसके तर्कों को मान लेगी तो वह गलतफहमी में है। उलटे कांग्रेस के बेतुके तर्कों और हर हाल में खुद को जीतता हुआ दिखाने की जिद से जनता के मन में कांग्रेस को लेकर यह भाव आने लगा है कि इस पार्टी की लोकतंत्र और लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर ही नहीं, जनता के निर्णय पर भी आस्था नहीं रही है।

लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटें घटने और कांग्रेस के हिस्से में 99 सीटें आने पर कांग्रेस में दंभ आ गया था। कांग्रेस को लग रहा था कि अब यह जारी रहेगा। हरियाणा, जम्मू-कश्मीर से लेकर महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा के चुनाव तो औपचारिकता मात्र हैं। उसने आदत के मुताबिक इस तथ्य पर विचार ही नहीं किया कि महाराष्ट्र में उसके गठबंधन को मिले वोटों का अंतर भाजपा गठबंधन से बहुत ज्यादा नहीं है। वह आत्मविश्वास में डूबी रही। उधर, भाजपा ने लोकसभा चुनाव नतीजों से सबक लिया और अपनी कमियों को पहचान कर उन्हें दूर किया, पर अतिआत्मविश्वास में डूबे कांग्रेस नेतृत्व ने हरियाणा से लेकर महाराष्ट्र तक अपने खास चेहरों को ही महत्व दिया। इससे कांग्रेस के भीतर ही क्षोभ बढ़ा।

हरियाणा चुनाव के बाद कांग्रेस के ईवीएम की बैटरी कमजोर होने जैसे आरोपों का आयोग की तरफ से जिस तरह 1600 पन्नों की विस्तृत जांच रिपोर्ट में ब्योरेवार जवाब दिया जा चुका है, इसके बाद भी कांग्रेस यदि यह सोच रही है कि वह आयोग के खिलाफ आंदोलन करके लोगों का भरोसा हासिल कर लेगी तो वह भ्रम में है। देश को अपनी पैतृक संपत्ति मानने का भ्रम पाल चुकी कांग्रेस के परिवार से गलतियों से कुछ सीख लेने की उम्मीद करना बेकार है।

नए साल में कब-कब हैं एकादशी?

सनातन धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व है। यह तिथि भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इस दिन भगवान विष्णु संग मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। साथ ही एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। इसके साथ ही पृथ्वी लोक पर स्वर्ग समान सुखों की प्राप्ति होती है। अतः साधक श्रद्धा भाव से एकादशी का व्रत रखते हैं। वैष्णव समाज के लोग एकादशी का पर्व उत्सव की तरह मनाते हैं। अगर आप भी एकादशी का व्रत रखते हैं, तो साल 2025 में पड़ने वाली एकादशी व्रत की सही डेट नोट अवश्य कर लें।

साल 2025 में पड़ने वाली एकादशी की तिथियां

10 जनवरी को पौष पुत्रदा एकादशी है। यह पर्व हर वर्ष पौष माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के अगले दिन मनाया जाता है।

25 जनवरी को षटतिला एकादशी है। यह पर्व हर वर्ष माघ माह के कृष्ण पक्ष की द्वादशी तिथि के एक दिन पहले मनाया जाता है।

08 फरवरी को जया एकादशी है। यह पर्व हर वर्ष माघ माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि के एक दिन पहले मनाया जाता है।

24 फरवरी को विजया एकादशी है। यह पर्व हर वर्ष फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है।

10 मार्च को आमलकी एकादशी है। यह पर्व हर वर्ष फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है।

25 मार्च को पापमोचिनी एकादशी है। यह पर्व हर वर्ष चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है।

08 अप्रैल को कामदा एकादशी है। यह पर्व हर वर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है।

24 अप्रैल को बरूथिनी एकादशी है। यह पर्व हर वर्ष वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है।

08 मई को मोहिनी एकादशी है। यह पर्व हर वर्ष वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है।

23 मई को अपरा एकादशी है। यह पर्व हर वर्ष ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है।

06 जून को निर्जला एकादशी है। यह पर्व

हर वर्ष ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है। वहीं, वैष्णव समाज के अनुयायियों के लिए 07 जून को निर्जला एकादशी है।

21 जून को योगिनी एकादशी है। यह पर्व हर वर्ष आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है। वैष्णव समाज के अनुयायियों के लिए 22 जून को निर्जला एकादशी है।

06 जुलाई को देवशयनी एकादशी है। यह पर्व हर वर्ष आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन से भगवान विष्णु क्षीर सागर में विश्राम करने चले जाते हैं। देवशयनी एकादशी से चातुर्मास शुरू होता है।

21 जुलाई को कामिका एकादशी है। यह पर्व हर वर्ष सावन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है।

05 अगस्त को सावन पुत्रदा एकादशी है। यह पर्व हर वर्ष सावन माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है।

19 अगस्त को अजा एकादशी है। यह पर्व हर वर्ष भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है।

03 सितंबर को परिवर्तिनी एकादशी है। यह पर्व हर वर्ष भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है।

17 सितंबर को इन्दिरा एकादशी है। यह पर्व हर वर्ष आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है।

03 अक्टूबर को पापांकुशा एकादशी है। यह पर्व हर वर्ष आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है।

17 अक्टूबर को रमा एकादशी है। यह पर्व हर वर्ष कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है।

01 नवंबर को देवउठनी एकादशी है। यह पर्व हर वर्ष कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागृत होते हैं।

15 नवंबर को उत्पन्ना एकादशी है। यह पर्व हर वर्ष मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है।

01 दिसंबर को मोक्षदा एकादशी है। यह पर्व हर वर्ष मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है।

15 दिसंबर को सफला एकादशी है। यह पर्व हर वर्ष पौष माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है।

30 दिसंबर को पौष पुत्रदा एकादशी है। यह पर्व हर वर्ष पौष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है।

2025 में तीन राशियों पर चलेगी शनि की साढ़े साती, रहना होगा बेहद सावधान

न्याय के देवता शनिदेव अगले साल राशि परिवर्तन करेंगे। शनिदेव के राशि परिवर्तन से कई राशि के जातकों को लाभ मिलेगा। वहीं, कई राशि के जातकों पर साढ़े साती और शनि की ढैय्या चलेगी। ज्योतिषियों की मानें तो शनि की साढ़े साती के दौरान जातकों को जीवन में कई बार विषम परिस्थिति से गुजरना पड़ता है। वहीं, शनि की ढैय्या भी कई बार कष्टकारी होता है। अगले साल 3 राशि के जातकों पर शनि की साढ़े साती चलेगी।

शनि गोचर

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, न्याय के देवता शनिदेव 29 मार्च को देर रात 11 बजकर 01 मिनट पर कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में शनिदेव ढाई साल तक रहेंगे। शनिदेव के राशि परिवर्तन से राशिचक्र की सभी राशियों पर प्रभाव पड़ेगा। इनमें कई राशि के जातकों को विशेष लाभ मिल सकता है, लेकिन इन 3 राशि के जातकों को सावधान रहने की आवश्यकता है।

मेष राशि

शनिदेव के राशि परिवर्तन करने से मेष राशि के जातकों पर साढ़े साती शुरू होगी। इस राशि पर साढ़े साती का प्रथम चरण चलेगा। इस राशि में सूर्य देव उच्च के होते हैं। वहीं, सूर्य देव और शनिदेव के मध्य शत्रुवत संबंध है। इसके लिए मेष राशि के जातकों को करियर और कारोबार में उतार-चढाव देखने को मिल सकता है। हालांकि, गुरु के धन भाव में उपस्थिति के चलते आर्थिक स्थिति में बदलाव नहीं होगा। विवेक से कार्य करने की सलाह है। बड़े की सलाह लेकर कार्य करें। अपने आराध्य हनुमान जी की पूजा करें। मंगलवार के दिन उपवास रखें। हनुमान जी की पूजा करने से शनि की बाधा समाप्त होती है।

कुंभ राशि

शनिदेव के मीन राशि में गोचर करने के दौरान कुंभ राशि के जातकों पर साढ़े साती का अंतिम चरण चलेगा। वर्तमान समय में कुंभ राशि के जातकों पर साढ़े साती का दूसरा चरण चल रहा है। साढ़े साती के अंतिम चरण में जातक पर शनिदेव की कृपा बरसती है। उनकी कृपा से मनमुताबिक सफलता मिलती है। शनिदेव कर्मफल दाता हैं। अतः कर्म पथ पर अग्रसर रहें। भगवान शिव की पूजा करें। हर सोमवार और शनिवार के दिन जल में काले तिल मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इससे अवश्य ही लाभ प्राप्त होगा। सभी प्रकार के बिगड़े काम बनने लगेंगे।

मीन राशि

शनिदेव के मीन राशि में गोचर करने के साथ ही साढ़े साती का पहला चरण समाप्त हो जाएगा। हालांकि, साढ़े साती का दूसरा चरण शुरू हो जाएगा। साढ़े साती के दूसरे चरण में आपको मेंटली स्ट्रांग रहना है। जीवन में कई बदलाव देखने को मिल सकता है। इससे आप पर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसके लिए सोच-समझकर कार्य करें। कई बने काम भी बिगड़ सकते हैं। भगवान विष्णु की पूजा करें। हर गुरुवार के दिन भक्ति भाव से जगत के पालनहार भगवान विष्णु की पूजा करें। पूजा के समय विष्णु चालीसा का पाठ अवश्य करें। इस दिन पीले रंग का चंदन ग्रीवा पर लगाएं। इसके साथ ही शनिवार के दिन शनिदेव की पूजा करें।

मुंडन के लिए आने वाले साल में शुभ मुहूर्त?

मुंडन संस्कार बच्चे के जन्म के बाद कराया जाता है। इस विशेष दिन पर छोटे बच्चे का सिर पारंपरिक तरीके से मुंडवाया जाता है, जो उनकी आत्मा की शुद्धि और नवीनीकरण का प्रतीक होता है।

हिंदू धर्म में प्रचलित मान्यता के अनुसार, 84 लाख योनियों के बाद मनुष्य योनी मिलती है. ऐसे में पिछले सभी जन्मों के ऋण का पाप उतारने के लिए शिशु के बाल काटे जाते हैं. साल 2025 में मुंडन संस्कार के लिए कब-कब शुरू मुहूर्त बन रहे हैं यहां देखें लिस्ट।

मुंडन संस्कार का धार्मिक और वैज्ञानिक दोनों ही दृष्टियों से विशेष महत्व है. मुंडन के बाद सिर पर मालिश करने से सिर की त्वचा को आराम मिलता है और रक्त संचार में सुधार होता है, जिससे मानसिक विकास में भी मदद मिलती है।

मुंडन संस्कार

30 जनवरी 2025	शाम 04.13 - सुबह 07.10, 31 जनवरी
31 जनवरी 2025	सुबह 7.10 - सुबह 4.15, 1 फरवरी
4 फरवरी 2025	सुबह 4.37 - सुबह 6.38
7 फरवरी 2025	शाम 6.41 - सुबह 7.06, 8 फरवरी
10 फरवरी 2025	सुबह 07.00 - शाम 07.05
17 फरवरी 2025	सुबह 6.58 - सुबह 4.56, 18 फरवरी
26 फरवरी 2025	सुबह 6.49 - सुबह 11.11
3 मार्च 2025	सुबह 6.04 - सुबह 4.30, 4 मार्च
17 मार्च 2025	सुबह 6.29 - शाम 7.36
21 मार्च 2025	सुबह 6.24 - प्रात: 1.46, 22 मार्च
27 मार्च 2025	सुबह 6.17 - रात 11.06
31 मार्च 2025	सुबह 6.13 - दोपहर 1.45
14 अप्रैल 2025	सुबह 8.27 - रात 11.59
17 अप्रैल 2025	दोपहर 3.26 - सुबह 5.54, 18 अप्रैल
23 अप्रैल 2025	सुबह 5.48 - सुबह 5.48, 24 अप्रैल
24 अप्रैल 2025	सुबह 6.57 - सुबह 10.50
14 मई 2025	सुबह 11.47 - सुबह 5.13, 15 मई
15 मई 2025	सुबह 5.30 - दोपहर 2.08
19 मई 2025	सुबह 6.14 - सुबह 5.28, 20 मई
28 मई 2025	सुबह 5.24 - दोपहर 12.30, 29 मई
29 मई 2025	रात 10.38 - रात 11.18
30 मई 2025	रात 9.23 - सुबह 5.45, 31 मई
6 जून 2025	सुबह 6.34 - सुबह 4.50, 7 जून
11 जून 2025	सुबह 5.22 - दोपहर 1.15
16 जून 2025	सुबह 5.22 - दोपहर 3.34
26 जून 2025	दोपहर 1.27 - सुबह 5.24, 27 जून
27 जून 2025	सुबह 5.25 - सुबह 5.25, 28 जून
2 जुलाई 2025	सुबह 11.07 - सुबह 11.59, 3 जुलाई
4 जुलाई 2025	शाम 4.33 - सुबह 5.27, 5 जुलाई

मुंडन संस्कार की विधि

मुंडन संस्कार कहां करें- मुंडन अक्सर तीर्थ स्थलों या मंदिरों में किया जाता है, जैसे काशी, हरिद्वार, या किसी अन्य धार्मिक स्थल पर, हालाँकि, इसे घर पर भी शुभ मुहूर्त में किया जा सकता है.

पूजा और हवन- मुंडन संस्कार से पहले पूजा और हवन किया जाता है. इसमें भगवान गणेश, कुलदेवता और परिवार के ईष्ट देवताओं का आह्वान कर आशीर्वाद लिया जाता है.

बाल काटने की प्रक्रिया- पूजा के बाद बच्चे के सिर पर जल या गंगाजल छिड़ककर शुद्धिकरण किया जाता है. इसके बाद बच्चे के बाल काटे जाते हैं.

बालों का विसर्जन- कटे हुए बालों को नदी या जलाशय में प्रवाहित करना शुभ माना जाता है.

धनु और मीन राशि के जातकों राहु-केतु से मिलेगी मुक्ति

धनु और मीन राशि के स्वामी देवगुरु बृहस्पति हैं और आराध्य भगवान विष्णु हैं। इन दो राशियों पर देवगुरु बृहस्पति की विशेष कृपा बरसती है। उनकी कृपा से धनु और मीन राशि के जातकों को सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है। वर्तमान समय में मायावी ग्रह राहु मीन राशि में विराजमान हैं। वहीं, साल 2025 में शनि की ढैय्या धनु राशि के जातकों पर शुरू होगी। मीन राशि के जातकों पर साढ़ेसाती का पहला चरण चल रहा है। वहीं, साल 2025 में शनि के राशि परिवर्तन करने से साढ़े साती का दूसरा चरण शुरू होगा। इसके चलते मीन राशि के जातकों को अपने जीवन में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। कई जातकों को विषम परिस्थिति से भी गुजरना पड़ रहा है। हालांकि, साल 2025 में दो राशि के जातकों को मायावी ग्रह राहु-केतु से मुक्ति मिलेगी। इसके साथ ही दोनों राशि के जातकों के अच्छे दिन शुरू हो जाएंगे। आइए, इसके बारे में सबकुछ जानते हैं।

ज्योतिषियों की मानें तो मायावी ग्रह राहु वर्तमान समय में मीन राशि में विराजमान हैं। इस राशि में राहु 17 मई तक विराजमान रहेंगे। इसके अगले दिन मायावी ग्रह राहु राशि परिवर्तन करेंगे। आसान शब्दों में कहें तो 18 मई को राहु वक्री चाल चलकर मीन राशि से निकलकर कुंभ राशि में गोचर कर जाएंगे। सिंह राशि में गोचर करने के साथ ही मीन राशि के जातकों को मायावी ग्रह राहु से मुक्ति मिल जाएगी। वहीं, केतु वर्तमान समय में कन्या राशि में उपस्थित हैं। इस राशि में केतु 17 मई तक रहेंगे। इसके अगले दिन केतु कन्या राशि से निकलकर सिंह राशि में गोचर करेंगे। 18 मई, 2025 को संध्याकाल 07 बजकर 35 मिनट पर राहु और केतु राशि परिवर्तन करेंगे।

कन्या राशि-ग्रहों के राजकुमार बुध देव कन्या राशि के स्वामी हैं और आराध्य भगवान गणेश हैं। भगवान गणेश की कृपा से कन्या राशि के जातक बुद्धिमान होते हैं। हालांकि, राहु और केतु मायावी ग्रह हैं। जातक पर माया का आवरण पड़ता है। इससे जातक अपने लक्ष्य से भटक जाता है। साथ ही भावनाओं में बहकर कई अनावश्यक फैसले ले लेता है। इसके चलते वर्तमान

समय में कन्या राशि के जातकों का व्यय अधिक हो रहा है। इसके साथ ही कई बने काम में भी बाधा आ रही है। केतु के सिंह राशि में गोचर करने के साथ ही कन्या राशि के जातकों के जीवन में नवसंचार होगा। सभी रुके कार्य में प्रगति आएगी। अपने जीवन में सही फैसले लेने में सक्षम रहेंगे।

मीन राशि-मीन राशि के जातकों को भी साल 2025 में मायावी ग्रह राहु से मुक्ति मिल जाएगी। हालांकि, मीन राशि के जातकों पर साढ़े साती का प्रथम चरण चल रहा है। अगले साल से दूसरा चरण शुरू होगा। इसके लिए मीन राशि के जातकों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। साथ ही जगत के पालनहार भगवान विष्णु की पूजा करें। मायावी ग्रह राहु से मुक्ति मिलने से मीन राशि के जातक अपने जीवन में सही फैसले लेने में सफल रहेंगे। इससे करियर और कारोबार को नया आयाम मिलेगा। साथ ही परिवार में भी खुशियों का माहौल रहेगा।

नए साल में कब मनाई जाएगी मासिक शिवरात्रि? यहां जानें सही शुभ मुहूर्त

हर महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मासिक शिवरात्रि मनाई जाती है। वहीं, फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि मनाई जाती है। इस शुभ तिथि पर भगवान शिव संग मां पार्वती की पूजा की जाती है। साथ ही शिवरात्रि का व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। साथ ही सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। अविवाहित जातक शीघ्र विवाह के लिए शिवरात्रि का व्रत रखते हैं।

मासिक शिवरात्रि

सोमवार 27 जनवरी को माघ महीने की मासिक शिवरात्रि है। 27 जनवरी को संध्याकाल 08 बजकर 34 मिनट से माघ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी शुरू होगी।

बुधवार 26 फरवरी को महाशिवरात्रि है। 26 फरवरी को सुबह 11 बजकर 08 मिनट से फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी शुरू होगी।

गुरुवार 27 मार्च को चैत्र महीने की मासिक शिवरात्रि है। मार्च 27 को देर रात 11 बजकर 03 मिनट से चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी शुरू होगी।

शनिवार 26 अप्रैल को वैशाख महीने की मासिक शिवरात्रि है। 26 अप्रैल को सुबह 08 बजकर 27 मिनट से वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी शुरू होगी।

रविवार 25 मई को ज्येष्ठ महीने की मासिक शिवरात्रि है। 25 मई को दोपहर 03 बजकर 51 मिनट से ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी शुरू होगी।

सोमवार 23 जून को आषाढ़ महीने की मासिक शिवरात्रि है। 23 जून को देर रात 10 बजकर 09 मिनट से आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी शुरू होगी।

बुधवार 23 जुलाई को सावन महीने की मासिक शिवरात्रि है। 23 जुलाई को प्रातः काल 04 बजकर 39 मिनट से सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी शुरू होगी।

गुरुवार 21 अगस्त को भाद्रपद महीने की मासिक शिवरात्रि है। 21 अगस्त को दोपहर 12 बजकर 44 मिनट से भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी शुरू होगी।

शुक्रवार 19 सितंबर को आश्विन महीने की मासिक शिवरात्रि है। 19 सितंबर को देर रात 11 बजकर 36 मिनट से आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी शुरू होगी।

रविवार अक्टूबर 19 को कार्तिक महीने की मासिक शिवरात्रि है। अक्टूबर 19 को दोपहर 01 बजकर 51 मिनट से कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी शुरू होगी।

सोमवार 18 नवंबर को मार्गशीर्ष महीने की मासिक शिवरात्रि है। 18 नवंबर को सुबह 07 बजकर 12 मिनट से मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी शुरू होगी।

गुरुवार 18 दिसंबर को पौष महीने की मासिक शिवरात्रि है। 18 दिसंबर को देर रात 02 बजकर 32 मिनट से पौष माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी शुरू होगी।

फिल्म तान्हाजी के सीक्वल पर लगी मुहर

अजय देवगन से भिडने को तैयार ऋतिक रोशन

साल 2020 में आई अजय देवगन और काजोल की फिल्म तान्हाजी: द अनसंग वॉरियर को दर्शकों का खूब प्यार मिला था। ओम राउत इसके निर्देशन थे।तकरीबन 120 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में 367।65 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया था।अब लगभग 4 साल बाद तान्हाजी के सीक्वल पर मुहर लग गई है। दरअसल, राउत और अजय ने तान्हाजी 2 के लिए एक बार फिर से हाथ मिलाया है।रिपोर्ट के मुताबिक, अजय और राउत तान्हाजी की दूसरी किस्त के लिए साथ आ गए हैं। दोनों के बीच अब तक कई मुलाकात हो चुकी हैं।इस फिल्म में एक गुमनाम योद्धा की कहानी दिखाई जाएगी। कहा जा रहा है कि फिल्म की कहानी पर काम शुरू हो गया है।अजय और राउत भारत के इतिहास के एक ऐसे दिग्गज की जिंदगी पर फिल्म बनाना चाहते थे, जिन्हें समय के साथ भुला दिया गया।रिपोर्ट में दावा किया गया है कि तान्हाजी के सीक्वल में अजय के साथ मुख्य भूमिका निभाने के लिए ऋतिक रोशन से संपर्क किया है।वह फिल्म में खलनायक के किरदार में नजर आएंगे। राउत और ऋतिक के बीच बातचीत लगातार जारी है।तान्हाजी की बात करें तो इस फिल्म में सैफ अली खान भी मुख्य भूमिका में नजर आए थे।

पानी पुरी खाकर फातिमा सना शेख हुईं खुश, आर माधवन को कहा थैंक्स

एक्ट्रेस फातिमा सना शेख ने बताया कि एक्टर आर। माधवन ने उन्हें पानी-पूरी खिलाकर वास्तव में खुश कर दिया।फातिमा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी और अपनी टीम की एक फोटो शेयर की, जिसमें वह पानी-पूरी की प्लेट का लुत्फ उठा रही हैं।भारत में आम स्ट्रीट फूड माने जाने वाले इस स्वादिष्ट व्यंजन के लिए माधवन का शुक्रिया अदा करते हुए फातिमा ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, धन्यवाद माधवन पानी-पूरी खिला के दिल खुश कर दिया।माधवन और फातिमा कथित तौर पर विवेक सोनी द्वारा निर्देशित एक लव स्टोरी में साथ नजर आएंगे। बाकी डिटेल्स को उजागर नहीं किया गया है।

माना जा रहा है कि यह एक अलग किस्म की कहानी है जिसमें एक बुजुर्ग व्यक्ति और एक छोटी महिला एक-दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं।अन्य खबरों में, फातिमा ने पिछले सप्ताह अपनी सोशल मीडिया उपस्थिति के लिए अपनी एक फोटो शेयर की थी।उन्होंने एक डीएसएलआर कैमरा पकड़े हुए अपनी एक फोटो शेयर की, जो मिरर सेल्फी जैसी लग रही है। एक्ट्रेस बिना मेकअप के दिख रही हैं और उनके बाल, बीच कर्ल से बने हुए हैं।उन्होंने कैप्शन में लिखा, सोशल मीडिया पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराने के लिए एक फोटो। इसके अलावा, उनके पास अनुराग बसु द्वारा निर्देशित मेट्रो इन डिनो है, जिसमें आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान भी हैं।यह बसु की पिछली 2007 में रिलीज हुई हिट फिल्म, जिसको रिव्यूवर्स ने हिट करार दिया था लाइफ इन ए।।। मेट्रो का सीक्वल है। यह फिल्म एक ही समय के कपल की 4 अलग-अलग दिल को छू लेने वाली कहानियों को मिलाकर बनाई गई है। फिल्म का टाइटल लाइफ इन ए।।। मेट्रो के फेमस गाने इन दिनों से लिया गया है।एक्ट्रेस के पास नसीरुद्दीन शाह और विजय वर्मा अभिनीत उल जलूल इश्क भी है। फातिमा सी। शंकरन नायर की बायोपिक में अक्षय कुमार के साथ भी दिखाई देंगी। फातिमा सना ने अपने करियर की शुरुआत चाची 420 और वन 2 का 4 फिल्मों में एक चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में की थी। वह नितेश तिवारी की बायोग्राफिकल स्पोर्ट्स फिल्म दंगल में अपने एक्टिंग से प्रसिद्ध हुईं, जिसमें आमिर खान और सान्या मल्होत्रा भी थे।

लाइव कॉन्सर्ट में प्रस्तुति देने के बाद उज्जैन के महाकाल मंदिर पहुँचे दिलजीत

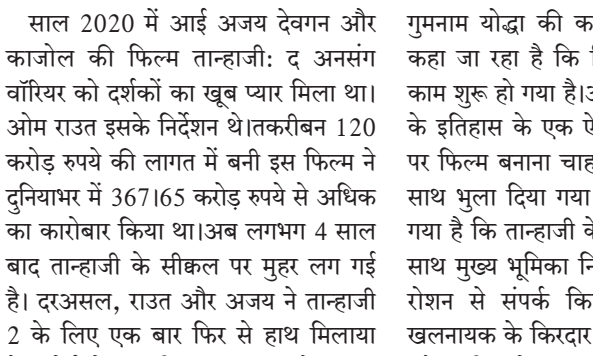

एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ इन दिनों लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। वे दिल लुमिनाटी टूर के तहत देशभर में लाइव कॉन्सर्ट कर रहे हैं। लोगों में उनका जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है और वे उनके कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए ब्लैक में भी टिकट खरीदने को तैयार हैं। दिलजीत हाल ही में उज्जैन के प्रसिद्ध महाकाल मंदिर पहुंचे।

सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में दिलजीत को बाबा महाकाल के चरणों में श्रद्धा प्रकट करते और भस्म आरती में शामिल होते हुए देखा गया। सफेद धोती-कुर्ता पहने दिलजीत ने शिवजी के प्रति गहरी आस्था व्यक्त की। माथे पर त्रिपुंड तिलक और ओम की शाल ओढ़े दिलजीत ने आरती में भाग लिया। वह चांदी की द्वार से बाबा को प्रणाम करते और ध्यानमग्न नजर आए। दिलजीत ने इस यात्रा के बाद अपने इंस्टाग्राम पर कैप्शन लिखा, जय श्री महाकाल, जो उनके प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बन गया।बता दें दिलजीत ने 8 दिसंबर को मध्यप्रदेश के ही इंदौर में धमाकेदार परफॉर्मेंस दी। हालांकि बजरंग दल ने कार्यक्रम पर आपत्ति जताते हुए इसे रद्द करने की मांग की थी। संगठन का आरोप था कि दिलजीत के कॉन्सर्ट में नशे से जुड़े तत्वों को बढ़ावा दिया जाता है। कॉन्सर्ट के दौरान दिलजीत ने किसी का नाम लिए बगैर राहत इंदौरी का मशहूर शेर, हिंदुस्तान किसी के बाप का थोड़ी है, पढ़कर तंज कसा।

लहंगा पहन नेहा मलिक दिखीं बला की खूबसूरत

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों से इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका हॉटनेस भरा अवतार देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।एक्ट्रेस नेहा मलिक अपनी एक्टिंग से ज्यादा बोल्ड लुक्स के चलते सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।नेहा मलिक की लेटेस्ट फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने गोल्डन कलर का रिवीलिंग लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं।

कानों में इयररिंग्स, गले में आर्टिफिशियल डायमेंड लुक वाली ज्वैलरी, खुले बाल को वेवी स्टाइल लुक देकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने आउटलकु को कंप्लीट किया है।नेहा मलिक जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।बता दें कि एक्ट्रेस नेहा मलिक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

रश्मिका मंदाना की द गर्लफ्रेंड के टीजर में रुमर्ड बॉयफ्रेंड विजय देवराकोंडा ने दी आवाज

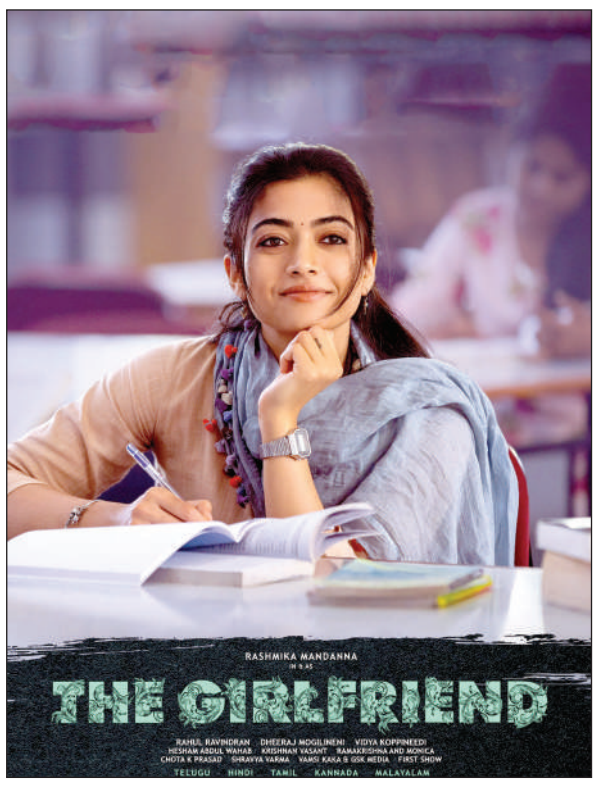

रश्मिका मंदाना की फिल्म द गर्लफ्रेंड को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। मेकर्स ने हाल ही में इसका नया पोस्टर रिलीज किया और इसके टीजर की रिलीज डेट बताई है। रश्मिका मंदाना राहुल रवींद्रन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में वह एक कॉलेज जाने वाली लड़की की भूमिका में हैं और इसकी कहानी अनूठी होने की उम्मीद है। इस टीजर में उनके रुमर्ड बायफ्रेंड विजय देवराकोंडा ने आवाज दी है।मेकर्स ने हाल ही में द गर्लफ्रेंड का पोस्टर रिलीज करते हुए इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठाया है। राहुल रवींद्रन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में वह एक कॉलेज जाने वाली लड़की की भूमिका में हैं और इसकी कहानी अनूठी होने की उम्मीद है।टीजर की सबसे खास बात यह है कि इसमें रश्मिका के रुमर्ड बायफ्रेंड विजय देवराकोंडा ने आवाज दी है। जिसने दर्शकों की एक्साइटमेंट और भी ज्यादा बढ़ा दी है। हेशम म्यूजिक के लिए बोर्ड पर हैं और जीए2 पिक्चर्स, मास मूवी मेकर्स, धीरज मोगिलिनेनी एंटरटेनमेंट द गर्लफ्रेंड के निर्माता हैं। रश्मिका मंदाना पुष्पा 2: द रूल की सफलता का आनंद ले रही हैं और फिल्म में उनके काम की खूब सराहना की जा रही है। रश्मिका ने विजय देवरकोंडा की अगली फिल्म साइन की है और गीता गोविंदम और डियर कॉमरेड के बाद यह उनकी तीसरी फिल्म है। राहुल सांकृत्यायन निर्देशक हैं और मैथरी मूवी मेकर्स निर्माता हैं।रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा के रिलेशनशिप में होने की अफवाहें सबसे पहले तब शुरू हुईं जब दोनों ने गीता गोविंदम (2018) में साथ काम किया। डियर कॉमरेड (2019) के लिए फिर से साथ आने के उनके फैसले ने उनकी डेटिंग की अटकलों को और हवा दे दी। पिछले कुछ सालों में, दोनों को अक्सर छुट्टियों पर एक साथ देखा गया है। इसके बावजूद, रश्मिका और विजय ने हमेशा कहा है कि वे अच्छे दोस्त हैं और इस बात को मानने से इनकार किया कि वे रिलेशनशिप में हैं कि नहीं।

कैटरीना ने अपनी शादी की तीसरी सालगिरह पर एक दिल छूने वाला पोस्ट शेयर किया: दिल तू, जान तू

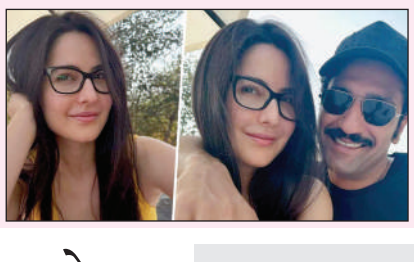

कैटरीना कैफ और विक्की कौशल अपने 3 साल की शादी की सालगिरह को प्यार और गरिमा के साथ मना रहे हैं, और इस दौरान उन्होंने एक दिल को छू लेने वाली तस्वीर साझा की, जिस पर लिखा है दिल तू, जान तू... यह तस्वीर उनके अडिग रिश्ते की एक और झलक देती है। उनका सफर एक-दूसरे के प्रति प्यार, विश्वास और आपसी प्रशंसा का प्रतीक रहा है, जिससे वे बॉलीवुड के सबसे प्यारे कपल्स में से एक बन गए हैं। इस खूबसूरत जोड़ी के लिए खुशियां और जादू के कई और साल आने वाले हैं!

डिस्पैच का नया पोस्टर जारी, मनोज बाजपेयी के साथ दिखीं शहाना गोस्वामी

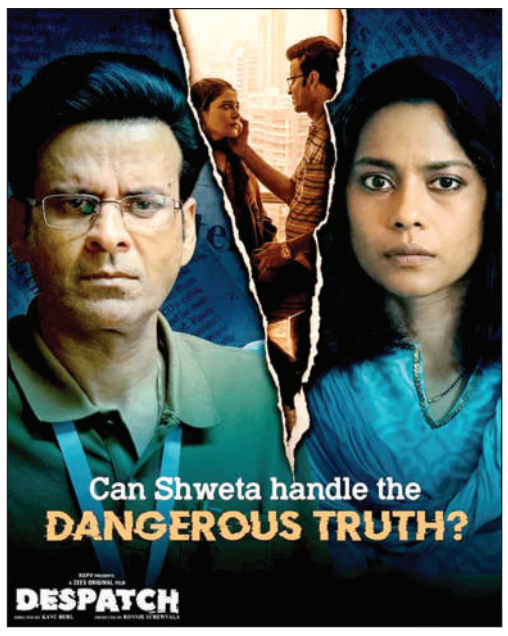

पिछले लंबे समय से दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी अपनी आने वाली फिल्म को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान कनु बहल ने संभाली है।इस फिल्म में वह पहली बार एक निडर पत्रकार की भूमिका में नजर आएंगे। शहाना गोस्वामी भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाते हुई दिखाई देंगी।अब निर्माताओं ने डिस्पैच का नया पोस्टर कर दिया है, जिसमें मनोज और शहाना की झलक दिख रही है।डिस्पैच को सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म को आप 13 दिसंबर, 2024 से जी5 पर देख पाएंगे।निर्माताओं ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, कड़वी सच्चाई को निगलना आसान नहीं होगा।डिस्पैच प्रीमियर बीते दिनों गोवा में आयोजित इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में किया गया था। वहां फिल्म को खूब तारीफ मिली थी।फिल्म का ट्रेलर पहले ही रिलीज हो चुका है, जिसे प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं।

अक्षय कुमार की फिल्म भूत बंगला की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

अक्षय कुमार अपनी नई फिल्म भूत बंगला को लेकर काफी एक्साइडेट है। उनकी यह फिल्म एक हॉरर कॉमेडी है। खिलाड़ी कुमार ने अपने इस फिल्म को लेकर एक नया अपडेट दिया है। उन्होंने भूत बंगला की शूटिंग और डेट का खुलासा किया है। इसके लिए उन्होंने सोशल मीडिया का सहारा लिया है।अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी अपकमिंग फिल्म भूत बंगला का नया पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर पर फिल्म की रिलीज डेट दी गई है। भूत बंगला के बारे में जानकारी देते हुए अक्षय ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, आज हम अपनी हॉरर कॉमेडी भूत बांग्ला की शूटिंग शुरू कर रहे हैं, इसलिए मैं अपने फेवरेट प्रियदर्शन के साथ सेट पर आने को लेकर काफी एक्साइडेट हूं। ये डर और हंसी का डबल डोज आपके लिए तैयार होगा 2 अप्रैल, 2026 को। तब तक के लिए आपको शुभकामनाएं दें।मेकर्स ने अक्षय कुमार के बर्थडे पर इस प्रोजेक्ट का एलान किया था। फिल्म मेकर प्रियदर्शन ने इंस्टाग्राम पर फिल्म से अक्षय कुमार का पोस्टर जारी करते हुए लिखा, 14 साल बाद, मैं अपने पुराने दोस्त अक्षय कुमार के साथ हॉरर-कॉमेडी फिल्म फिर से काम कर रहा हूं, यह एकता कपूर के साथ मेरा पहला कोलैबोरेशन है। कुछ खास के लिए तैयार हो जाइए। भूत बंगला।14 साल पहले 2007 में अक्षय कुमार और प्रियदर्शन हॉरर कॉमेडी भूल भुलैया के लिए एक साथ आए थे। भूल भुलैया अक्षय कुमार के करियर की बड़ी हिट फिल्मों की लिस्ट में शामिल है। इस फिल्म से अक्षय कुमार को साल 2007 का बेस्ट एक्टर का अवार्ड भी मिला था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। हालाँकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है लेकिन हिम्मत मत हारिए क्योंकि आख़िर में जीत सच्चे प्यार की ही होती है। आज के दिन आप सबके ध्यान का केंद्र होंगे और सफलता आपकी पहुँच में होगी। शहर से बाहर यात्रा ज़्यादा आरामदेह नहीं रहेगी, लेकिन आवश्यक जान-पहचान बनाने के लिहाज़ से फ़ायदेमंद साबित होगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जिन व्यापारियों के संबंध विदेशों से हैं उन्हें आज धन हानि होने की संभावना है इसलिए आज के दिन सोच समझकर चलें। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज आपका दुःख बर्फ़ की तरह पिघल जाएगा। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। आज ऐसे बर्ताव करें जैसे कि आप 'सुपर-स्टार' हैं, लेकिन सिर्फ़ उन चीज़ों की ही प्रशंसा करें जो उसके क़ाबिल हैं। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दुःख-दर्द भुला देता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। अपने जीवनसाथी के मामलों में ज़रूरत से ज़्यादा दख़ल देना उसकी झुंझलाहट का कारण बन सकता है। ग़ुस्से को फिर से भड़कने से रोकने के लिए उसकी इजाज़त लें, तो आसानी से इस परेशानी को हल किया जा सकता है। ज़ाहिर तौर पर रोमांस के लिए पर्याप्त मौक़े हैं- लेकिन ऐसा बहुत कम समय के लिए है। किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। हो सकता है कि आप अपने परिवार के लोगों की सभी बातों से सहमत न हों, लेकिन आपको उनके तजुर्बे से सीखने की कोशिश करनी चाहिए। किसी छोटी-मोटी बात को लेकर भी आपके प्रिय से आपकी नोंक-झोंक हो सकती है। अपनी बौद्धिक क्षमताओं का इस्तेमाल अपने हित में करें। इसकी मदद से आप पेशेवर योजनाओं और नए विचारों को पूरा कर सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपके परिवार वाले किसी छोटी-सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। जब आप अपने प्रिय के साथ बाहर जाएँ तो अपने पहनावे और बरताव में नयापन रखें। तब तक कोई वादा न करें, जब तक कि आप पूरी तरह उसे पूरा करने में सक्षम न हों। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा। आज के दिन कुछ भी करने के लिए अपने साथी पर दबाव न डाले, अन्यथा आपके दिलों में दूरियां आ सकती हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका प्रोत्साहन निश्चित तौर पर बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाएगा। प्रेम का आह्लाद महसूस करने के लिए आप किसी नए व्यक्ति से मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आपको भी तेज़ी से क़दम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। मातहतों को कड़ी मेहनत के लिए प्रेरित करना सकारात्मक परिणाम देगा। आज खाली वक़्त किसी बेकार के काम में ख़राब हो सकता है। आपके वैवाहिक जीवन में शारीरिक सुख के नज़रिए से कुछ ख़ूबसूरत परिवर्तन हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

माता-पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में क़ामयाब रहेंगे। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल-मोल कर ही बोलें। दूसरों की दख़लअन्दाज़ी गतिरोध पैदा कर सकती है। अपने काम में ऐसे लोगों की मदद लें, जिनकी सोच आपसे मेल खाती हो। सही वक़्त पर उनकी मदद अहम और फ़ायदेमंद होगी। ख़ास तौर पर मेडिकल ट्रांस्क्रिप्शन से जुड़े लोगों के लिए बढ़िया दिन है। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके प्रेम को देखकर आज आपका प्रेमी गदगद हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फ़िज़ूलख़र्ची करने से ख़ुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। दोस्तों के साथ कुछ करते वक़्त अपने हितों को अनदेखा न करें - हो सकता है कि वे आपकी ज़रूरतों को ज़्यादा गंभीरता से न लें। मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेंगे। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो रही है और तरक़्क़ी साफ़ नज़र आ रही है। आज काफ़ी दिगागी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ शतरंज खेल सकते हैं, वर्ग-पहेली हल कर सकते हैं, कोई कविता-कहानी लिख सकते हैं या भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। अपने दिन की योजना सावधानी से तय करें। ऐसे लोगों से बात करें, जो आपकी मदद कर सकते हैं। रोमांस आनन्ददायी और काफ़ी रोमांचक रहेगा। किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख़्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आस-पास के लोगों का सहयोग आपको सुखद अनुभूति देगा। अपने व्यक्तिगत जीवन से थोड़ा समय निकालकर दान-पुण्य के कामों में कुछ समय लगाएँ। इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी, लेकिन इसके लिए अपनी निजी ज़िंदगी को दरकिनार न करें। आपको दोनों पर ही बराबर ध्यान देने की ज़रूरत है। हर रोज़ प्रेम में पड़ने की अपनी आदत को बदलिए। काम में धीमी प्रगति हल्का-सा मानसिक तनाव दे सकती है। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। प्यार-दुलार के हथियार का इस्तेमाल कर उन्हें समझाएँ और अनचाहे तनाव से बचें। याद रखें कि प्यार ही प्यार को पैदा करता है। ख़ुशी के लिए नए संबंध की प्रतीक्षा करें। करिअर से जुड़े फ़ैसले ख़ुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। जिसके साथ आप रहते हैं, उससे वाद-विवाद करने से बचें। यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से बातचीत करके सुलझाएँ। आज के दिन प्यार की कली चटककर फूल बन सकती है। अगर आप व्यवसाय में किसी नये भागीदार को जोड़ने पर विचार कर रहे हैं, तो यह ज़रूरी होगा कि उससे कोई भी वादा करने से पहले आप सभी तथ्य अच्छी तरह जाँच लें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 13 दिसंबर 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष, शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 07:43 तक
नक्षत्र : भरणी प्रातः 07:50 तक
योग : शिव प्रातः 11:53 तक
करण : कौलव प्रातः 09:05 तक
चन्द्रराशि : मेष दोपहर 01:19 तक
सूर्योदय : 06:37 , सूर्यास्त 05:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:32 , सूर्यास्त 05:55 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:26 , सूर्यास्त 05:46 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:27, सूर्यास्त 05:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत , अनंग त्रयोदशी व्रत

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सीएम भजनलाल ने की राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ के कार्यक्रमों की शुरूआत

राज्यभर में 15 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र प्रदान किए

जोधपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि युवा शक्ति अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर राज्य की प्रगति में योगदान दे। उत्कृष्ट राजस्थान, विकसित राजस्थान का संकल्प युवा शक्ति से ही संभव होगा। राज्य सरकार युवाओं के विकास और कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे प्रदेश के हित में काम करें, सपने देखें। उनके सपनों को पूरा करने में राज्य सरकार पूरी मदद करेगी। शर्मा राज्य सरकार के एक साल पूरा होने के उपलक्ष्य में गुरूवार को जोधपुर के मारवाड़ इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने एक वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में होने वाले आयोजनों की रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन से शुरूआत की। 12 से 17 दिसंबर तक

आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों की थीम निभाई जिम्मेदारी, हर घर खुशहाली है। जिसके तहत विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं के माध्यम से महिला, युवा, किसान एवं मजदूर को आर्थिक संबल दिया जाएगा। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सरकारी नौकरी में चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए तथा सभी जिलों में आयोजित हुए रोजगार उत्सव कार्यक्रमों में 15 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्यभर में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नियुक्ति पत्र प्राप्त प्रतिभागियों से संवाद भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा यह प्रयास रहता है कि युवाओं की आशाओं और अपेक्षाओं के मुताबिक कार्य कर सकूं। इसी कड़ी में आज प्रदेश में यह तीसरा मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव आयोजित किया गया है। आज का यह कार्यक्रम युवा शक्ति की आशाओं, उम्मीदों एवं सपनों को आकार देगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत पूरी दुनिया के सामने आत्मविश्वास से भरी जो हुंकार भर रहा है, उसके पीछे हमारी युवा शक्ति की ही ताकत है। आज भारत दुनिया का सबसे युवा देश है और यहां का युवा पूरी दुनिया में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहा है। उन्होंने कहा कि हाल में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में प्रधानमंत्री जी ने डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी, डेटा और डिलिवरी की बात की तो डेमोग्राफी से उनका मतलब हमारा युवा ही था।

शर्मा ने कहा कि हमने पेप-रलीक माफियाओं के खिलाफ विशेष मुहीम चलाई और उनके नेटवर्क को तोड़ा। एसआईटी गठित की गई, जो कि पूरे माफिया तंत्र को जड़ से खत्म करने के लिए काम कर ही है। आज मुझे यह कहते हुए गर्व है कि पिछले 1 साल में भ्रष्टाचार मुक्त भर्तियों ने सरकार पर युवाओं के विश्वास को फिर बहाल किया है। हमारी सरकार युवाओं को उनका हक दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पेपर लीक मामले में 16 ट्रेनी एसआई को मिली जमानत

गैंग के मास्टरमाइंड के भाई को भी राहत

जयपुर, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

सब इंस्पेक्टर भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में हाईकोर्ट ने गुरुवार को 16 ट्रेनी एसआई को जमानत दे दी। इन सभी ट्रेनी सब इंस्पेक्टर पर आरोप था कि लिखित परीक्षा से पहले इनके पास पेपर पहुंचा था। इन्होंने हैंडलर सुरेश साहू के मोबाइल फोन पर परीक्षा से करीब डेढ़ घंटे पहले पेपर देखा था।जस्टिस गणेशाराम मीणा की अदालत ने इन सभी को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। वहीं, इनको पेपर दिखाने वाले हैंडलर सुरेश साहू की जमानत याचिका को खारिज कर दिया। इससे पहले, 22 नवंबर को हाईकोर्ट ने 10 ट्रेनी एसआई को जमानत दी थी। अब तक कुल 26 ट्रेनी एसआई को जमानत मिल चुकी है।आरोपियों के वकील वेदांत शर्मा ने बताया- ट्रेनी एसआई विवेक भांभू, श्रवण कुमार विश्नोई, रेणु कुमारी, नरेश कुमार, अजय विश्नोई, नारंगी कुमारी, दिनेश कुमार, सुरेंद्र कुमार बगड़िया, दिनेश विश्नोई, मालाराम, सुभाष विश्नोई, प्रियंका कुमारी, राकेश, मंजू देवी, सुरजीत सिंह यादव और

गोपीराम जांगू को जमानत मिली है।पेपर लीक गैंग के मास्टरमाइंड यूनिक भांभू के छोटे भाई विवेक भांभू को भी जमानत मिल गई। विवेक की गिरफ्तारी के दौरान 22 जुलाई को उसके चूरू स्थित घर पर भी कार्रवाई हुई थी। नगर परिषद की टीम ने चूरू की पूनिया कॉलोनी में दो प्लॉट पर किए गए अवैध निर्माण को गिराया था।

एसआई भर्ती परीक्षा-2021 में बड़े पैमाने पर धांधली सामने आ चुकी है। एसओजी इस धांधली की जांच कर रही है। एसओजी अब तक 50 ट्रेनी एसआई और पेपर लीक गैंग से जुड़े 30 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। अभी भी कई ट्रेनी एसआई एसओजी के रडार पर चल रहे हैं। एसओजी ने इसी साल अप्रैल में पहली बार इस एग्जाम से जुड़े ट्रेनी एसआई की गिरफ्तारी की थी। हालांकि, अब तक 26 ट्रेनी एसआई को जमानत मिल चुकी है।

जयपुर में सीएम काफिले में हुई थी दुर्घटना

एएसआई सुरेंद्र सिंह का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

बहरोड़-नीमराना, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के काफिले में शामिल एक टैक्सी कार की टक्कर से शहीद हुए पुलिसकर्मी -डख सुरेंद्र सिंह (52) का गुरुवार शाम करीब 4 बजे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इस दुखद घटना ने न केवल उनके परिवार बल्कि पुलिस विभाग और पूरे इलाके को गहरे शोक में डुबो दिया है।

यह हादसा बुधवार दोपहर करीब तीन बजे जयपुर के जगतपुरा स्थित अक्षयपात्र सर्किल पर हुआ। घटना के समय सुरेंद्र सिंह अपनी ड्यूटी पर थे और सीएम के काफिले के साथ सुरक्षा में तैनात थे। तभी एक टैक्सी रॉन्ग साइड से आई और सुरेंद्र सिंह ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन ड्राइवर ने कार को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में सुरेंद्र सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए और इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। इस हादसे में पांच अन्य पुलिसकर्मी भी घायल हुए, जिनका उपचार जीवन रेखा अस्पताल में चल रहा

है।घटना के बाद सुरेंद्र सिंह की पार्थिव देह को जयपुर से उनके पैतृक गांव बहरोड़-कोटपूतली के गांव काठ का माजरा लाया गया। नीमराना उपखंड स्थित हीरो चौक से लेकर उनके घर तक ढाई किलोमीटर की दूरी तक युवाओं ने तिरंगा यात्रा निकाली। इस दौरान सुरेंद्र सिंह अमर रहें के नारे गूंजते रहे, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

पार्थिव देह को घर पहुंचने के बाद मां किताब देवी (82) और पत्नी सविता सहित परिवार के सदस्य अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे। मां किताब देवी अपने बेटे की मौत से बेखबर थीं, और परिवार ने उन्हें डर के कारण इस हादसे की जानकारी नहीं दी थी। वह सिर्फ यह जानती थीं कि सुरेंद्र की तबीयत खराब है। जब यह खबर परिवार के अन्य सदस्य और सुरेंद्र की बहनें भी घर पहुंची, तो घर में कोहराम मच गया।

अंतिम संस्कार के दौरान पुलिस विभाग के अधिकारियों और जवानों ने -डख सुरेंद्र सिंह को गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया। उनके बेटे आकाश ने अंतिम संस्कार की प्रक्रिया को निभाया और मुखाग्नि दी। इस दौरान सुरेंद्र सिंह के परिवार और आस-पास के लोग गहरे दुख और आंसुओं में डूबे थे।

सुरेंद्र सिंह के परिवार और पुलिस विभाग के लिए यह एक भारी क्षति है। उनका निधन पूरे इलाके में शोक की लहर छोड़ गया है। उनके बलिदान और ड्यूटी के प्रति समर्पण को याद करते हुए स्थानीय लोगों ने उन्हें सच्चे नायक के रूप में सम्मानित किया।

बस की टक्कर से 3 की दर्दनाक मौत

दो सगे भाई और दोस्त की जिंदगी खत्म घर से 10 किमी दूर हादसा

बांसवाड़ा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

बांसवाड़ा जिले के खमेरा थाना इलाके में बुधवार को एक सड़क हादसे ने तीन परिवारों की दुनिया उजाड़ दी। एक प्राइवेट बस ने बाइक को टक्कर मार दी, जिसमें दो सगे भाइयों और उनके एक दोस्त की मौत हो गई।खमेरा इलाके के सुवाला नरू गांव के निवासी कन्हैयालाल (23), उनके छोटे भाई भैरूलाल (21), और दोस्त सेनिया (31) एक ही बाइक पर सवार होकर अहमदाबाद के लिए बस पकड़ने जा रहे थे। लेकिन घर से महज 10 किलोमीटर दूर नरवाली मोड़ पर उनकी बाइक को एक प्राइवेट बस ने कुचल दिया।

घटना रात करीब 11 बजे की है। राहगीरों ने तुरंत खमेरा थाना पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने घायलों को घाटोल सीएचसी भेजा, जहां से उन्हें बांसवाड़ा रेफर कर दिया गया। लेकिन, बांसवाड़ा पहुंचने पर डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

भैरूलाल और कन्हैयालाल दोनों अविवाहित थे। डेढ़ साल पहले पिता की मृत्यु के बाद उनकी मां ही घर की एकमात्र सदस्य बची हैं। सेनिया, जो दो बच्चों का पिता था, अपने परिवार के लिए अहमदाबाद में मजदूरी करता था। अब उसकी पत्नी, मां और बच्चे गहरे सदमे में हैं।

घटना के वक्त बाइक भैरूलाल चला रहा था, जबकि कन्हैयालाल और सेनिया पीछे बैठे थे। वे बस स्टैंड तक जाने की जल्दी में थे। लेकिन यह सफर उनके जीवन का आखिरी सफर बन गया।

यह हादसा एक बार फिर सड़क सुरक्षा के नियमों और भारी वाहनों की लापरवाही को लेकर सवाल खड़े करता है। गांव के लोगों ने नाराजगी जताते हुए दुर्घटना स्थल पर यातायात व्यवस्था को सुधारने की मांग की है।इस घटना ने न केवल तीन जानें छीनीं बल्कि उनके परिवारों को भी असीम दुख और असुरक्षा के साये में छोड़ दिया।

आठ वर्ष से फरार इनामी तस्कर गिरफ्तार

भीलवाड़ा, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के मांडल गढ़ थाना क्षेत्र में पुलिस ने डोडा-चूरा तस्करी मामले में आठ वर्ष से फरार 10 हजार रुपये के इनामी गोवर्धन जाट को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने गुरुवार को बताया कि पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के आदेश से इनामी वांछित आरोपितों की धरपकड़ के लिये विशेष दल का गठन किया गया। दल ने मुखबिर की सूचना पर चित्तौड़गढ़ जिले के वावटिया निवासी गोवर्धन लाल जाट (52) को गिरफ्तार किया है। जाट पर 10 हजार रुपये का इनाम भी घोषित था। वर्ष 2016 में नाकाबंदी के दौरान उससे 165 किलोग्राम डोडा चूरा बरामद किया गया था। इसी मामले वह फरार था।

मुख्यमंत्री सैनी ने की कष्ट निवारण बैठक

विकास कार्यों पर दिए अहम निर्देश

गुरुग्राम, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज गुरुग्राम में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े 23 मामलों को पेश किया गया, जिनमें से 19 शिकायतों का निपटारा मौके पर ही कर दिया गया। मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों और स्वच्छता अभियानों को प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि राज्य सरकार नगर निगम चुनाव जल्दी कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। साथ ही, उन्होंने अपराध पर नियंत्रण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, अपराधी या तो अस्पताल में हैं या फिर जेल में। मुख्यमंत्री ने पुलिस और प्रशासन को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्क रहने का निर्देश दिया।मुख्यमंत्री ने गुरुग्राम शहर की स्वच्छता और सौंदर्यीकरण

के लिए चल रहे अभियानों की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने के प्रयास तेज गति से जारी रहेंगे।मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को आड़े हाथों लेते हुए उन्हें फ्लॉप पार्टियां करार दिया। उन्होंने दावा किया कि जनता अब इनके झूठे वादों को समझ चुकी है और जल्द ही दिल्ली में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी।

गुरुग्राम के सेक्टर 14 स्थित राजकीय महिला कॉलेज में पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, फ़रीदाबाद और हरियाणा राज्य सीएसआर ट्रस्ट के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।इस समझौते के तहत : 100 बिस्तरों वाले गर्ल्स हॉस्टल और एक शिक्षण ब्लॉक का निर्माण किया जाएगा। आईटी, चिकित्सा, और संगीत उपकरणों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। परियोजना की अनुमानित लागत 20 करोड़ होगी।मुख्यमंत्री ने इस समझौते को छात्राओं और शिक्षकों के लिए बेहतर भविष्य की ओर एक महत्वपूर्ण कदम बताया।समाज के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता : बैठक के अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुग्राम शहर के विकास कार्यों और नागरिकों की शिकायतों के समाधान में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने स्थानीय प्रशासन को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं को समय पर और पूरी पारदर्शिता के साथ लागू किया जाए।

मुख्यमंत्री की इस बैठक और परियोजनाओं से गुरुग्राम के नागरिकों में विकास और स्वच्छता के प्रति आशा जगी है। शहर के विकास कार्यों को गति देने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

टांगरी बांध रोड से सेक्टरों को जोड़ने वाली रोड का निर्माण जल्द पूरा किया जाए : अनिल विज

अम्बाला, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने टांगरी बांध रोड से हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के सेक्टर 32-34 को जोड़ने वाली रोड के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और रोड का निर्माण जल्द पूरा करने के दिशा-निर्देश दिए।विज ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि रोड बनाने के कार्य को तेजी से पूरा किया जाए ताकि लोगों को टांगरी बांध रोड से सेक्टरों से होते हुए जीटी रोड तक सीधी कनेक्टिविटी मिल सके। उन्होंने निरीक्षण के दौरान रोड के लेवल एवं अन्य पहलुओं को बारिकी से जांचा और खासकर बरसात के दिनों में पानी निकासी व्यवस्था पर अधिकारियों से चर्चा की।कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि इस रोड का निर्माण होने से अम्बाला छावनी के लोगों को जीटी रोड तक आने-जाने में बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। वह टांगरी बांध रोड से सेक्टरों से होते हुए जीटी रोड से आ-जा सकेंगे।

कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने अपने आवास पर विभिन्न विकास कार्यों को लेकर नगर परिषद, पीडब्ल्यूडी, पब्लिक हेल्थ, पुलिस विभाग के अधिकारियों की बैठक करते हुए दिशा-निर्देश दिए। मच्छौंडा में रेलवे फ्लाईओवर निर्माण को लेकर उन्होंने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को कार्य जल्द से जल्द प्रारंभ करने के निर्देश दिए। निर्माण कार्य को लेकर उन्होंने डीआरएम अम्बाला से भी फोन पर बात की ताकि कार्य को जल्द प्रारंभ कराया जा सके। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार अम्बाला-दिल्ली रेलमार्ग पर रेलवे फ्लाईओवर बनने से क्षेत्रवासियों को आने-जाने में सुविधा मिलेगी।इसके अलावा उन्होंने गांधी ग्राउंड में साइकिल ट्रैक को जल्द प्रारंभ करने, सुभाष पार्क में फूड कोर्ट अलॉट करने, बैंक स्क्वेयर, बाजारों व कॉलोनियों में स्ट्रीट लाइट्स मल्टी लेवल पार्किंग व अन्य विकास कार्यों पर चर्चा की।

रेवाड़ी : अंतरराज्यीय चोर गिरोह का पर्दाफाश, 5 आरोपियों को किया काबू

रेवाड़ी, 12 दिसंबर (एजेंसियां)।

रेवाड़ी में उख3 टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अंतरराज्यीय चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 5 देसी कट्टे, 18 जिंदा कारतूस, चोरी करने वाले हथियार और एक कार बरामद की है। आरोपियों पर राजस्थान, हरियाणा, यूपी और अन्य राज्यों में कई मामले दर्ज हैं, और रेवाड़ी जिले में दो दर्जन से अधिक चोरी की वारदातों का भी खुलासा हुआ है।डीएसपी रविंद्र कुमार ने प्रेसवार्ता में बताया कि उख-टीम को कोसली में सूचना मिली थी कि कुछ युवक देहलावास नहर के पास स्थित एक ट्यूबवेल के कमरे में बैठकर लूट की योजना बना रहे हैं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान दिल्ली के नजफगढ़ निवासी देवेंद्र उर्फ सुभाष उर्फ मोटा, गाजियाबाद के सिल्वर सिटी पावी सादकपुर निवासी जगदीश उर्फ लंबू उर्फ काली, प्रेम पाल उर्फ लीला, गाजियाबाद के मोहल्ला सबूल गढ़ी निवासी मुकेश उर्फ रामू उर्फ भोपाल और राजस्थान के रूध इकरन निवासी राज के रूप में हुई है।

राष्ट्र प्रथम

बंटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे

Best Wishes

Baheti Steel Traders

YOUR TRUSTED TMT DISTRIBUTOR

BAHETI STEEL TRADERS LLP
3-1-336, ESAMIYA BAZAR,
KOTI, HYDERABAD, 27.
+917036525252

BAHETI STEEL INDUSTRIES
11/3, NACHARAM - MALLAPUR RD,
BABA NAGAR, NACHARAM,
SECUNDRABAD, 76.
+919393945252

BAHETI STEELS
MOHAN NAGAR,
VIVEKANANDA COLONY,
BAIRAMALGUDA, 74.
+919393000632

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.